www.navpradesh.com

दैनिक नव प्रदेश

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

रायपुर, शुक्रवार, 22 मई 2026 कृष्ण पक्ष-षष्ठी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 102 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

49 हजार करोड़ की बोधघाट योजना, बस्तर में बिजली-सिंचाई और रोजगार का नया सपना

अनिल सामंत

नवप्रदेश विशेष

जगदलपुर/नवप्रदेश। दंतेवाड़ा जिले के बारसुर के समीप इंद्रावती नदी पर प्रस्तावित बहुप्रतीक्षित बोधघाट बहुउद्देशीय परियोजना एक बार फिर चर्चा में है। करीब 45 वर्षों से फाइलों, विरोध और विस्थापन की आशंकाओं के बीच अटकी यह परियोजना अब नए सर्वे के साथ निर्णायक दिशा की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा परियोजना को पुनर्जीवित करने के फैसले के बाद दिल्ली की वेपकोस लिमिटेड ने क्षेत्र में सर्वे कार्य शुरू कर दिया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार आगामी तीन महीनों में सर्वे पूरा कर लिया जाएगा, जिसके आधार पर नई विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्वयं इस परियोजना की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सरकार इस बार बोधघाट परियोजना को ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सर्वे शुरू

- ■ वेपकोस का सर्वे तय करेगा भविष्य, योजना से बदलेगी बस्तर की तस्वीर
- ■ तीन माह में सर्वे पूरा होने की उम्मीद, साय सरकार परियोजना पर गंभीर
- ■ उम्मीदों के बीच विस्थापन व जनसहमति सबसे बड़ी चुनौती

पोलावरम-बोधघाट योजना एक समय में हुई थी शुरू

बताया जा रहा है कि पोलावरम परियोजना और बोधघाट परियोजना लगभग एक ही समय में शुरू हुई थीं, लेकिन पोलावरम का अधिकांश निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि बोधघाट परियोजना अब तक प्रारंभ नहीं हो सकी। परियोजना से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास एवं आजीविका के लिए पशुपालन, मत्स्य पालन, पर्यटन और परिवहन जैसे वैकल्पिक रोजगार की योजना भी तैयार की जा रही है।

3 जिलों के 269 गांव में बढ़ेगी सिंचाई व्यवस्था

परियोजना पूरी होने पर दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिले के 269 गांवों के किसानों को सालभर सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा। जल संसाधन विभाग के अनुसार बस्तर संभाग में कुल नौ बड़ी परियोजनाएं प्रस्तावित हैं और बोधघाट के आगे बढ़ने के बाद मटनार, चित्रकोट, कुटरू, नुगूर जैसे अन्य जलविद्युत एवं बहुउद्देशीय परियोजनाओं के लिए भी रास्ता खुल सकता है।

सर्वे-डीपीआर वाप्कोस लिमिटेड की जिम्मेदारी

> प्रस्तावित बोधघाट बहुउद्देशीय परियोजना के सर्वेक्षण, अनुसंधान एवं विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने की जिम्मेदारी भारत सरकार के मिनीरत्न उपक्रम वाप्कोस लिमिटेड को सौंपी गई है। कंपनी केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों से आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त करने की प्रक्रिया भी पूरी करेगी।
>
> – **ग्राहम**, सीई, जल संसाधन विभाग

आज बेबाक

दस रुपये की झालमुड़ी से बहुतों को झाल लगी। कई तो जल भूनकर राख ही हो गए। अब एक रुपये वाली मेलोडी चाकलेट ने भी जलकुकड़ों के तन बदन में आग लगाकर रख दी है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली प्रवास के दौरान वहां की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी को मेलोडी चाकलेट का छोटा पैकेट देकर बड़ा धमाका कर दिया। इसके वीडियो ने इंटरनेट पर धमाल मचा दिया। जाहिर है इससे रुदाली गैंग को मिर्ची लगनी ही थी। नतीजतन देश में बर्नाल की बिक्री बढ़ गई। समझ में नहीं आता कि इन दुखी आत्माओं का दुख कम क्यों नहीं होता?

तापमान

अधिकतम 44° न्यूनतम 27°

बाजार भाव

गोल्ड	सिल्वर
1,51,140	2,54,798

शेयर बाजार

संसेक्स	निफ्टी
77,328.19	24,176.15

विश्व जनसंख्या	भारत जनसंख्या
8,291,743,121	1,474,975,253

राजनाथ ने भारतीय युद्ध स्मारक का किया उद्घाटन

नयी दिल्ली/वार्ता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और दक्षिण कोरिया के पूर्व सैनिक मामलों के मंत्री क्वोन ओह-यूल ने गुरुवार को सियोल स्थित इमजिंगाक पार्क में भारतीय युद्ध स्मारक का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि निर्मित यह स्मारक भारतीय सेना की 60 पैरा फील्ड एम्बुलेंस और कस्टोडियन फोर्स ऑफ इंडिया द्वारा युद्ध के दौरान प्रदर्शित साहस, बलिदान और मानवीय सेवा को समर्पित है।

रायपुर एयरपोर्ट पर 30 फीट ऊंचाई से गिरा इलेक्ट्रीशियन, मौत

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के माना स्थित स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। एयरपोर्ट के वेटिंग हॉल में फॉल्स सीलिंग रिपेयरिंग के दौरान एक संविदा कर्मचारी करीब 30 फीट ऊंचाई से नीचे गिर गया। हादसे में उसके सिर पर गंभीर चोट आई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान इलेक्ट्रीशियन कुबेर चंद्र साहू के रूप में हुई है।

गरमा-गरम

तमिलनाडु में कांग्रेस विधायक ने शपथ में राहुल गांधी जिंदाबाद कहा
मैं राहुल जी की शपथ लेता हूं कि...

किसानों को बिना एग्रीस्टेक पंजीयन नहीं मिलेगी खाद, सॉफ्टवेयर तय करेगा कोटा

डिजिटल कृषि से जमाखोरों पर 'सर्जिकल स्ट्राइक'

हेमंत धोटे

रायपुर/नवप्रदेश। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और अमेरिका-ईरान तनाव के कारण पैदा हुए वैश्विक संकट के बीच भारत सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार पूरी तरह 'अलर्ट मोड' पर आ गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उर्वरकों की कीमतों में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति बाधित होने की आशंका को देखते हुए केंद्र और राज्य सरकार ने मिलकर छत्तीसगढ़ के अन्नदाताओं के लिए एक अभेद्य 'सुरक्षा कवच' तैयार कर लिया है। आगामी खरीफ सीजन 2026 के लिए राज्य में खाद-बीज का स्टॉक फुल है और किसानों को किसी भी तरह की किल्लत नहीं होने दी जाएगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री भी सख्त-जमाखोरों पर होगी 'सर्जिकल स्ट्राइक': खाद की कालाबाजारी और अवैध भंडारण को रोकने के लिए जिला स्तर पर उड़नदस्तों (स्क्वाड) और निरीक्षकों को तैनात कर दिया गया है। ये टीमें फील्ड पर जाकर हर दिन की सप्लाई और स्टॉक की रिपोर्ट शासन को भेजेंगी। उधर नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी एक उच्चस्तरीय बैठक कर साफ कर दिया है कि वैश्विक संकट का असर देश के किसानों पर नहीं पड़ने दिया ■ शेष पृष्ठ 8 पर

- ■ खाद की कालाबाजारी पर लगेगा ब्रेक, छत्तीसगढ़ में 'फार्मर आईडी' और 'ई-वितरण' प्रणाली लागू
- ■ वैश्विक संकट के बीच साय सरकार का 'सुरक्षा कवच'
- ■ एग्रीस्टेक पोर्टल से तय होगा खाद का कोटा, गड़बड़ी करने वालों पर गिरेगी गाज

छत्तीसगढ़ के अन्नदाताओं के लिए
अभेद्य सुरक्षा कवच
खाद-बीज का स्टॉक फुल
यूरिया
DAP 18:46:0
NPK 19:19:19
धान बीज
मक्का बीज
चिंता मुक्त हम, समृद्ध होगा छत्तीसगढ़!
खरीफ सीजन 2026 के लिए हमारी तैयारी
पर्याप्त खाद-बीज का भंडारण
समय पर आपूर्ति की सुनिश्चितता
किसानों को किसी भी तरह की किल्लत नहीं होने देंगे
किसानों की आय और उत्पादन बढ़ाना हमारा संकल्प
किसान खुशहाल, छत्तीसगढ़ समृद्ध

> केंद्र और राज्य सरकार के बेहतर समन्वय से खाद-बीज की उपलब्धता पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। एक-एक पंजीकृत किसान को समय पर खाद मिलेगी, कालाबाजारी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।
>
> – **रामविचार नेताम**, कृषि विकास मंत्री

छत्तीसगढ़ में उर्वरक उपलब्धता की वर्तमान स्थिति (30 मार्च तक)

नाम	लक्ष्य	वर्तमान उपलब्धता
यूरिया	आवंटित लक्ष्य 7.25 लाख मीट्रिक टन	(वर्तमान उपलब्धता: 2.43 लाख मीट्रिक टन)
डीएपी	आवंटित लक्ष्य 3.00 लाख मीट्रिक टन	(वर्तमान उपलब्धता: 1.05 लाख मीट्रिक टन)
एनपीके	आवंटित लक्ष्य 2.50 लाख मीट्रिक टन	(वर्तमान उपलब्धता: 1.69 लाख मीट्रिक टन)
एसएसपी	आवंटित लक्ष्य 2.00 लाख मीट्रिक टन	(वर्तमान उपलब्धता: 1.78 लाख मीट्रिक टन)
एमओपी	आवंटित लक्ष्य 0.80 लाख मीट्रिक टन	(वर्तमान उपलब्धता: 0.50 लाख मीट्रिक टन)

25 लाख टन यूरिया मंगाया

अमेरिका-ईरान तनाव के कारण पैदा हुए संकट को देखते हुए सरकार ने 2026 के लिए 25 लाख टन यूरिया के आयात को मंजूरी दी है। यह सप्लाई 'स्ट्रेट ऑफहॉर्मुज' के रास्ते को छोड़कर अल्जीरिया, नाइजीरिया, ओमान और रूस से सीधे मंगवाई जा रही है।

भारत-रूस मिलकर यूरिया फैक्ट्री लगाएंगे

अभी जरूरत का 71% यूरिया मिडिल-ईस्ट से आता है। ईरान जंग के कारण पैदा हुए यूरिया संकट के बीच भारत और रूस ने जॉइंट वेंचर में फर्टिलाइजर प्लांट लगाने की प्रक्रिया तेज कर दी हैं। यह प्लांट रूस के समारा में लगाया जा रहा है, जो अगले दो साल में बनकर तैयार हो जाएगा। इसे लेकर हाल ही में एक भारतीय दल ने रूस का दौरा किया है।

छत्तीसगढ़ में खाद का 'फुलप्रुफ' ब्लूप्रिंट और वर्तमान स्टॉक

केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ के लिए 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का लक्ष्य आवंटित किया है। राज्य ने अग्रिम भंडारण तेज कर दिया है और 30 मार्च तक गोदामों में 7.48 लाख मीट्रिक टन खाद का सुरक्षित स्टॉक जमा किया जा चुका है।

यूरिया का सस्ता और जैविक विकल्प: 'नील हरित काई' और 'नैनो यूरिया' का जादू रासायनिक खादों पर निर्भरता कम करने और किसानों की लागत घटाने के लिए सरकार आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा दे रही है।

नील हरित काई: इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से अप्रैल से कृषि विज्ञान केंद्रों और सरकारी उद्यानों में इसके 'मदर कल्चर' का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू हो रहा है। यह तकनीक हवा से नाइट्रोजन सोखकर धान की फसल को प्राकृतिक रूप से पोषक तत्व देगी।

नैनो फर्टिलाइजर्स: कम खर्च में अधिक पैदावार के लिए नैनो यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है और इसके लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

हरी खाद: मृदा स्वास्थ्य (मिट्टी की सेहत) सुधारने के लिए ढेंचा और अन्य दलहनी फसलों के लिए मंडी निधि से विशेष बजट स्वीकृत किया गया है।

किसानों के लिए सलाह

खरीफ2026 के लिए खाद की कोई किल्लत नहीं है। किसानों से अपील की गई है कि वे घबराकर जरूरत से ज्यादा भंडारण न करें। खाद व अन्य सरकारी लाभ सुचारू रूप से पाने के लिए एग्रीस्टेक पोर्टल पर अपना पंजीकरण अनिवार्य रूप से जल्द से जल्द कराएं और यूरिया के खर्च को कम करने के लिए नैनो यूरिया व नील-हरित काई जैसे विकल्पों को अपनाएं।

यूरिया का उत्पादन कम, खपत ज्यादा

सालाना खपत: करीब 400 लाख मीट्रिक टन।
घरेलू उत्पादन: करीब 300 लाख मीट्रिक टन।
खाद की कमी: लगभग 100 लाख मीट्रिक टन।
इंपोर्ट पर खर्च: यूरिया की कमी को पूरा करने के लिए भारत पूरी तरह इम्पोर्ट पर निर्भर है। 2025 में भारत ने यूरिया आयात पर करीब 20 हजार करोड़ खर्च किए।

पुलवामा ग्रेनेड अटैक में शामिल आतंकी हमजा बुरहान की हत्या

इस्लामाबाद (ए.)। पुलवामा में 2020 में हुए ग्रेनेड हमले में शामिल आतंकी हमजा बुरहान की पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में गोली मारकर हत्या कर दी गई। मुजफ्फराबाद के एआईएमएस कॉलेज के बाहर अज्ञात हमलावरों ने उस पर कई गोलियां चलाईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। भारत ने 2022 में हमजा बुरहान को यूएपीए के तहत आतंकी घोषित किया था। वह अबू दुजाना, अबू कासिम, बुरहान वानी और जाकिर मूसा का करीबी था।

भारत से पाकिस्तान गया, फिर आतंकी संगठन से जुड़ा: सरकार के मुताबिक, अर्जुमंद गुलजार डार उर्फ हमजा बुरहान उर्फ डॉक्टर पुलवामा के रत्नीपोरा इलाके का रहने वाला था। 23 साल का हमजा, आतंकी संगठन अल बद्र से जुड़ा हुआ था। अल बद्र को सरकार ने आतंकवादी संगठन घोषित किया हुआ है। वह कानूनी तरीके ■ शेष पृष्ठ 8 पर

ईरान जंग पर ट्रम्प-नेतन्याहू में टकराव, अमेरिका डील चाहता है

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ईरान युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू चाहते हैं कि ईरान पर हमले जारी रहें, जबकि ट्रम्प फिलहाल बातचीत और डील को मौका देना चाहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक फोन पर बातचीत हुई। अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि नेतन्याहू ने ट्रम्प से कहा कि ईरान पर प्रस्तावित हमले रोकना गलती है और सैन्य कार्रवाई जारी रहनी चाहिए। सीएनएन के मुताबिक, ट्रम्प ने रविवार को नेतन्याहू को बताया था कि अमेरिका ईरान पर नए टारगेटेड हमले की तैयारी कर रहा है। इस ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पीएम नरेंद्र मोदी की 5 दिवसीय यात्रा से भारत को मिला 40 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पांच दिवसीय यात्रा से भारत को करीब 40 अरब डॉलर के नए निवेश की प्रतिबद्धताएं हासिल हुई हैं। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने सेमीकंडक्टर, लॉजिस्टिक्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी, ग्रीन हाइड्रोजन और एआई जैसे क्षेत्रों में काम करने वाली 50 से अधिक बहुराष्ट्रीय कंपनियों के CEOs और वरिष्ठ ■ शेष पृष्ठ 8 पर

प्रमुख निवेश घोषणाएं

- ■ संयुक्त अरब अमीरात ने भारत में 5 अरब डॉलर के नए निवेश की घोषणा की।
- ■ कई कंपनियों ने भारत में अपने परिचालन विस्तार और नए निवेश का वादा किया है।
- ■ अधिकारियों के अनुसार, यात्रा के दौरान हुई चर्चाओं और प्रस्तावित योजनाओं का कुल अनुमानित मूल्य 40 अरब डॉलर है। इन कंपनियों की भारत में पहले से ही मजबूत उपस्थिति है और उनका कुल निवेश लगभग 180 अरब डॉलर का है।

बंगाल के मदरसों में 'वंदे मातरम' गाना अनिवार्य

- ■ मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी सरकार का बड़ा और ऐतिहासिक फैसला

कोलकाता/ए.। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई सरकार ने एक बेहद बड़ा, कड़ा और दूरगामी सांस्कृतिक व राजनीतिक प्रभाव वाला नीतिगत फैसला लिया है। राज्य सरकार ने गुरुवार को एक आधिकारिक आदेश जारी करते हुए पश्चिम बंगाल के सभी सरकारी स्कूलों के साथ-साथ अब सभी सरकारी सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त मदरसों में भी क्लास शुरू होने से पहले यानी प्रार्थना सभा के दौरान राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' गाना पूरी तरह से अनिवार्य कर दिया है। सरकार के इस ऐतिहासिक फैसले के बाद से ही राज्य के भीतर और शैक्षणिक हलकों में एक नई कूटनीतिक व ■ शेष पृष्ठ 8 पर

13 मई को सरकारी स्कूलों के लिए जारी हुआ था पहला आदेश

गौरतलब है कि इससे पहले बीते 13 मई की शाम को पश्चिम बंगाल शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी सामान्य सरकारी स्कूलों में 'वंदे मातरम' गाना अनिवार्य करने संबंधी पहली अधिसूचना जारी की थी। राज्य के नए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने 14 मई को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर शिक्षा विभाग की इस अधिसूचना को खुद साझा कर जनता को इसकी जानकारी दी थी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव की ओर से जारी उस अधिसूचना में कहा गया था कि स्कूलों में कक्षाएं शुरू होने से पहले प्रार्थना सभा के दौरान राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' का गायन तत्काल प्रभाव से लागू माना जाएगा, और अब ठीक इसी तर्ज पर इसे सूबे के सभी श्रेणी के मदरसों पर भी पूरी तरह से बाध्यकारी बना दिया गया है।

सुशासन तिहार : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ग्रामीणों से किया संवाद, सुनी समस्याएं, योजनाओं की दी जानकारी

तेंदूपत्ता संग्राहकों के बीच पहुंचे सीएम, महुआ पेड़ के नीचे लगाई चौपाल

- ■ चरण पादुका वितरण कर संग्राहकों का बढ़ाया उत्साह: राशन, पेयजल, शिक्षा और महतारी वंदन योजना की ली जानकारी

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज सूरजपुर प्रवास के दौरान रामानुजनगर प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्रहण फड़ पटना का निरीक्षण कर तेंदूपत्ता संग्राहकों से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने तेंदूपत्ता संग्रहण कार्यों का जायजा लेते हुए संग्राहकों की समस्याओं, आजीविका और मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली तथा वनाधारित अर्थव्यवस्था से जुड़े परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आगमन पर तेंदूपत्ता संग्राहकों ने आत्मीय स्वागत करते हुए तेंदूपत्ता और तेंदू फलों से निर्मित विशेष माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े, विधायक भूलन सिंह मरावी तथा वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा का भी सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री ने संग्राहकों के श्रम और योगदान की सराहना करते हुए कहा कि वनाधारित आजीविका से जुड़े लोग ग्रामीण अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण शक्ति हैं और उनके जीवन में ■ शेष पृष्ठ 8 पर

प्रशासनिक कामकाज का फीडबैक भी लिया

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महुआ पेड़ की छांव में चौपाल लगाकर संग्राहकों से सीधा संवाद किया और कहा कि सरकार स्वयं लोगों का हालचाल जानने गांव-गांव पहुंच रही है। उन्होंने राशन वितरण व्यवस्था, पेयजल उपलब्धता, जल जीवन मिशन की प्रगति, राजस्व प्रकरणों, शिक्षा व्यवस्था तथा महतारी वंदन योजना की राशि प्राप्ति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने महिलाओं से महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि के उपयोग के बारे में चर्चा करते हुए परिवार की आर्थिक मजबूती और बच्चों की जरूरतों में उसके सकारात्मक उपयोग की जानकारी प्राप्त की।

ओबीसी कोटे में दिव्यांगों को 7% से ज्यादा नियुक्ति, हाईकोर्ट सख्त

- ■ छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट शिक्षक भर्ती पर बोला- प्रक्रिया गलत, नई मेरिट लिस्ट बनाने का आदेश

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस राकेश मोहन पांडेय ने शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी पर सख्त टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षित पदों पर तय सीमा से ज्यादा दिव्यांग उम्मीदवारों को केवल उनकी योग्यता के आधार पर नियुक्ति देना कानूनन गलत है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को मेरिट लिस्ट की समीक्षा कर 90 दिन के अंदर दोबारा मेरिट लिस्ट बनाने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, उमेश कुमार श्रीवास, नेहा साहू, प्रमोद कुमार साहू सहित कई लोगों ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। इसमें बताया कि लोक शिक्षण संचालनालय ने 9 मार्च 2019 को व्याख्याता, शिक्षक और सहायक ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कार्यकर्ता संगठन का स्तम्भ है, साधन नहीं, भाजपा इसे विकसित राष्ट्र के संकल्प के रूप में देखती है : पवन साय

- **प्रशिक्षण के माध्यम से संगठन को मजबूत बनाने पर दिया गया जोर, भाजपा एकात्म मानववाद की दिशा में करती है कार्य**

कवर्धा / नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का विधिवत समापन बुधवार को हो गया । 19 मई को जी-श्याम पैलेस में प्रारंभ हुए इस प्रशिक्षण वर्ग में भाजपा की वैचारिक कार्यपद्धति, संगठन विस्तार, राष्ट्र निर्माण, सामाजिक दायित्व, मीडिया प्रबंधन, सोशल मीडिया, सांस्कृतिक विरासत एवं कार्यकर्ता विकास जैसे विविध विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण वर्ग के शुभारंभ अवसर पर संगठन महामंत्री पवन साय ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है और कार्यकर्ता ही संगठन की वास्तविक शक्ति हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को केवल संगठन का साधन नहीं, बल्कि विकसित राष्ट्र के संकल्प के वाहक के रूप में देखती है। राष्ट्र निर्माण में प्रशिक्षण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अनुशासन, समन्वय एवं सुव्यवस्थित कार्यपद्धति ही किसी भी संगठन को मजबूत बनाती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है, जिसका संचालन आत्मीयता, पारिवारिक भाव और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से होता है। भाजपा की कार्यपद्धति कार्यकर्ता विकास, संगठन विस्तार एवं समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना पर आधारित है।

प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम सत्र में पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने प्रशिक्षण की उपादेयता विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न

राज्यों में भाजपा की सफलता के पीछे प्रशिक्षित एवं समर्पित कार्यकर्ताओं की बड़ी भूमिका रही है। प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा से जोड़ते हुए उन्हें सही दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।

द्वितीय सत्र में प्रमुख वक्ता श्रीमती शताब्दी पांडेय ने भाजपा का इतिहास विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा एवं सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित संगठन है।

तृतीय सत्र में प्रशिक्षण प्रभारी राजेंद्र वैष्णव ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति और विरासत विषय पर जानकारी देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध लोक परंपराओं, जनजातीय संस्कृति एवं ऐतिहासिक धरोहर के लिए विशेष पहचान रखता है।चतुर्थ सत्र में श्री प्रमोद सिंह ने बूथ जीते तो चुनाव जीते विषय पर कार्यकर्ताओं को संगठन की मूल रणनीति समझाई।

पंचम सत्र में डॉ. अवधेश जैन ने हमारा संवैधानिक एवं वैचारिक अधिष्ठान व पंचनिष्ठा विषय पर कार्यकर्ताओं को भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा एवं संगठनात्मक मूल्यों की जानकारी दी।षष्ठम व्यवहारिक सत्र में कार्यकर्ताओं को समूहों में विभाजित कर विभिन्न विषयों पर चर्चा कराई गई। इस दौरान प्रदेश प्रवक्ता जसविंदर बग्गा ने सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग को लेकर मार्गदर्शन दिया। श्री बग्गा ने अपने समूह में उपस्थित कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया और ए आई के विभिन्न टूल के प्रयोग को प्रैक्टिकल करके प्रशिक्षण दिया।इस दौरान महिला सशक्तिकरण एवं लाभार्थी पैनल के माध्यम से अनुभव साझा किए गए। वहीं सातवें सत्र में ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अशोक साहू ने संगठन विस्तार एवं कार्यपद्धति पर विस्तार से जानकारी दी।

आठवें सत्र में डॉ. श्रद्धा मिश्रा ने सोशल मीडिया एवं एआई के महत्व पर चर्चा करते हुए नमो ऐप, सरल ऐप सहित विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म के पार्टीहित में उपयोग की जानकारी दी।

नवम सत्र में पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने देश के समक्ष चुनौतियां एवं निदान के हमारे प्रयास विषय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व स्तर पर नई पहचान बना रहा है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

न्यूज गैलरी

व्यापारी संघ नगरी के द्वारा नगरी थानेदार से सौजन्य भेंट

नगरी/नवप्रदेश। नगरी थाना प्रभारी अरूण कुमार साहू का मेचका थाना से नगरी थाना तबादला होकर आये है जिनसे आज नगरी थाना जाकर नगरी व्यापारी संघ दुवारा सौजन्य मुलाकात किया एंव नव पदस्थ अरूण कुमार साहू को गुलदस्ता भेंट किया गया एंव नगर में चौक चौराहों पर गस्त बढाने एंव अपनी अपनी दुकानों में सी सी कैमरा लगाने के लिए, अवैध कार्य में अंकुश लगाने के लिए , स्पीड मोटर साइकिल व अन्य वाहन चालकों के उपर कार्यवाहीकरने के लिए व अन्य विषयों पर चर्चा किया गया किया गया बैठक में मुख्य रूप से व्यापारी संघ के अध्यक्ष संतोष साहू, शंकर पंजाबी, विक्की खनूजा,त्रिलोक सिन्हा, धनेश देवांगन, प्रवीण परिहार,भुपेद्र सेन, खेमेद्र साहू,हरिश साहू, अन्य नगर के व्यापारी संघ उपस्थित थे।

बायसन के हमले से एक ग्रामीण की मौत वन विभाग ने दी तत्काल सहायता राशि

बलौदाबाजार/ नवप्रदेश। वन विकास निगम परियोजना परिक्षेत्र रवान अंतर्गत मंगलवार को तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए जंगल गए ग्रामीणों पर बायसन के हमले में एक ग्रामीण की मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा तत्काल आवश्यक कार्रवाई की गई। परियोजना परिक्षेत्र अधिकारी रवान द्वारा मृतक के परिजनों को तात्कालिक सहायता राशि 25,000 प्रदान की गई है। साथ ही शासन के प्रावधान अनुसार मृतक के परिवार को देय क्षतिपूर्ति राशि भी प्रदान की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बायसन के हमले में तीन ग्रामीण घायल हो गये। इस घटना में ग्राम गजराडीह निवासीदेवेन्द्र साहू (उम्र 45 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। घटना में घायल अन्य दो ग्रामीणों का निजी अस्पताल में उपचार जारी है।वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर ने कहा है कि वन विभाग द्वारा लगातार ग्रामीणों को मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं से बचाव के संबंध में जागरूक किया जा रहा है तथा वन क्षेत्रों में सुरक्षा एवं सतर्कता बनाए रखने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वन क्षेत्रों में जाते समय सावधानी बरतें एवं वन विभाग के दिशा-निर्देशों का पालन करें।

विशेष लोक अभियोजक अनिमेष मिश्रा ने पदभार संभालना

बेमेतरा / नवप्रदेश। विशेष लोक अभियोजक अनिमेष मिश्रा ने पदभार संभालने के बाद आज पुलिस कार्यालय बेमेतरा पहुंचकर पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू से सौजन्य मुलाकात की।इस दौरान पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने पुलिस कार्यालय बेमेतरा में विशेष लोक अभियोजक एवं जिला अभियोजक अधिकारियों के साथ दोष मुक्ति प्रकरणों के संबंध में समीक्षा बैठक की। इस समीक्षा बैठक में कुछ प्रकरणों में आरोपियों के दोष मुक्ति होने के कारणों के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई।जिसमें किसी भी मामलों में प्रकरणों के विवेचकों द्वारा विवेचना में होने वाले त्रुटियों को दूर करने हेतु एवं भौतिक साक्ष्यों को सावधानी से एकत्र करने हेतु अभियोजन अधिकारियों ने सुझाव दिये। होस्टाईल हो रहे प्रार्थी एवं गवाहों को उनके द्वारा दिये गये अभिमत/कथन पर कायम रहने हेतु विवेचकों को प्रकरण के प्रार्थियों के साथ लगातार सम्पर्क में रहने हेतु निर्देशित किये। जिससे की प्रकरण के प्रार्थी एवं गवाह अपने कथन को न्यायालय में निर्भीक एवं स्वतंत्र रूप से दे सके जिसके फ्लस्वरूप आरोपी न्यायालय से विचारणों उपरांत दोष सिद्ध हो सके एवं अपराधी द्वारा उसके किए गए अपराध की समुचित सजा मिल सके। विवेचना के दौरान घटना स्थल का बारिकी से निरीक्षण कर परीस्थितिजन्य साक्ष्य एकत्र करने एवं संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुये कार्यवाही करने, त्रुटि रहित विवेचना करने के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया।

नवा तरिया, कन्टूर ट्रेंच, रिचार्ज, अमृत सरोवर एवं वृक्षारोपण जैसे कार्यों से हो रहा प्रयास

बूंद-बूंद पानी सहजने हो रहा सामूहिक प्रयास

- **जन भागीदारी से घर के पास, आंगनों, खेतों एवं अन्य उपयुक्त स्थानो में सोकपिट निर्माण के लिए किया जा रहा आह्वान**

कवर्धा / नवप्रदेश। जिले के मैदानी क्षेत्र से लेकर वनांचल क्षेत्रो तक एवं शहरी क्षेत्रो से लेकर गांव तक इस वर्षा ऋतु में जनभागीदारी द्वारा बूंद-बूंद पानी बचाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहे हैं। जल संचय जन भागीदारी से अभी तक अलग-अलग कैटेगरी में 125000 से अधिक कार्य होने जा रहे हैं जिससे जल संरक्षण करते हुए भू-जल स्तर में वृद्धि किया जा सके। पानी रोकने के लिए सबसे ज्यादा प्रयास जन भागीदारी के रूप में हो रहा है। जिसमें विशेष कर घरों एवं खेतों में सोकपिट का निर्माण ग्रामीणों द्वारा किया गया है,साथ ही स्कूल, आंगनबाड़ी भवनो,पंचायत भवन एवं हैंडपंप के पास जैसे अनेक स्थानों को मिलाकर अभी तक 102000 से अधिक सोकपिट का निर्माण जन भागीदारी से किया जा चुका है।जल संचय जन भागीदारी से पानी को रोकने के लिए सोकपिट का निर्माण करने गांव-गांव अभियान चलाया जा रहा है। इसमे ग्रामीण और विशेषकर महिलाएं स्वय से इस अभियान में जुड़कर लोगों को प्रोत्साहित कर रही है।

समूह की दीदियों द्वारा पांच प्रतिशत मॉडल अंतर्गत सोकपिट का निर्माण कर जल संरक्षण के लिए कर रही प्रेरित

5 प्रतिशत मॉडल के रूप में स्व सहायता समूह की दीदियों द्वारा अपने घरों एवं खेतों में सोकपिट का निर्माण किया जा रहा है। इस अभियान द्वारा अभी तक 25000 से अधिक सोकपिट का निर्माण हो चुका है। यह कार्य स्व प्रेरणा एवं जन भागीदारी से हो रहा है तथा ग्रामीण महिलाएं 2 2 1 फीट का सोकपिट उपयुक्त स्थानो पर अपने परिवार के साथ श्रमदान करते हुए बना रही है।

जल संरक्षण के साथ आजीविका के लिए महात्मा गांधी नरेगा योजना से हो रहे प्रयासों पर एक नजर......!

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत ग्रामीणों को रोजगार के साथ जल संरक्षण और उसे आजीविका संवर्धन की गतिविधियों को जोड़ने के लिए नवा तरिया आय के जरिया अंतर्गत 24 स्थान में बड़े पैमाने पर तालाबों का निर्माण कराया जा रहा है। इसमें अनुमानित 1.6 लाख मानव दिवस रोजगार का सीजन होगा। तरिया का आनुमानित आकार 80 80 3 मीटर है जिसमे जल संरक्षण और आजीविका की गतिविधियां होगी।साथ ही 112 अलग-अलग ग्राम पंचायतो में अमृत सरोवर का निर्माण किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त दो पहाड़ी क्षेत्रो में 4975 कन्टूर ट्रेंच का निर्माण किया गया है। 292 आजीविका डाबरी के निर्माण से एक ओर जहा हितग्राहियों को रोजगार का अवसर मिलेगा तो वहीं दूसरी ओर मत्स्य पालन जैसे आजीविका के नए रास्ते भी खुले है। 652 रिचार्ज पिट, 435 तालाब गहरीकरण, 515 कच्ची नाली निर्माण, 121 नाला पुनरुद्धार, 150 चेक डैम, 75 सार्वजनिक डबरी एवं 85 वृक्षारोपण के कार्य हुए हैं।

आपदा पीड़ित तीन परिवारों को 12 लाख की आर्थिक सहायता

बलौदाबाजार/ नवप्रदेश। प्राकृतिक आपदा से मृत 3 लोगों के निकट परिजनों के लिए प्रत्येक व्यक्ति के लिए 4-4 लाख रूपये के मान से 12 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने राजस्व पुस्तक परिपत्र की धारा 6-4 के तहत ये स्वीकृतियां प्रदान की हैं।

जिला कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित परिजनों में मानसिंह साहू पिता चैतराम साहू ,निवासी ग्राम करहुल, तहसील सिमगा, यमुना बाई साहू पति मानसिंह साहू, निवासी ग्राम करहुल, तहसील सिमगा, रबीलाल पिता रामसिंग यादव, निवासी ग्राम मोतीपरु तहसील कसडोल शामिल है।पीड़ितों के निकट परिजनों के शिवनाथ नदी, स्टॉप डैम्प के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। कलेक्टर ने संबंधित तहसीलदारों को आरटीजीएस के जरिये पीड़ित लोगों के खाते में राशि जमा करने के निर्देश दिये हैं।

अवैध रेत परिवहन पर जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, चार वाहन जब्त

- **कलेक्टर के निर्देश पर खनिज अमले की सख्त कार्रवाई, 1.22 लाख रुपए अर्थदण्ड प्रस्तावित**

बेमेतरा / नवप्रदेश। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने हेतु कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 20 मई को खनिज अमले द्वारा बेमेतरा क्षेत्र में विशेष जांच एवं निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान रेत का अवैध परिवहन करते हुए 04 वाहनों को पकड़ा गया। खनिज विभाग की टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए संबंधित वाहनों को जप्त कर थाना बेमेतरा की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा कराया है। जांच के दौरान वाहनों के पास वैध दस्तावेज एवं परिवहन संबंधी अनुमति नहीं पाई गई, जिसके चलते अवैध परिवहन का प्रकरण दर्ज किया गया है। खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार संबंधित वाहन संचालकों के विरुद्ध खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23-ख के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रकरण में कुल 1 लाख 22 हजार रुपये की अर्थदण्ड राशि निर्धारित कर प्रशमन की कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण करने वालों के खिलाफ निरंतर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मरीजों की सुरक्षा से हो रहा खिलवाड़, ऑनलाइन कंपनियों के खिलाफ दवा व्यापारियों का प्रदर्शन

गरियाबंद/नवप्रदेश। अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री और क्विक कॉमर्स कंपनियों के बढ़ते दखल के विरोध में बुधवार को गरियाबंद जिले के दवा व्यापारियों ने एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल करते हुए जिलेभर के मेडिकल स्टोर बंद रखे। गरियाबंद जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के बैनर तले केमिस्टों ने बाइक रैली निकालकर विरोध दर्ज कराया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

सुबह से ही जिले के मेडिकल स्टोर बंद रहे जिससे कई मरीजों और परिजनों को दवाइयों के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं दूसरी ओरए जिलेभर के दवा व्यापारी एकजुट होकर बाइक रैली के माध्यम से नगर के प्रमुख चौक.चौराहों से गुजरते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे जहां उन्होंने अपनी मांगों को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। संघ के अध्यक्ष अरुण मिश्रा और कोषाध्यक्ष अमीन मेमन ने कहा कि ऑनलाइन माध्यम से बिना पर्याप्त निगरानी के दवाओं की बिक्री मरीजों की सुरक्षा के साथ सीधा खिलवाड़ है। उनका आरोप है कि बिना वैध चिकित्सकीय परामर्श फर्जी ई.प्रिस्क्रिप्शन और अनियंत्रित होम डिलीवरी के जरिए दवाएं बेची जा रही हैंए जिससे गंभीर स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न हो सकता है।

उन्होंने बताया कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 तथा नियम 1945 में ऑनलाइन दवा बिक्री का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है इसके बावजूद कई ऑनलाइन कंपनियां वर्षों से निर्बाध रूप से कारोबार कर रही हैं। दवा व्यापारियों का कहना है कि भारी छूट और प्रेडेटरी प्राइसिंग के जरिए ये कंपनियां छोटे और लाइसेंसधारी मेडिकल स्टोर संचालकों के व्यवसाय को समाप्त करने की दिशा में काम कर रही हैं।

संघ पदाधिकारियों ने यह भी कहा कि कोविड महामारी के दौरान मेडिकल स्टोर संचालकों ने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों तक दवाइयां पहुंचाई लेकिन अब उन्हीं छोटे व्यापारियों के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया है।

जैनाचार्य द्वय का आज नगर आगमन

जैन श्रीसंघ द्वारा भव्य स्वागत की तैयारी

नवापारा राजिम/ नवप्रदेश। नगर के नंदन, संयम सारथी, युगदिवाकर, धर्म शिरोमणी, नमिऊण तीर्थ प्रणेता, खरतरगच्छाचार्य श्री जिन पीयूष सागर सूरिजी म.सा., स्वाध्याय रसिक नूतन आचार्य श्री जिन सम्यक रत्न सागर सूरिजी म. सा. अपनी धवल सेना के साथ उग्र पदयात्रा करते हुए आज नवापारा नगर पदार्पण कर रहे हैं। स्थानीय जैन श्री संघ पूज्य गुरु भगवन्तों के स्वागत, अभिनंदन के लिए आतुर है। सकल श्रीसंघ सदस्य पूज्य गुरु भगवन्तों की अगुवानी के लिए लक्ष्मीलाल पारख के निवास स्थान के समक्ष एकत्रित होगा। जहां से बाजे गाजे की गुंजन के साथ संत समुदाय डॉ. राजेन्द्र गदिया के निवास के सामने से होकर सदर बाजार, पुराना बस स्टैंड, भगवान महावीर चौक होते हुए श्री जैन श्वेताम्बर मंदिर गांधी चौक पहुंचेंगे।

विधायक भावना बोहरा ने इन्दौरी में मिनी स्टेडियम सहित 2 करोड़ 84 लाख से अधिक के विकास का लोकार्पण और भूमिपूजन किया

सुशासन तिहार में किया जनसमस्याओं का निराकरण

कवर्धा / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने और पंडरिया विधानसभा की सक्रिय विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से नगर पंचायत इन्दौरी विकास के निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में विकास कार्यों को गति मिली है, वहीं पंडरिया विधानसभा की सक्रिय विधायक भावना बोहरा के सतत प्रयासों से नगर पंचायत इन्दौरी में

अधोसंरचना, खेल, सौन्दर्यीकरण एवं जनसुविधाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। आज नगर पंचायत इन्दौरी में विधायक भावना बोहरा ने 2 करोड़ 85 लाख 5 हजार रु. के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। विगत वर्षों में पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा पंडरिया विधानसभा के नगरों और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास हेतु सतत प्रयासों और डबल इंजन भाजपा की विकासवादी नीतियों से नगर पंचायत इन्दौरी में करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात मिली है, जिससे वहां का समुचित विकास और जनसुविधाओं का विस्तार हुआ है। आज पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने 1 करोड़ 91 लाख 87 हजार रुपए की लागत से निर्मित होने वाले मिनी स्टेडियम और 53 लाख 72 रुपए की लागत से एस.एल.आर.एम. सेंटर निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

बेमेतरा पुलिस को मिले 11 हाईटेक डायल-112 वाहन

- **विधायक दीपेश साहू एवं साजा विधायक ईश्वर साहू ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना**

बेमेतरा / नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी डायल-112 ईआरवी योजना के अंतर्गत आम नागरिकों को त्वरित एवं प्रभावी पुलिस सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में बेमेतरा पुलिस को 11 नए हाईटेक ईआरवी (इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल) वाहन प्राप्त हुए हैं। इन अत्याधुनिक वाहनों के माध्यम से अब शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस सहायता और अधिक तेज, प्रभावी एवं तकनीक आधारित हो सकेगी।

पुलिस कंट्रोल रूम, बेमेतरा परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, साजा विधायक ईश्वर साहू, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, जनपद पंचायत जया दिवाकर, भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिष्ठा ममगाई तथा पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने डायल-112 ईआरवी वाहनों की पूजा-अर्चना कर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद एवं जनप्रतिनिधि मुलचंद शर्मा, हर्षवर्धन तिवारी, गौरव साहू, लक्की साहू एवं महेश साहू, सहित अन्य अतिथिगण भी मौजूद रहे।

निरीक्षण: रूचि के अनुसार क्षेत्र में कैरियर के लिए विद्यार्थियों को किया प्रोत्साहित

कलेक्टर ने गुड़ेलिया में समर कैम्प, पीडीएस एवं लाइब्रेरी का किया अवलोकन

बलौदाबाजार/ नवप्रदेश। भाटापारा विकासखंड प्रवास के दौरान कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने बुधवार को आदर्श ग्राम पंचायत गुड़ेलिया में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों का अवलोकन किया।

उन्होंने शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में आयोजित समर कैम्प का जाएजा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गये विभिन्न मॉडल और उनके सीखने की दक्षता की सराहना करते हुए अपने रूचि के क्षेत्र में कैरियर के लिये आगे बढ़ने प्रोत्साहित किया। समर कैम्प में बच्चों के अलग - अलग समूह के द्वारा अलग -अलग मॉडल बनाए गए थे जिसमें रेन अलर्ट सिस्टम, स्मार्ट डोर, स्मोक प्रोजेक्टर, स्मार्ट स्ट्रीट लाइट, डिस्टेंस मिजरिंग सिस्टम, 3डी प्रिंटिंग आदि शामिल हैं।यहां 5 दिन पूर्व से यह समर कैम्प संचालित हैं।समर कैम्प में बच्चों को आधुनिक तकनीकों जैसे रोबोटिक्स, ड्रोन, 3डी प्रिंटिंग, कोडिंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से परिचित कराया जा रहा है। कलेक्टर ने गुड़ेलिया में नवनिर्मित पीडीएस भवन अन्नपूर्णा में नारी शक्ति संगठन समूह द्वारा संचलित सार्वजनिक राशन दुकान का निरीक्षण किया। इस दौरान संचालक से कुल हितग्राहियों की संख्या, राशन वितरण एवं शेष हितग्राहियों की जानकारी ली। उन्होंने राशन लेने आये ग्रामीणों से पूछा कि तीन महीने का एकमुश्त चावल मिला कि नहीं, कितना मिला, शक्कर क्या मूल्य पर मिलता है. ग्रामीणों ने बताया कि तीन माह का चावल 105 किलो मिल रहा है। राशन लेने में कोई परेशानी नहीं होती। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत द्वारा संचालित लाइब्रेरी का भी अवलोकन किया और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं से बात की। उन्होंने लाइब्रेरी को और बेहतर बनाने तथा कंप्यूटर व पत्रिका की संख्या बढ़ाने कहा। इसके पश्चात ग्राम शक्ति संगठन द्वारा किये जा रहे विभिन्न आजीविकामूलक गतिविधियों का निरीक्षण किया जिसमें चेन लिंक फेंसिंग, पेवर ब्लॉक एवं फ्लाई एश ईंट निर्माण शामिल है।

इंद्रावती पार कर पहुंची स्वास्थ्य टीम, 642 ग्रामीणों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

■ 'अत्यंत दुर्गम और अंदरूनी गाँवों में जगी बेहतर स्वास्थ्य की नई उम्मीद'

बीजापुर/नवप्रदेश। बीजापुर जिले के भैरमगढ़ विकासखंड के अत्यंत दुर्गम और अंदरूनी क्षेत्र नूगुर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कठिन परिस्थितियों के बीच पहुँचकर ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराईं। कलेक्टर विश्वदीप के मार्गदर्शन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में आयोजित यूनिवर्सल हेल्थ स्क्रीनिंग शिविर ने दूरस्थ गाँवों में स्वास्थ्य जागरूकता की नई उम्मीद जगाई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने नूगुर, हिंगमेटा और हुर्रागवाली गाँवों में शिविर लगाकर कुल 642 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान मरीजों को आवश्यक दवाइयाँ निःशुल्क दी गईं और गंभीर मरीजों को आगे के उपचार के लिए उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में जाने की सलाह दी गई।

उप स्वास्थ्य केंद्र, नूगुर विकासखंड मुख्यालय से लगभग 90 किलोमीटर दूर स्थित है। यहाँ पहुँचने के लिए स्वास्थ्य टीम को करीब 2 किलोमीटर चौड़ी इंद्रावती नदी को पार करना पड़ता है। लंबे समय तक यह इलाका नक्सल प्रभाव और दुर्गम परिस्थितियों के कारण सरकारी योजनाओं की पहुँच से दूर रहा, लेकिन अब शासन की योजनाएँ धीरे-धीरे इन गाँवों तक पहुँच रही हैं। स्वास्थ्य टीम ने कठिन रास्तों और भौगोलिक चुनौतियों के बावजूद ग्रामीणों तक पहुँचकर यह साबित कर दिया है कि शासन की स्वास्थ्य सेवाएँ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए लगातार ईमानदार प्रयास किए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान तीन प्रमुख गाँवों में कुल 642 ग्रामीणों की जाँच की गई, जिसका विवरण इस प्रकार है। ग्राम नूगुर (कुल 207 मरीज) इसमें 75 एनसीडी स्क्रीनिंग, 03 बुखार, 05 खुजली, 01 गर्भवती महिला की जाँच तथा अन्य 123 मरीजों का सामान्य परीक्षण शामिल है। ग्राम हिंगमेटा (कुल 125 मरीज) यहाँ 42 एनसीडी स्क्रीनिंग, 02 खुजली सहित 81 अन्य मरीजों की जाँच की गई।

'स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति बढ़ा ग्रामीणों का भरोसा'

स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि पहले ग्रामीण स्वास्थ्य जाँच और बच्चों के टीकाकरण से बचते थे, लेकिन अब जमीनी स्तर पर स्थिति बदल रही है। ग्रामीण अब स्वयं आगे आकर स्वास्थ्य परीक्षण करा रहे हैं और बच्चों का नियमित टीकाकरण भी करवा रहे हैं। इससे गाँवों में स्वास्थ्य के प्रति न केवल जागरूकता बढ़ी है, बल्कि लोगों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है।

न्यूज गैलरी

अस्वच्छ व्यवसाय छात्रवृत्ति के लिए प्रमाण पत्र अब जारी होंगे ऑनलाइन

रायपुर/नवप्रदेश। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा केंद्र प्रवर्तित अनुसूचित जाति एवं अन्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए संचालित प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। योजना के अंतर्गत कक्षा पहली से दसवीं तक अध्ययनरत विद्यार्थियों को दी जाने वाली अस्वच्छ व्यवसाय छात्रवृत्ति के लिए आवश्यक प्रमाण पत्र अब ऑनलाइन जारी किए जाएंगे। इस नई डिजिटल व्यवस्था से पात्र विद्यार्थियों को भटकना नहीं पड़ेगा और छात्रवृत्ति का लाभ अधिक पारदर्शी व सरल प्रक्रिया से सीधे मिल सकेगा। शिक्षा विभाग के अनुरोध पर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसीलदार स्तर से ऑनलाइन प्रमाण पत्र जारी करने की व्यवस्था लागू कर दी गई है। छत्तीसगढ़ इंफोटेक प्रमोशन सोसाइटी (चिप्स) द्वारा इस ऑनलाइन प्रणाली का सॉफ्टवेयर तैयार कर इसे सफलतापूर्वक लाइव भी कर दिया गया है। अब छात्रवृत्ति के लिए प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया को अन्य नागरिक सेवाओं की तरह ही सुगम बना दिया गया है। जाति, निवास और आय प्रमाण पत्र की तर्ज पर अब तहसील कार्यालयों और अनुविभागीय अधिकारी कार्यालयों में स्थित लोक सेवा केंद्रों में इसके लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा। इसके लिए आवेदन के साथ 10 रुपये के स्टाम्प पेपर पर शपथ पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। निर्धारित प्रारूप में संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच अथवा नगरीय निकाय के पार्षद एवं क्षेत्र के पटवारी के हस्ताक्षर युक्त अनुशंसा पत्र प्रस्तुत करना होगा। प्रशासन द्वारा सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों तथा प्रधानपाठकों को कड़े निर्देश जारी किए गए हैं।

घरजियाबथान शिविर में 80 पेंशन आवेदनों का मौके पर ही निराकरण

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार 2026÷ के अंतर्गत जशपुर जिले में जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से आमजन को त्वरित राहत प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में जनपद पंचायत पत्थलगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत घरजियाबथान में आयोजित शिविर में समाज कल्याण विभाग को प्राप्त 80 पेंशन आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने की प्रक्रिया तत्काल सुनिश्चित की गई। शिविर में दिव्यांग हितग्राही मोहित राम कोरवा को सहायक उपकरण के रूप में बैटरी चालित ट्राइसिकल प्रदान की गई। ट्राइसिकल मिलने से उन्हें दैनिक गतिविधियों में सुविधा मिलेगी तथा आत्मनिर्भर जीवन जीने में सहायता प्राप्त होगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक पत्थलगांव गोमती साय उपस्थित रहीं। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य सुरुचि पैंकरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। विधायक गोमती साय ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की योजनाएं सीधे गांव-गांव तक पहुंच रही हैं और लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और ऐसे शिविर इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। शिविर के दौरान ग्रामीणों को "नशामुक्त भारत अभियान" के तहत शपथ भी दिलाई गई। सभी उपस्थित लोगों ने नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। सुशासन तिहार के तहत आयोजित यह शिविर न केवल समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बना, बल्कि सामाजिक जागरूकता और जनकल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन का भी सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया।

गेड़ई शिविर में हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में सुशासन तिहार 2026 का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी क्रम में मनोरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत रेमने के ग्राम गेड़ई में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। शिविर में कुल 165 आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण के लिए संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राहियों को आवास की चाबी प्रदान की गई। वहीं कृषि विभाग द्वारा किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किए गए। खाद्य विभाग द्वारा नए राशन कार्ड प्रदान किए गए तथा राजस्व विभाग द्वारा हितग्राहियों को बी-1 दस्तावेज वितरित किए गए। इसके अलावा वन विभाग द्वारा पौधों का वितरण तथा उद्यानिकी विभाग द्वारा फलदार पौधों का वितरण किया गया। शिक्षा विभाग की ओर से छत्तीसगढ़ बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित किया गया।

प्रदेश नीली क्रांति की ओर अग्रसर

■ गिफ्ट तिलापिया और आधुनिक तकनीकों से बदल रही मछुआरों की तकदीर: मंत्री नेताम

CHINTAN SHIVIR ON
GIFT TILAPIA FARMING IN CHHA

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की समृद्ध जल-संरचना और अनुकूल जलवायु के चलते मछली पालन अब ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का सबसे बड़ा जरिया बन चुका है। राज्य सरकार की कल्याणकारी नीतियों और मछुआरा हितैषी योजनाओं के कारण छत्तीसगढ़ आज मत्स्य बीज उत्पादन में न केवल पूरी तरह आत्मनिर्भर हो गया है, बल्कि देश में अग्रणी राज्यों की कतार में खड़ा है।

वर्तमान में छत्तीसगढ़ पूरे देश में अंतर्देशीय मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में छठवें स्थान पर है, जहाँ सालाना 9.59 लाख मीट्रिक टन मछली का रिकॉर्ड उत्पादन हो रहा है। मतस्य पालन मंत्री राम विचार नेताम आज राजधानी रायपुर में समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण भारत सरकार के मत्स्य पालन विभाग और राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित को संबोधित कर रहे थे। मंत्री नेताम ने बताया कि प्रदेश में कुल उपलब्ध 2.081 लाख हेक्टेयर जल क्षेत्र में से 96.25 प्रतिशत क्षेत्र को मछली पालन के अंतर्गत विकसित कर लिया गया है। इसके माध्यम से राज्य के 2.25 लाख से अधिक मछुआरों को स्वरोजगार के स्थायी साधन मिले हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार छत्तीसगढ़ के अंतिम व्यक्ति को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मछली पालन को कृषि का दर्जा दिए जाने से आज हमारे मत्स्य पालकों को बिजली दरों में छूट, ब्याज मुक्त ऋण और पानी की दरों में बड़ी राहत मिल रही है। मंत्री नेताम ने कहा कि मत्स्य किसानों के आय में वृद्धि करने विभाग अब आधुनिक वैज्ञानिक पद्धतियों जैसे केज कल्चर, आर.ए.एस. और बायोफ्लॉक को बढ़ावा दे रही है। ''गिफ्ट तिलापिया'' के लिए रायपुर और कांकेर में विशेष क्लस्टर विकसित कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य वर्ष 2028 तक तिलापिया उत्पादन को 30,000 मीट्रिक टन तक पहुँचाना है, जिससे हमारे राज्य को सालाना 90 से 100 करोड़ रुपये का विदेशी निर्यात राजस्व प्राप्त होगा। छत्तीसगढ़ का पानी और यहाँ के मछुआरों की मेहनत मिलकर राज्य में नीली क्रांति का नया इतिहास लिख रहे हैं। मत्स्य संचालक नारायण सिंह नाग ने बताया कि उत्कृष्ट गुणवत्ता का मत्स्य बीज तैयार करने के लिए राज्य में मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है, जिसके अंतर्गत वर्तमान में 123 सर्कुलर हेचरी, 102 मत्स्य बीज प्रक्षेत्र, 3,698 संवर्धन पोखर, 01 पंगेशियस हेचरी (धमतरी), 07 मांगुर हेचरी (बालोद, कबीरधाम, बिलासपुर, कोरबा, कोण्डागांव एवं महासमुंद), 02 मोनोसेक्स तिलापिया हेचरी (रायपुर एवं बलौदाबाजार), संचालित हो रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ में 606 करोड़ से अधिक मत्स्य बीज का उत्पादन हो रहा है। छत्तीसगढ़ न केवल अपनी जरूरतें पूरी कर रहा है, बल्कि पश्चिम बंगाल, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, केरल और गोवा जैसे राज्यों को भी उच्च गुणवत्ता वाले मत्स्य बीज की आपूर्ति कर रहा है।

डिप्टी सीएम साव तेलीन सत्ती माता महोत्सव में हुए शामिल

रायपुर/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री अरुण साव कोण्डागांव जिले के केशकाल में साहू संघ बस्तर संभाग द्वारा आयोजित प्रथम तेलीन सत्ती माता महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप और भोजराज, विधायक नीलकंठ टेकाम और आशाराम नेताम सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं समाज के प्रमुखजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री साव ने तेलीन सत्ती माता को नमन करते हुए महोत्सव के प्रथम आयोजन पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि केशकाल घाटी से गुजरने वाले यात्री तेलीन सत्ती माता का आशीर्वाद लेकर अपनी यात्रा प्रारंभ करते हैं, जिससे उनकी यात्रा सफल और मंगलमय होती है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में यह महोत्सव और अधिक भव्य स्वरूप में आयोजित होगा तथा सभी के सहयोग से इसका गौरव लगातार बढ़ेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज के गौरव हैं और उनके नेतृत्व में गांव, गरीब एवं किसानों के कल्याण के लिए अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि साहू समाज अन्य समाजों के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ महतारी के गौरव को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सुशासन तिहार: नवविवाहिता को मिला राशन कार्ड, समस्याओं का हुआ निराकरण

■ खाद्य सुरक्षा की चिंता हुई दूर, हितग्राही ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सुशासन तिहार 2026 आम नागरिकों तक शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाने और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है। सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के ग्राम मुड़गांव में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में नवविवाहिता सेजल सिंह को नया राशन कार्ड प्रदान किया गया, जिससे उनकी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो सकी। सेजल सिंह ने बताया कि हाल ही में विवाह होने के कारण उनका नाम किसी राशन कार्ड में दर्ज नहीं था। इसके चलते उन्हें सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले खाद्यान्न का लाभ नहीं मिल पा रहा था। समस्या के समाधान के लिए उन्होंने सुशासन तिहार के दौरान खाद्य विभाग में नए राशन कार्ड हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। जनसमस्या निवारण शिविर में अधिकारियों ने उनके आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए नया राशन कार्ड जारी कर उन्हें मौके पर ही सौंप दिया। राशन कार्ड प्राप्त होने पर सेजल सिंह ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें हर महीने बिना किसी परेशानी के राशन मिल सकेगा। सेजल सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से गांव में ही उनकी समस्या का समाधान हो गया और उन्हें शासकीय योजना का लाभ सहजता से प्राप्त हुआ।

संघर्ष से आत्मनिर्भरता तक उषा कुंजाम बनीं ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा

■ 3.90 लाख रूपए के लोन से स्थापित की राइस मिल और टोरा मिल प्रसंस्करण इकाई

रायपुर/नवप्रदेश। अपनी कड़ी मेहनत और अटूट आत्मविश्वास के दम पर बीजापुर जिले के सुदूर आदिवासी गांव मुरदोण्डा (तहसील- उसूर) की रहने वाली 38 वर्षीय उषा कुंजाम ने संघर्ष भरे जीवन को सफलता की नई पहचान दी है। आज वे न केवल स्वयं आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि अपने क्षेत्र की महिलाओं और युवाओं के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्त्रोत बन चुकी हैं।

उषा कुंजाम लंबे समय तक बेरोजगारी और आर्थिक तंगी से जूझती रहीं। परिवार की जिम्मेदारियों के बीच आय का कोई स्थायी साधन नहीं था और सुदूर वनांचल क्षेत्र होने के कारण रोजगार के अवसर भी बेहद सीमित थे। इसी बीच उन्हें जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, बीजापुर के माध्यम से प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना की जानकारी मिली। विभाग के मार्गदर्शन में उन्होंने ऋण के लिए आवेदन किया और वित्तीय वर्ष 2025-26 में आईसीआईसीआई बैंक की बीजापुर शाखा से उन्हें 3 लाख 90 हजार 400 रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। इस आर्थिक सहायता से उषा कुंजाम ने अपने गांव में ही राइस मिल और टोरा मिल (महुआ बीज) प्रसंस्करण इकाई की स्थापना की। इस पहल से स्थानीय स्तर पर बड़ा बदलाव आया है। टोरा तेल का वैल्यू एडिशन- पहले क्षेत्र में टोरा सिर्फ 8 से 10 रुपये प्रति किलो के मान से कौड़ियों के दाम बिकता था। अब उषा इससे तेल निकालकर आकर्षक पैकेजिंग करती हैं और बाजार में 100 प्रति लीटर की दर से बेच रही हैं।

रानीसागर बोटिंग परियोजना की सामग्री छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल की सुरक्षा और संरक्षण में

रायपुर/नवप्रदेश। राजनांदगांव जिले में पर्यटन संवर्धन हेतु वर्ष 2012-13 में मोहारा के लिए नौकाविहार योजना स्वीकृत की गई थी, जिसे बाद में तकनीकी कारणों से रानीसागर तालाब में स्थानांतरित किया गया। इस परियोजना के लिए लगभग 72.34 लाख रुपए की लागत से फ्लोटिंग रेस्टोरेंट, मोटर बोट और अन्य आवश्यक सामग्री क्रय की गई थी। रानीसागर बोटिंग परियोजना का लोकार्पण वर्ष 2015 में किया गया था और निविदा प्रक्रिया के माध्यम से एक निजी एजेंसी द्वारा जनवरी 2015 से अगले तीन वर्षों तक इसका सफल संचालन भी किया गया। इस अवधि का पूरा प्रशासनिक और आय संबंधी रिकॉर्ड विभाग के पास सुरक्षित है। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल ने स्पष्ट किया है कि वर्ष 2017 के बाद आर्थिक व्यवहार्यता की कमी और आमजन की रुचि घटने के कारण बोटिंग का संचालन प्रभावित हुआ। रखरखाव और सुरक्षा की दृष्टि से वर्ष 2019 में समस्त सामग्री को विधिवत प्रक्रिया के तहत विभागीय संरक्षण में ले लिया गया था।

पण्डरीडांड की प्रभावती को मिली आत्मनिर्भरता की नई राह

■ बकरी पालन के लिए मिली आर्थिक सहायता, अब स्वरोजगार से मजबूत होगी आजीविका

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सुशासन तिहार 2026 ग्रामीण क्षेत्रों में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के साथ-साथ स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा दे रहा है। शासन की योजनाओं का लाभ अब सीधे गांवों तक पहुंच रहा है, जिससे ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनने का अवसर मिल रहा है। इसी क्रम में सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के ग्राम पण्डरीडांड निवासी प्रभावती को सुशासन तिहार के तहत पशुधन विकास विभाग द्वारा बकरी पालन के लिए 4 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई। प्रभावती ने बताया कि इस सहायता राशि से वे बकरी खरीदकर आजीविका गतिविधि शुरू करेंगी। उन्होंने कहा कि इससे परिवार की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि अब गांव में ही समस्याओं का समाधान हो रहा है और योजनाओं का लाभ लेने के लिए बाहर भटकना नहीं पड़ता। प्रशासन स्वयं ग्रामीणों तक पहुंचकर उनकी समस्याएं सुन रहा है और त्वरित समाधान कर रहा है। प्रभावती ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है। सुशासन तिहार के माध्यम से जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन कर प्रशासन ग्रामीणों तक सीधे पहुंच रहा है। इन शिविरों में विभिन्न विभागों की योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

समीक्षा बैठक: नए तकनीकी उपकरणों, डिजिटलीकरण और सॉफ्टवेयर्स का उपयोग करने दिए निर्देश

लोक निर्माण विभाग के कार्यों में जनहित और तकनीकी दक्षता पर जोर

■ निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और तेजी सुनिश्चित करने के निर्देश'

रायपुर/नवप्रदेश। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आज वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर में पीडब्ल्यूडी मुख्यालय श्निर्माण भवनश् में आयोजित बैठक में विभाग के कार्यों में जनहित और तकनीकी दक्षता पर जोर दिया। उन्होंने सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और तेजी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिक दक्षता और ज्यादा गति से काम करने नए तकनीकी उपकरणों, डिजिटलीकरण और सॉफ्टवेयर्स का उपयोग करने को कहा।

विभागीय सचिव बंसल ने बैठक में सभी टेंडर प्रक्रियाओं को पूरी पारदर्शिता और समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और तेजी दोनों सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इनमें कोई कोताही नहीं बरती जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित और कड़ी मॉनिटरिंग के साथ ही जनहित एवं तकनीकी दक्षता का भी विशेष ध्यान रखने को कहा।

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि आधुनिक जियो-इन्फॉर्मेटिक्स तकनीक के माध्यम से निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग, मैपिंग और प्रोजेक्ट प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। उन्होंने विभागीय सचिव को टेंडर प्रक्रिया के तहत कार्य आबंटन, निर्माण कार्यों की बिलिंग प्रक्रिया एवं भुगतान प्रणाली के बारे में भी बताया।

बैठक में प्रदेशभर में चल रहे निर्माण कार्यों, टेंडर प्रक्रिया की प्रगति तथा आगामी परियोजनाओं की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने बैठक में अधिकारियों और ठेकेदारों के कार्य निष्पादन, विभिन्न तकनीकी प्रक्रियाओं तथा भुगतान की समयबद्ध व्यवस्था की जानकारी ली।

उन्होंने निर्माण कार्यों के लिए तकनीकी व्यवस्थाओं, गुणवत्ता नियंत्रण और ठेकेदारों की कार्यप्रणाली के बारे में भी पूछा। बंसल ने रायपुर में कचना रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य की भी जानकारी ली।

सुविचार

ऐसा कुछ जो आपको अभी तक मिला नहीं, उसे पाने के लिए आपको ऐसा कुछ करना होगा जो आपने अब तक किया नही।

बड़े नेता तो वाणी पर संयम रखें

राजनीति में पक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप तो लगाते ही रहते हैं किन्तु बड़े नेताओं को तो कम से कम आरोप लगाने के समय अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए। मर्यादा की सीमा रेखा नहीं लांघनी चाहिए। राजनीतिक सुचिता बनाए रखने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की होती है किन्तु देखा जा रहा है कि विपक्ष के नेता लगातार विवादास्पद और भड़काऊ बयानबाजी करते रहते हैं और इस पर पलटवार करते हुए सत्ता पक्ष के नेता भी उन्हीं की भाषा बोलने लगते हैं इसका संदेश पार्टी के अन्य नेताओं पर गलत पड़ता है और वे अपने बड़े नेताओं की देखादेखी जो मुंह में आये बोलने लगते हैं जिससे राजनीति में कटुता बढ़ती है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृहमंत्री अमित शाह को लेकर बेहद विवादास्पद टिप्पणी कर दी है। अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में एक सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री तथा आरएसएस को गद्दार करार दे दिया है। उनका आरोप है कि ये रोज संविधान पर हमला कर रहे हैं और चुनिंदा उद्योगपतियों के हाथों देश का हित बेच चुके हैं। नेता प्रतिपक्ष होने के नाते राहुल गांधी को इस तरह की विवादास्पद टिप्पणी नहीं करनी चाहिए थी किन्तु उनके लिए यह कोई नई बात नहीं है वे पहले भी कई बार देश की 140 करोड़ जनता द्वारा चुने गये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ इस तरह की अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल कर चुके हैं और इसका उनकी पार्टी को खामियाजा भुगतना पड़ चुका है। खुद उन्हें भी न्यायालय में माफी मांगनी पड़ी है इसके बावजूद भी वे सबक लेने के लिए तैयार नहीं है। वेवजह वे आक्रामक तेवर दिखाते हैं और हास्य का पात्र बनकर रह जाते हैं। राहुल गांधी के इस बयान के बाद उनके खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज हो गया है। वहीं भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबीन ने राहुल गांधी पर तिखा वार करते हुए कहा है कि उनका यह बयान राहुल गांधी की अराजक सोच और चरित्र को दर्शाता है इसके लिए उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए क्योंकि न सिर्फ उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री का अपमान किया है बल्कि देश की 140 करोड़ जनता को अपमानित किया है। भाजपा के भाजपा के बड़बोले नेताओं ने भी राहुल गांधी के खिलाफ टिका टिप्पणी शुरू कर दी है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फणडवीस ने तो रिजेक्टेट माल कह कर उनकी खिल्ली उड़ा दी है। सही बात है कि कृया की प्रतिक्रिया तो होती ही है। राहुल गांधी को कम से कम अपने पद की गरिमा का तो ख्याल रखना चाहिए वे लोकसभा में नेताप्रतिपक्ष है इसलिए उन्हें शालीनता का परिचय देना चाहिए। विपक्ष के नेताओं को चाहिए कि इस तरह की अपमानजनक टिका टिप्पणी करने से परहेज करें। यह ठीक है कि राजनीति में पक्ष और विपक्ष के बीच मतभेद होते हैं लेकिन मर्यादा की सीमा रेखा किसी को भी नहीं लांघनी चाहिए अन्यथा दुनिया में भारतीय लोकतंत्र का मजाक बनता है।

बस्तर को लेकर पक्ष विपक्ष में आरोप प्रत्यारोप

बस्तर को नक्सली आंतक के अभिशाप से मुक्ति मिल गई है लेकिन अब बस्तर के लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरापे प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है गौरतलब है कि बस्तर प्रवास पर आये केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि बस्तर पर नक्सली आंतक का सफाया पहले ही हो जाता यदि उस समय सत्तारूढ़ छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार के नक्सली उन्मूलन अभियान ने केन्द्र सरकार का सहयोग किया होता। गृह मंत्री अमित शाह की यह बात को छत्तीगसगढ़ के तात्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को चुभ गई और उन्होंने आरोप लगाया कि गृह मंत्री अमित शाह सच्चाई से मुंह मोड़ रहे हैं और उनका बयान झूठ का पुलिंदा है। भूपेश बघेल के इस बयान पर अब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पलटवार किया है और उन्होंने कहा है कि झूठ बोलने में तो कांग्रेस पार्टी माहिर है। यदि भूपेश सरकार ने वास्तव में उतना प्रभावी काम किया होता तो छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद बहुत पहले कमजोर पड़ जाता। सीएम साय के मुताबिक नक्सलवाद जैसे गंभीर और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अतिसंवेदनशील विषय पर राजनीतिक भ्रम फैलाना और विवादास्पद बयानबाजी करने की जगह ईमानदारी से आत्ममंथन करना चाहिए। सीएम साय की यह बात सही है। वास्तव में अब जबकि सांप गुजर गया है तो लकीर पीटने से कोई फायदा नहीं होगा। बस्तर को नक्सली हिंसा से मुक्ति मिल गई है। और यह नवप्रदेश छत्तीसगढ़ के लिए एक स्वर्णिम उपलब्धि है। जिसपर समुचे छत्तीसगढ़ को गर्व है। अब बस्तर को लेकर परस्पर एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाने का कोई औचित्य नहीं है। बल्कि सत्ता पक्ष और विपक्ष को मिलकर बस्तर के विकास के लिए समवेत प्रयास करना चाहिए क्योंकि बस्तर में गनतंत्र की समाप्ति के बाद वहां सच्चे अर्थों में गणतंत्र स्थापित करने के लिए भागीरथ प्रयास करने होंगे और इसमें विपक्ष को भी अपनी सहभागिता दर्ज करानी होगी। बेहतर होगा कि अब नक्सली हिंसा को लेकर विवाद का पटाक्षेप किया जाये और बीती ताही बिसार कर आगे की सुध ली जाये।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1915 - प्रथम विश्व युद्ध के दौरान इटली ने आस्ट्रिया, हंगरी तथा जर्मनी के खिलाफयुद्ध की घोषणा की। 1936 - लार्ड ब्रेबॉर्न ने बम्बई (अब मुंबई) में ब्रेबॉर्न स्टेडियम की नींव रखी। यह देश का पहला स्टेडियम था। 1960 - चिली के दक्षिणी तट पर आए सबसे बड़े भूकंपों में से एक में 5,700 लोगों की मौत हो गई और इससे समुद्र में उठी उग्र लहरों ने सुदूर प्रशांत इलाकों जैसे जापान और हवाई तक में तबाही मचाई। 1963 - भारत के पहले ग्लाइडर रोहिणी ने उड़ान भरी। 1972 - पाकिस्तान द्वारा राष्ट्रमंडल की सदस्यता से त्यागपत्र। 1972 - अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड एम निक्सन मास्को पहुंचे। यह एक अमेरिकी राष्ट्रपति की सोवियत संघ की पहली यात्रा थी।1984 - बछेन्द्री पाल दुनिया की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट को फतह करने वाली पहली भारतीय महिला बनी। 1988 - भारत ने स्वदेश में ही विकसित अन्तरमहाद्वीपीय बालिस्टिक प्रक्षेपास्त्र अग्नि का सफल परीक्षण किया। 1990 - उत्तरी एवं दक्षिणी यमन के विलय के साथ संयुक्त यमन गणराज्य का अभ्युदय।

जलवायु परिवर्तन और हीटवेव

दिल्ली-एनसीआर की सड़कों पर दोपहर की धूप भारी पड़ रही है, लेकिन 48 वर्षीय रिक्शा चालक रमेश के लिए काम रोकना कोई विकल्प नहीं है। करीब 40 डिग्री सेल्सियस तापमान में वह ट्रैफिक के बीच पसीने से लथपथ पैडल चलाते हैं। हर कुछ मिनट में वह गले में लिपटे पुराने तौलिये से अपना चेहरा पोंछते हैं। फ्लाईओवर की छाया में कुछ पल रुकते हुए वह कहते हैं, "अगर मैं काम रोक दूं, तो मेरे बच्चों को परेशानी होगी।"

- उमानाथ सिंह

भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश समेत दक्षिण एशिया के कई हिस्सों में इस समय भीषण गर्मी का कहर जारी है, जहां कई इलाकों में तापमान 45 से 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण हीटवेव अब पहले से अधिक लंबी और कई बार जानलेवा हो रही हैं। यह भीषण और लंबी चलने वाली गर्मी लाखों लोगों के लिए रोजमर्रा की जिंदगी को संघर्ष में बदल रही है। भीड़भाड़ वाले शहरों से लेकर सूखे से जूझते गांवों तक, बढ़ता तापमान मजदूरों, किसानों, बच्चों, बुजुर्गों और डिलीवरी कर्मियों पर गंभीर असर डाल रहे हैं।

कई भारतीय शहरों में दोपहर के समय सड़कें सूनी दिखाई देती हैं, क्योंकि लोग घरों में रहने को मजबूर हैं, हालांकि उनके पास जरूरी काम भी होते हैं। अस्पतालों में डिहाइड्रेशन, हीट एक्सॉशन, चक्कर और सांस से जुड़ी समस्याओं के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। डॉक्टरों के अनुसार, खुले में काम करने वाले लोग सबसे ज्यादा जोखिम में हैं, क्योंकि वे लंबे समय तक सीधी धूप में रहते हैं। सड़क किनारे काम करने वाले विक्रेताओं के लिए यह गर्मी आर्थिक संकट भी बन रही है। नोएडा एक्सटेंशन के फल विक्रेता रामधन बताते हैं कि दिन के समय ग्राहक कम हो जाते हैं। वह कहते हैं, "पहले भी गर्मी होती थी, लेकिन अब यह असहनीय लगती है। कई बार फल बिकने से पहले ही खराब हो जाते हैं, जिससे काम चलाना मुश्किल हो जाता है।" हीटवेव का असर बिजली और पानी की आपूर्ति पर भी पड़ रहा है। कई इलाकों में उसी समय बिजली कटौती हो रही है, जब पंखों और कूलरों की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। गिरते भूजल स्तर के कारण कई क्षेत्रों में पानी के टैंकर आते- जाते देखे जा सकते हैं। पानी की कमी ने गर्मी को और भी असहनीय बना दिया है।

बढ़ते तापमान के बीच लोगों को न सिर्फगर्मी बल्कि पीने के पानी की कमी से भी जूझना पड़ रहा है। सूखे नल, घटते जलाशय और बार-बार बिजली कटौती से खासकर गरीब, किसान और कमजोर वर्गों की परेशानियां बढ़ गई हैं।

ग्रामीण इलाकों में हालात उतने ही चिंताजनक हैं। हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों के किसान बताते हैं कि तेज गर्मी और मिट्टी में नमी की कमी से फसलें तेजी से सूख रही हैं। कई किसानों को डर है कि मौसम की अनिश्चितता उन्हें कर्ज के बोझ में और धकेल सकती है।

दक्षिण एशिया के शहरों में 'अर्बन हीट आइलैंड' प्रभाव भी जलवायु परिवर्तन के असर को बढ़ा रहा है। दिल्ली, जयपुर, कराची, ढाका और लाहौर जैसे शहरों में तेजी से बढ़ता शहरीकरण, कंक्रीट ढांचे, घटती हरियाली और बढ़ता प्रदूषण तापमान को खतरनाक स्तर तक ले जा रहे हैं। इन शहरों में हीटवेव, पानी की कमी, वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम तेजी से बढ़ रहे हैं।

बच्चे और बुजुर्ग विशेष रूप से खतरे में हैं। कई क्षेत्रों में स्कूलों ने आउटडोर गतिविधियां कम कर दी हैं या गर्मी की छुट्टियां पहले ही घोषित कर दी हैं। डॉक्टर लोगों को दोपहर के समय बाहर न निकलने, अधिक पानी पीने और जितना हो सके घर के अंदर रहने की सलाह दे रहे हैं।

हालांकि, रोज कमाने-खाने वाले लाखों लोगों के लिए घर में रहना संभव नहीं है। शाम होते ही वे थोड़ी देर आराम के बाद फिर काम पर निकल पड़ते हैं। शाम की सड़कों पर भी गर्मी कम नहीं होती, गर्म हवाएं भट्टी जैसी महसूस होती हैं। फिर भी रिक्शा चालक और ठेले वाले काम पर लौटते हैं, क्योंकि एक दिन की कमाई का नुकसान उनके लिए संभव नहीं है। उनके लिए जलवायु परिवर्तन कोई दूर की बहस नहीं, बल्कि रोज की कड़वी सच्चाई बन चुका है। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे गर्म मौसम का होना अब कोई नई बात नहीं रह गई है। ग्रीन हाउस गैसों के कारण बढ़ता वैश्विक तापमान दुनिया भर में मौसम के पैटर्न को बदल रहा है। घनी आबादी और बड़ी संख्या में खुले में काम करने वाले लोगों के कारण दक्षिण एशिया जलवायु परिवर्तन के लिहाज से सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में गिना जाता है। वहीं, शहरों में घटती हरियाली भी लोगों की मुश्किलें बढ़ा रही है, जिससे मौसम का चरम पर गर्म होना और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटना और कठिन होता जा रहा है।

प्रकृति का मौन क्रंदन, खतरे में जीवन की श्रृंखला

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

धरती पर जीवन का आधार केवल मनुष्य नहीं है बल्कि जीव-जंतु, पक्षी, कीट-पतंगे और पेड़-पौधे भी इस पारिस्थितिकी तंत्र का उतना ही अहम हिस्सा हैं। फिर भी मनुष्य ने अपने स्वार्थों और तथाकथित विकास के नाम पर जिस प्रकार वनों की अंधाधुंध कटाई, वन्य जीवों के आवासों का विनाश और प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया है, उसने धरती की जैव विविधता को गहरे संकट में डाल दिया है। जैव विविधता केवल कुछ जीवों या पौधों की गिनती भर नहीं है, यह पूरी पारिस्थितिकी का वह संतुलन है, जो जीवन को संभव और सुरक्षित बनाता है लेकिन आज यह संतुलन बुरी तरह से बिगड़ चुका है और इसके गंभीर परिणाम पूरी दुनिया भुगत रही है। धरती पर अनेक वन्य प्रजातियां या तो पूरी तरह से विलुप्त हो चुकी हैं या विलुप्त होने के कगार पर हैं। यही नहीं, हजारों प्रजातियां आज संकटग्रस्त मानी जाती हैं, जिनके अस्तित्व पर हर बीतते वर्ष के साथ खतरा और अधिक बढ़ रहा है। यह संकट केवल जीव-जंतुओं तक ही सीमित नहीं है बल्कि वनस्पतियों की विविधता भी उसी तीव्र गति से घट रही है। जैव विविधता के महत्व को रेखांकित करने और लोगों को इसके संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए हर वर्ष 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 20 दिसंबर 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा पारित प्रस्ताव के माध्यम से की गई थी, जिसे 193 देशों ने समर्थन दिया था। 22 मई 1992 को नैरोबी एक्ट के तहत जैव विविधता पर अभिसमय को स्वीकार किया गया था, इसी कारण 22 मई को यह दिवस तय किया गया। इस वर्ष यह दिवस 'वैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करना' विषय के अंतर्गत मनाया जा रहा है. जो इस तथ्य को उजागर करता है कि पृथ्वी को बचाने की शुरुआत छोटे-छोटे स्थानीय प्रयासों से ही होती है। आज स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि जंगलों के उजड़ने से हजारों पक्षी और जानवर अपने प्राकृतिक आवास से वंचित हो गए हैं। पक्षियों की वे प्रजातियां, जो किसानों के हित में कीट नियंत्रण का काम करती थी, जैसे गिद्ध, कौए, चील, बाज, तीतर, बटेर, मोर आदि, अब संकटग्रस्त हो चुकी हैं। यह केवल जैव विविधता का नुकसान नहीं बल्कि कृषि और खाद्य सुरक्षा के लिए भी खतरे की घंटी है। ऐसे पक्षी खेतों में कीटों का प्राकृतिक नियंत्रण करते थे लेकिन इनके लुप्त होने से अब कृत्रिम कीटनाशकों की निर्भरता बढ़ रही है, जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए घातक है। पर्यावरणीय असंतुलन, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों का अनियंत्रित उपयोग और लगातार बढ़ती आबादी जैव विविधता संकट के प्रमुख कारक हैं। एक ओर जहां जंगलों की अंधाधुंध कटाई के चलते पशु-पक्षियों के प्राकृतिक आवास खत्म हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पेड़-पौधों की दुर्लभ प्रजातियां भी मानव गतिविधियों के कारण धीरे-धीरे मिट रही हैं। यही कारण है कि जैव विविधता का संरक्षण आज केवल पर्यावरणविदों का मुद्दा नहीं बल्कि यह पूरी मानव जाति के अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन गया है। वन्यजीव और वनस्पतियां धरती पर जीवन की लंबी विकास यात्रा की अहम कड़ियां हैं। ये सभी प्रजातियां अरबों वर्षों के जैविक और पारिस्थितिक विकास का परिणाम हैं। वन्य जीवन में वे सभी जीव-जंतु और पौधे शामिल होते हैं, जिन्हें मनुष्य द्वारा पाला तो नहीं जाता लेकिन उनका अस्तित्व भी मानवीय गतिविधियों से सीधे तौर पर प्रभावित होता है। जैसे-जैसे जंगल उजड़ते हैं, इन प्रजातियों का जीवन संकटग्रस्त होता जाता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि मनुष्य ने अपने भौतिक विकास और बढ़ती जनसंख्या के दबाव में इस पारिस्थितिक तंत्र के संतुलन की अनदेखी की है। यह तथ्य अब वैज्ञानिक रूप से भी प्रमाणित हो चुका है कि जैव विविधता के घटने से पर्यावरण का असंतुलन बढ़ता है और इससे प्राकृतिक आपदाएं, जलवायु परिवर्तन, अकाल, सूखा, बाढ़, रोगों का प्रसार जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। मेरी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में इस विषय पर विस्तार से चर्चा की गई है कि जैव विविधता में आ रही कमी किस प्रकार हमारे संपूर्ण जीवन और पर्यावरण को अस्थिर बना रही है। यह केवल प्रकृति का संकट नहीं बल्कि यह हमारे भविष्य पर मंडराता हुआ खतरा है। धरती पर हर देश की अपनी विशिष्ट जलवायु और पारिस्थितिक पहचान होती है, जिससे वहां की जैव विविधता भी विशिष्ट होती है लेकिन वनों की कटाई, खनन, शहरीकरण, औद्योगीकरण, रासायनिक खेती, प्लास्टिक प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन जैसे मानवीय कारकों ने इस विविधता को संकट में डाल दिया है। दुर्भाग्य से यह संकट केवल कुछ स्थानीय प्रजातियों तक सीमित नहीं रहा बल्कि अब यह वैश्विक स्तर पर विनाश की ओर बढ़ रहा है।आज मानव अपने स्वार्थ और भौतिक जीवन के मोह में यह भूल गया है कि जीवन की आधारशिला प्रकृति ही है। वनों की कटाई, प्राकृतिक संसाधनों का दोहन और पारिस्थितिक तंत्र की अनदेखी मानव को उस दिशा में ले जा रही है, जहां जीवन का अस्तित्व ही खतरे में पड़ सकता है। यदि समय रहते हमने चेतना नहीं दिखाई तो आने वाले समय में ऐसी कई प्रजातियां होंगी, जो केवल पुस्तकों और संग्रहालयों में ही मिलेंगी। विकास अनिवार्य है, इसमें कोई संदेह नहीं परंतु वह विकास, जो प्राकृतिक संसाधनों को खत्म करके हासिल हो, वह आत्मघाती है। हमें ऐसा विकास मॉडल अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें प्रकृति के साथ सहअस्तित्व को महत्व दिया जाए। यदि पेड़ कटेंगे, जल स्रोत सूखेंगे, जीव-जंतु लुप्त होंगे और पक्षी गायब होंगे तो यह केवल जैव विविधता की हानि नहीं होगी बल्कि पूरी मानव सभ्यता के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा। अब आवश्यकता इस बात की है कि जैव विविधता के संरक्षण को नीतिगत प्राथमिकता दी जाए। सरकारें यदि वन नीति, जल नीति, कृषि नीति और शहरी विकास नीति में पारिस्थितिक संतुलन को अनिवार्य रूप से शामिल करें तो जैव विविधता का संरक्षण संभव हो सकता है। नागरिकों को भी यह समझना होगा कि यह केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं बल्कि हर व्यक्ति का दायित्व है।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

वो पहाड देख रही हो... एक दिन चलेंगे हम उन पहाड़ों के पार... बस मै और तुम जहाँ समाज का कोई डर नहीं होगा, जहाँ BRICS और G20 का कोई पहरा नहीं होगा.. जहाँ हवाएँ तुम्हारा नाम लेकर बहेंगी, और नदियाँ हमारे ख़ामोश सपनों को गुनगुनाएँगी। एक दिन चलेंगे हम उन पहाड़ों के पार... जहाँ रातें तारों की चादर ओढ़े हमारी बातें करेंगी, जहाँ चाँद भी तुम्हारे चेहरे से रोशन होगा जहाँ Mont Blanc की ठंडी हवाएं होंगी जहाँ बादल हर सुबह हमारी खिड़की पर दस्तक देंगे। किसी दिन चलेंगे उन पहाड़ों के पार बस मै और तुम। - **अंकित उपाध्याय**

चतुर नारि हिय जस मृदु बानी ,मुक्तांगन बहु छन्द भवानी। शुक्र दिवस भू नभ छवि कैसे, मधुर माधुरी स्वर लय जैसे। तानसेन स्वर पिंगल ज्ञानी , विविध भाँति रचना गुण सानी । देखत नयन हृदय अनुरागा, भाँति भाँति अरविंद तड़ागा। अलंकार रस वरणि न जाई , पाणिनि शोध शब्द प्रभुताई। - **राजकिशोर मिश्र 'राज'**

सुलाते थपक के सुनाते कहानी कहाँ हैं वो राजा कहाँ है वो रानी छतों पे था सोना वो सीना पिरोना किस्से कहानी इक दादी इक नानी फिरकी सा मचलना पतंगों का उड़ना नदारद हुई है वो गुड़िया सयानी सितारे चमकते घनी रात प्यारी सुनना पापा का बचपन दादी की जुबानी बिना डर के दौड़ना और जुगनू पकड़ना भुलाई हिंडोले की रस्सी सुहानी परी सा इतरना फुहारों में भीगना कश्ती कागज़ की हुई है पुरानी। - **ज्योत्सना सक्सेना**

बस यूँ ही दिल से सोसल मिडीया ने सबकी हैसियत बता दी है जो बनते थे धुरन्धर उन्हे धूल मे मिला दी है जिन्हे समझती थी सारी दुनिया नकारा आज उसको उसने सिर पे बीठा ली है।।

- अजयश्री मिश्रा

कई खूवाब हैं उनके बरक्स कडवी हक़ीक़त है ज़िन्दगी एक राहत है तो जीने में भी बहुत मुसीबत है हम ही सूरत हैं और हम ही हमारे आईने हैं अंदाज़ हमारे हैं और हम ही वक्ती रवायत हैं जला रखा है एक चिराग हमने इस मुसलसल अँधेरे में गिन रहें हैं अपनी धडकनें सामने पड़ी उनकी इजाज़त है।

- रामकिशोर उपाध्याय

धीरे-धीरे इंसान को खुद से दूर कर देती है।÷ कभी-कभी इंसान दुनिया से नहीं, अपने ही दिमाग से हारने लगता है। हर वक़्त सोचते रहना धीरे-धीरे सुकून, खुशी और खुद से जुड़ाव छीन लेता है। Overthinking बाहर से नहीं दिखती लेकिन अंदर से इंसान को पूरी तरह थका देती है।

- रेनु सिंघल

बादल जब गरजते हैं, मन भी कहीं भीतर काँप उठता है। बिजली जब चमकती है, कुछ पुरानी यादें भी उजालों में आ जाती हैं। घटाएँ जैसे आकाश में घुमड़ती हैं, वैसे ही मन में अनकहे भाव उमड़ते रहते हैं। पर फर्क इतना है आकाश के बादल खुलकर बरस जाते हैं, मन के बादल बरसने के लिए एक अपना-सा कंधा तलाशते हैं और फिर चुपचाप भीग जाता है मन।

- सीमा नागर तुली

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन पुराने रिश्तों की मिठास और नई खुशियों की सौगात लेकर आ सकता है। पुराने दोस्तों से मुलाकात यादों का खजाना खोल देगी। घर में नए मेहमान के आने से खुशियों की रौनक बढ़ेगी।

वृष: आज सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी जरूरी होगी, क्योंकि मौसम का असर आपको कमजोर महसूस करा सकता है। बिजनेस में आपकी लंबी योजनाएँ धीरे-धीरे सफलता की राह पकड़ेंगी।

मिथुन: आज प्रॉपर्टी और निवेश के मामलों में किस्मत आपका साथ दे सकती है। नई प्रॉपर्टी खरीदने का विचार लाभकारी साबित होगा। हालांकि घमंड या जल्दबाज़ी किसी काम को अधूरा छोड़ सकती है।

कर्क: आज नई संभावनाएं और अवसर आपके दरवाजे पर दस्तक दे सकते हैं। नई नौकरी का ऑफर उत्साह बढ़ा सकता है। सामाजिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता लोगों को प्रभावित करेगी।

सिंह: आज सोच-समझकर कदम बढ़ाना ही आपके लिए फायदेमंद रहेगा। नए काम में जल्दबाज़ी करने से बचें और हर व्यक्ति को पहचानकर ही भरोसा करें। नौकरी बदलने का विचार सकारात्मक परिणाम दे सकता है।

कन्या: आज का दिन आपके लिए नई पहचान और नई उपलब्धियों का संकेत दे रहा है। आपके काम की तारीफहोगी और नए लोगों से संपर्क बढ़ेगा।

तुला: आज आलस्य आपके लिए सबसे बड़ी रुकावट बन सकता है। कामों को टालने की आदत आगे परेशानी बढ़ा सकती है। जीवनसाथी के साथ शॉपिंग या घूमने का प्लान मन को खुश करेगा, लेकिन खर्च सोच-समझकर करें।

वृश्चिक: आज सफलता की राह पर आपके कदम तेजी से बढ़ सकते हैं। दोस्तों के साथ बिताया गया समय तनाव कम करेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को चुनौतियाँ मिलेंगी, लेकिन धैर्य से आगे बढ़ना होगा।

धनु: आज का दिन खुशी और मौज-मस्ती से भरा रह सकता है। माता-पिता के आशीर्वाद से रुका हुआ काम पूरा होने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में लापरवाही आपके साथियों को नाराज कर सकती है, इसलिए फोकस बनाए रखें।

मकर: आज धन और समृद्धि में बढ़ोतरी के संकेत हैं। बिजनेस की योजनाएँ उम्मीद से बेहतर परिणाम दे सकती हैं।

कुंभ: आज मेहनत और नए आइडिया आपकी सफलता की चाबी बन सकते हैं। बिजनेस में नई सोच आपको आगे बढ़ाने में मदद करेगी। अपनों के साथ घूमने का प्लान भी बन सकता है।

मीन: आज पारिवारिक उलझनें आपके मन को थोड़ा परेशान कर सकती हैं। भाई-बहनों के बीच छोटी बातों पर तनाव बढ़ सकता है। संतान का व्यवहार भी चिंता का कारण बनेगा।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) पश्तून जातीय समूह मुख्य रूप से किन देशों में पाया जाता है?

2) व्हेन-लिस्टेड प्लेटफॉर्म किस संस्थान की पहल है?

3) हाल ही में हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य की पहली डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन किस शहर में किया?

4) लीडरशिप समिट 2024 की मेज़बानी किस संस्थान ने की?

5) लैटिन अमेरिका में किस देश ने कानून बनाकर इच्छा मृत्यु को वैध करने वाला पहला देश बन गया है?

उत्तरमाला- (1) अफगानिस्तान और पाकिस्तान (2) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (3) बिलासपुर (4) आईआईटी गुवाहाटी (5) उरुग्वे

पहेली

शब्द सामर्थ्य -045

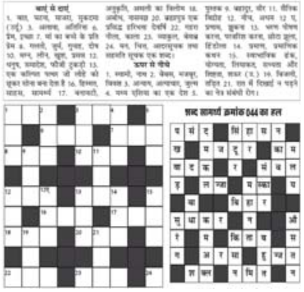

जलसंकट: कम प्रेशर से पानी सप्लाई, बिजली भी बंद

■ घेराव के बाद भी नहीं जागा प्रशासन : वोरा

दुर्ग/नवप्रदेश। शहर के कातुलबोड़, हरिनगर, बघेरा सहित कई वार्डों में भीषण गर्मी के दौरान जल संकट और बिजली बंद करने से वार्ड के नागरिक परेशान हैं। कई वार्डों में नगर निगम के नलों में पानी का प्रेशर बेहद कम होने से लोग परेशान हैं। कुछ वार्डों में नगर निगम की पानी सप्लाई के दौरान बिजली बंद की जा रही है। कम प्रेशर और बिजली बंद किये जाने से लोग हलाकान हैं।

जलसंकट सहित अन्य अव्यवस्थाओं को लेकर 18 मई को कांग्रेस ने नगर निगम का घेराव किया था। इसके बावजूद पानी सप्लाई व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ है। घेराव के दिन ही भाजपा पार्षदों ने निगम कमिश्नर के कक्ष में जलसंकट सहित अन्य अव्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी जताई और व्यवस्था सुधारने की मांग की। इसके बावजूद व्यवस्था में जरा भी सुधार नहीं हुआ है।

जलसंकट से परेशान वार्ड वासियों ने वोरा से लगाई गुहार

वार्डवासियों के बुलावे पर पूर्व विधायक अरुण वोरा ने इन वार्डों का दौरा किया और आम जनता की समस्याएं जानने के बाद कलेक्टर और निगम कमिश्नर से चर्चा कर तत्काल स्थायी समाधान की मांग की। वोरा ने सरकार और प्रशासन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि क्षेत्र में लगभग 5 हैंडपंप कई महीने से खराब हैं। गर्मी से पहले सुधार किया जाना चाहिये था। अभी तक हैंडपंप की मरम्मत का काम नहीं किया गया। हालात बेहद खराब हैं और लोग निस्तारी नहीं कर पा रहे हैं।

महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों समेत हर वर्ग को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। वोरा ने कहा कि यह सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि जनता के साथ अन्याय है। करोड़ों रुपये खर्च कर अमृत मिशन, भागीरथी नल योजना जैसी योजनाओं पर करोड़ों रुपए खर्च किये गए लेकिन, लोगों को पानी नहीं मिल रहा है। पानी सप्लाई का समय शुरू होने पर बिजली बंद कर दी जाती है। करोड़ों की योजनाओं और बड़े-बड़े सरकारी दावों के बावजूद जमीनी हकीकत ये है कि जनता बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष करने पर मजबूर है। जिम्मेदार विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर अपनी जवाबदेही से बच रहे हैं।

दो दिनों में पानी सप्लाई व्यवस्था न सुधरने पर देंगे धरना - बाकलीवाल

इधर, शहर कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल और निगम के नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले ने आज जल कार्य विभाग के ईई प्रकाश थवानी सहित अन्य अफसरों से वार्ड 59 में जलसंकट को लेकर नाराजगी जताई। बाकलीवाल ने वार्ड के नागरिकों के साथ जल कार्य विभाग के अफसरों को दो दिनों के भीतर पानी सप्लाई व्यवस्था सुधारने कहा। तय समयसीमा में पानी सप्लाई व्यवस्था न सुधरने पर बाकलीवाल ने धरने पर बैठने की चेतावनी भी दी।

बीयर की बोतल टूटी, डंडे से पिटाई, थाने में भी हुआ हंगामा

भिलाई/नवप्रदेश। जन्मदिन पार्टी के दौरान घर के सामने बीयर की बोतल तोडऩे पर दो पक्षों में जमकर विवाद हुआ। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई। मारपीट मामले में समझौते की बात करने बुधवार देर रात दोनों पक्ष छावनी थाने पहुंचे थे। इसी दौरान गाली देने पर माहौल बिगड़ गया। इसके बाद थाने में ही जमकर हंगामा हुआ। दीपक पासी ने शिकायत में बताया कि 20 मई को उसके दोस्त मनीष देवांगन का जन्मदिन था। पार्टी के दौरान वह बीयर लेने गया था। लौटते समय राजेश चौधरी के घर के सामने उसकी बाइक फिसल गई और बीयर की बोतल टूट गई। इसी बात पर राजेश चौधरी और उसके भाई ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर हाथ-मुक्कों और डंडे से मारपीट की गई। बीच-बचाव करने आए उसके दोस्त सुजीत गुप्ता पर लोहे की रॉड से हमला किया गया, जिससे उसके सिर और हाथ में चोट आई। बाद में थाना परिसर में दोनों पक्षों के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई। पुलिसकर्मियों के साथ भी झूमाझटकी हुई। विवाद बढऩे के बाद दोनों पक्षों के लोग थाने के अंदर ही आपस में भिड़ गए। दीपक पासी का आरोप है कि थाने में समझौते के दौरान राजेश चौधरी के साथ आए गुरुचरण बग्गा ने गाली-गलौज की, जिसके बाद विवाद और बढ़ गया। विवाद इतना बढ़ गया कि थाना परिसर में जमकर धक्का-मुक्की हुई। इस दौरान पुलिसकर्मियों के साथ भी झूमाझटकी हुई। घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। पुलिसकर्मियों को भीड़ को नियंत्रित करने में मशक्कत करनी पड़ी।

न्यूज गैलरी

भिलाई में युवक की संदिग्ध मौत

भिलाई। भिलाई-3 के पुरैना स्थित स्टोर पारा में एक युवक नसरू सोना (29) अपने घर में मृत मिला। घटना की जानकारी मिलने पर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर मौजूद लोगों ने युवक की मौत को हत्या बताते हुए विरोध जताया। मौजूद लोगों ने कहा कि कुछ दिन पहले युवक के साथ मारपीट हुई थी। उसने इसकी शिकायत पुलिस में की थी, लेकिन पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की। जीआरपी भिलाई-3 थाना प्रभारी डीएन श्रीवास्तव ने बताया कि बुधवार रात परिवार के सभी लोग खाना खाने के बाद सो गए थे। गुरुवार सुबह जब पिता की नींद खुली तो उन्होंने नसरू को उठाने की कोशिश की। वह बिस्तर पर मृत अवस्था में पड़ा मिला। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मारपीट में शामिल कुछ संदिग्ध युवकों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जनसमस्या निवारण शिविर में 275 आवेदन

अहिवारा। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जिले के नगर पालिका अहिवारा के वार्ड 12 स्थित मंगल भवन में आज जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वार्ड 9, 10, 11 और 12 के साथ पूरे नगर के नागरिकों ने मांग व शिकायत से संबंधित आवेदन दिये। शिविर में मांग व शिकायत से संबंधित कुल 275 आवेदन मिले। शिविर में आधार अपडेशन 10, नया आधार 4, आभा आईडी 72, श्रम कार्ड 2, महतारी वंदन योजना का ई-केवाईसी 30, स्वच्छता दीदियों को पीपीई किट वितरण 44, परिवहन विभाग द्वारा 16 लोगों का लर्निंग लाइसेंस बनाया गया। 85 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण व दवाई वितरण किया गया। टी.बी. जाँच हेतु एक्सरे व दवाई वितरण किया गया। शिविर में लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करने के लिये नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया गया। शिविर के अंत में उपस्थित आम नागरिकों और विभागीय अधिकारी कर्मचारियों को मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रवीण सिंह गहलोत द्वारा स्वच्छता शपथ दिलाया गया। शिविर में नगर पालिका अध्यक्ष विद्यानंद कुशवाहा, पार्षद अनुज साहू, नुकिता देवांगन, इन्द्रजीत राउत, पुरुषोत्तम वर्मा, केशव महिलांग, मीना जोशी, मुकुंद पटेल के साथ मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रवीण सिंह गहलोत, उपअभियंता खिलानंद कुल्हारे सहित ब्लॉक स्तरीय अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

दुर्ग न्यायालय में ग्रीष्मकालीन अवकाश के लिए वर्क फ्रॉम होम और वाहन पूलिंग व्यवस्था लागू

दुर्ग। सर्वोच्च न्यायालय और छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के निर्देशों के अनुपालन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय दुर्ग में ग्रीष्मकालीन अवकाश अवधि के दौरान वर्क फ्रॉम होम और वाहन पूलिंग व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया गया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देशानुसार मुख्यालय में उपलब्ध वरिष्ठ न्यायाधीश चतुर्थ जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में समस्त न्यायिक अधिकारियों की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालय द्वारा जारी परिपत्रों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में न्यायिक अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को प्रति सप्ताह अधिकतम दो दिवस वर्क फ्रॉम होम की अनुमति दे सकते हैं। प्रत्येक कार्य दिवस में कार्यालय व न्यायालय में न्यूनतम 50 प्रतिशत कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य रूप से बनी रहे, जिससे न्यायालयीन कार्य प्रभावित न हो। वर्क फ्रॉम होम की अनुमति प्राप्त कर्मचारियों को कार्यालयीन समय में घर से कार्य करने और आवश्यकता पडऩे पर तत्काल कार्यालय अथवा न्यायालय में उपस्थित होने हेतु दूरभाष के माध्यम से उपलब्ध रहने के निर्देश भी दिए गए हैं। ईंधन की बचत व संसाधनों के बेहतर उपयोग को बढ़ावा देने न्यायिक अधिकारियों को वाहन पूलिंग व्यवस्था अपनाने प्रेरित किया गया। शासकीय वाहनों के उपयोग में वाहन पूलिंग व्यवस्था का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में उपस्थित सभी न्यायिक अधिकारियों ने इन निर्देशों का पूर्णतः पालन करने पर सहमति व्यक्त की।

अधिकारियों के साथ किया स्थल निरीक्षण, गुणवत्ता और समय-सीमा के भीतर कार्य करने दिए निर्देश

मंत्री गजेंद्र ने निर्माणाधीन फोरलेन निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

दुर्ग/नवप्रदेश। शिक्षा मंत्री दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने जिला प्रशासन और संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ निर्माणाधीन फोरलेन सड़कों के कार्यों का निरीक्षण किया। मंत्री गजेन्द्र यादव ने जेल चौक से मिनीमाता चौक तक निर्माणाधीन फोरलेन का जायजा लेते हुए निर्माण कार्य की गुणवत्ता, प्रगति और निर्धारित समय-सीमा की जानकारी अधिकारियों से ली।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो और तय समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता से सभी कार्य पूर्ण किये जाएं। पोटिया चौक, महाराजा चौक पर वाहनों के आवागमन हेतु पर्याप्त स्थान देने कहा गया, ताकि जाम की स्थिति न बने।

निरीक्षण के दौरान मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि दुर्ग शहर लगातार विकसित हो रहा है और बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए आधुनिक और चौड़ी सड़कों का निर्माण समय की आवश्यकता है। दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में चार प्रमुख स्थानों पर फोरलेन सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है। आने वाले समय में शहर की यातायात व्यवस्था में बड़ा सुधार होगा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने निर्माण कार्य की तकनीकी जानकारी और प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। मंत्री यादव ने निर्माण एजेंसियों को कार्य में आवश्यक तेजी लाने और गुणवत्ता मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने कहा। इस अवसर पर कलेक्टर अभिजीत सिंह, पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, पीडब्ल्यूडी ई.ई. आशीष भट्टाचार्य, एसडीओ एस साहू व उप अभियंता राकेश वर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सिग्नल पर खड़े बाइक सवारों को कार ने मारी टक्कर, घायल युवक की मौत

■ हादसे के वक्त दो लोगों की हो चुकी है मौत

भिलाई/नवप्रदेश। चंद्रा मौर्या चौक पर तीन दिन पहले रेड सिग्नल पर हुए सड़क हादसे में मृतकों की संख्या तीन हो गई है। हादसे के कारण मौके पर ही दो युवकों की मौत हो गई थी। गंभीर रूप से घायल सलीम अली (35) ने 20 मई की रात को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे से सिर्फ दो दिन पहले सलीम के घर बेटी का जन्म हुआ था।

पत्नी अस्पताल में भर्ती थी और उसी समय परिवार को एक्सीडेंट की खबर मिली। इस हादसे में नूर खान (15) और मनोहर कुमार गोनाडे (55) की मौत हो चुकी थी। बाइक सवार एसी बनाने का काम करते हैं। रिपेयरिंग कार्य के लिये जाते समय रेड सिग्नल पर खड़े युवकों को तेज रफ्तार फोर्ड इको स्टार कार ने पीछे से आकर टक्कर मार दी थी। जांच में पता चला है कि आरोपी सागर जायसवाल हादसे के वक्त नशे की हालत में कार चला रहा था। गंभीर रूप से घायल सलीम अली को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसकी हालत लगातार नाजुक बनी हुई थी। सलीम अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। उसके तीन बच्चे हैं।

सामूहिक जल प्रदाय योजना के कार्यों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

दुर्ग/नवप्रदेश। जिले में जल जीवन मिशन अंतर्गत सामूहिक जल प्रदाय योजना ओदरागहन अंतर्गत सम्मिलित गांवों को शीघ्र पानी सप्लाई किया जाएगा। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज सामूहिक जल प्रदाय योजना अंतर्गत ग्राम ओदरागहन के समीप खारून नदी में बनाये गये इंटकवेल और बेल्हारी स्थित वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का मौका निरीक्षण किया। पीएचई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इंटकवेल से वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के लिए पानी सप्लाई प्रारंभ कर दिया गया है। वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में जल शुद्धिकरण पश्चात् विभिन्न ग्रामों के 12 टंकियों को भरा जाएगा। इस दौरान लीकेज जांच की जाएगी। 12 टंकियों तक पाइप लाइन लीकेज नहीं मिला है। टंकियों में पानी भरने के बाद संबंधित ग्रामों को पानी की सप्लाई की जाएगी। कलेक्टर सिंह ने अधिकारियों को पानी सप्लाई पाइप लाइन की भली-भांति जांच करने टंकी सफाई के दौरान वेस्ट पानी बहाने के बजाय गड्ढे में संग्रहित करने कहा। कलेक्टर सिंह ने योजना अंतर्गत ग्राम कौही में निर्माणाधीन वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का भी अवलोकन किया।

शहर की विद्युत व्यवस्था बदहाल, कांग्रेसियों ने आंदोलन की चेतावनी दी

दुर्ग/नवप्रदेश। शहर में बार-बार बिजली बंद होने की समस्या से परेशान नागरिकों की शिकायत पर आज शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में कांग्रेसजनों और शहरवासियों ने सीएसपीडीसीएल कार्यालय में विरोध जताया। कांग्रेसियों ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक संजय खंडेलवाल को बिजली कटौती, अनियमित बिजली सप्लाई से आम जनता को हो रही परेशानियों के संबंध में विस्तृत ज्ञापन सौंपा। कार्यपालक निदेशक संजय खंडेलवाल ने शीघ्र कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

ज्ञापन में कहा गया है कि तेज हवा चलने या हल्की आंधी, बारिश, तूफान आते ही शहर में बिजली बंद हो जाती है। कई घंटों तक विद्युत सप्लाई बाधित रहने से आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। बार-बार शिकायत करने के बावजूद स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। नल खुलने पर बिजली कटौती की शिकायत भी की गई। बाकलीवाल ने चेतावनी देते हुए कहा कि शीघ विद्युत व्यवस्था में सुधार न होने पर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर द्वारा आम जनता के साथ उग्र आंदोलन किया जाएगा।

इस दौरान नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष नेता संजय कोहले, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अलताफ अहमद, कौशल किशोर सिंह, राय सिंह ढिकोला, राजू भाटिया, प्रेमलता साहू, नासिर खोखर, सुशील भारद्वाज, देवश्री साहू, आनंद कपूर ताम्रकार, गुरदीप भाटिया, मनीष बघेल, रतन नारायण देव, दुष्यंत देवांगन, नंदू शर्मा, मुकेश साहू, राहुल शर्मा, हेमा साहू, देव सिन्हा, भूपेंद्र सेन, गणेश सोनी, निकिता सिंह, ज्ञानू बागड़े, जमना साहू, सुनीत घोष, अनीस रजा, अशोक मेहरा, दीपक जैन, दीपक चावड़ा सहित अन्य कांग्रेसी उपस्थित रहे।

सशक्त, संगठन और सक्रिय कार्यकर्ता भाजपा की पहचान: गजेंद्र

दुर्ग/नवप्रदेश। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत दुर्ग जिला भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग संपन्न हुआ। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के नेतृत्व में संचिता लॉन में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में अलग-अलग विषयों पर वक्ताओं ने संबोधन प्रस्तुत किया। प्रशिक्षण के दूसरे दिन मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने कार्य पद्धति, समझना, अपनाना और व्यवहार में लाना विषय पर संबोधन प्रस्तुत किया। सत्र की अध्यक्षता जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन ने की। सुनील पिल्लई ने बूथ प्रबंधन, मन की बात,आईटी के विषय पर अपना संबोधन प्रस्तुत किया। अध्यक्षता कांतिलाल बोथरा छत्तीसगढ़ राइस मिल एसोसिएशन अध्यक्ष ने की। तेज पाल शर्मा सोशल मीडिया का उपयोग नई तकनीक, एआई, प्रभावी सूचना तंत्र और संगठन के सकारात्मक परसेप्शन निर्माण पर संबोधन प्रस्तुत किया। अध्यक्षता आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शिव चंद्राकर ने की।

मीडिया प्रबंधन विषय पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता जसविंदर बग्गा ने संबोधन प्रस्तुत किया। अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा नेता अजय तिवारी ने की। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पांडेय ने विचार परिवार पर संबोधन प्रस्तुत किया। अध्यक्षता भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य उषा टावरी ने की। डॉ अवधेश जैन प्रदेश संयोजक प्रशिक्षण विभाग ने हमारा सैद्धांतिक अधिष्ठान विषय पर संबोधन प्रस्तुत किया। अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा नेता राजेश ताम्रकार ने की। समापन सत्र केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने सरकार की गरीब कल्याण योजना और क्रियान्वयन में संगठन की भूमिका विषय पर अपना संबोधन प्रस्तुत किया। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने की। समापन सत्र में भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा, प्रशिक्षण महाअभियान के प्रदेश संयोजक अवधेश जैन उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने अपनी सरकारों की गरीब कल्याण योजना और क्रियान्वयन में संगठन की भूमिका पर अपना संबोधन प्रस्तुत करते हुए कहा कि भाजपा की सरकारें अंत्योदय के सिद्धांत पर कार्य करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बीएसपी में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय मानव संसाधन दिवस

भिलाई/नवप्रदेश। बीएसपी में इस्पात भवन स्थित आईबी कॉन्फ्रेंस हॉल में अंतरराष्ट्रीय मानव संसाधन दिवस मनाया गया। महाप्रबंधक प्रभारी मानव संसाधन जेएन ठाकुर के मार्गदर्शन में मानव संसाधन विभाग के अधिकारी व वरिष्ठ सदस्यों ने तेजी से परिवर्तित हो रहे कार्य परिवेश में मानव संसाधन की बदलती भूमिका पर विस्तृत चर्चा की। संवाद सत्र में समकालीन मानव संसाधन विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यस्थल की उभरती चुनौतियाँ, मानव संसाधन प्रक्रियाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का बढ़ता उपयोग, डिजिटल परिवर्तन के दौर में मानवीय संवेदनाओं को बनाए रखने की आवश्यकता और जटिल व गतिशील कार्य वातावरण में प्रभावी मानव प्रबंधन पर चर्चा की गई। अंतरराष्ट्रीय मानव संसाधन दिवस की थीम एंपॉवर पिपल टू लीड चेंज रही। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ महाप्रबंधकों ने अपने दीर्घ सेवाकाल के दौरान चुनौतियों, उनसे मिली सीख और युवा मानव संसाधन अधिकारियों के लिए प्रेरणादायी संदेश प्रदान किए। महाप्रबंधक ने मानव संसाधन कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु नॉलेज मैनेजमेंट, संस्थागत उपलब्धियों के प्रस्तुतिकरण पर जोर दिया।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि: कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

दुर्ग/नवप्रदेश। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर के पदाधिकारियों ने आज राजीव भवन में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी की 35 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेसजनों ने स्व राजीव गांधी के कार्यों को याद किया। इस मौके पर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि स्व राजीव गांधी ने देश को आधुनिक तकनीक, दूरसंचार क्रांति, पंचायती राज व्यवस्था और युवाओं को नई दिशा देने का ऐतिहासिक कार्य किया। राजीव गांधी ने भारत को एक मजबूत, आधुनिक और एकजुट राष्ट्र बनाने का सपना देखा था। पूर्व महापौर आरएन वर्मा ने कहा कि स्व राजीव गांधी ने देश को 21 वीं सदी की ओर अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उनके योगदान को देश कभी नहीं भूल सकता। राजीव गांधी ने देश की एकता-अखंडता के लिए बलिदान दिया। मध्य ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अल्ताफ अहमद ने भी सभा को संबोधित किया।

कार्यक्रम में कौशल किशोर सिंह, ज्ञानू बांगड़े, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, राय सिंह ढिकोला, अजय मिश्रा, सुशील भारद्वाज, नासिर खोखर, रत्ना नारमदेव, देवश्री साहू, जमुना साहू, कमलेश नागर, दुष्यंत देवांगन, बृजमोहन तिवारी, राहुल शर्मा, अनीस रजा, राजू भाटिया, अजय जैन, दीपक चावड़ा, अशोक मेहरा, देव सिन्हा, भीमसेन, गणेश सोनी, भास्कर कुंडले, कल्याण सिंह ठाकुर, जितेंद्र तिवारी, अली असगर, मनोज सिन्हा उपस्थित थे।

बिजली सप्लाई बहाल करने रात भर डटा रहा स्टाफ, प्राकृतिक आपदा के समय उपभोक्ताओं से धैर्य रखने की अपील

385 करोड़ की लागत से होगा 6 अति उच्च दाब उपकेंद्रों का निर्माण

दुर्ग/नवप्रदेश। भीषण आंधी-तूफान के कारण दुर्ग शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली के बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा। सीमित कर्मचारियों के बावजूद बिजली विभाग ने आस-पास के कार्यालयों के लाइन स्टाफ और फ्यूज ऑफ कॉल ठेकेदारों की मदद से अतिरिक्त टीमें बनाकर युद्ध स्तर पर सुधार कार्य शुरू किया। कनिष्ठ और सहायक अभियंताओं के नेतृत्व में तकनीकी अमले ने सभी 33 के.व्ही. फीडर्स को सेक्शनाइज कर अधिकतम क्षेत्रों की बिजली चालू की। फॉल्ट दुरुस्त कर शेष क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति बहाल की गई। अधिकांश उपभोक्ताओं को मात्र 2 घंटे के भीतर राहत मिल गई। बड़े फॉल्ट को सुबह 3 बजे तक ठीक कर लिया गया। शेष फॉल्ट को भी शीघ्र सुधारा जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि तूफान के कारण दुर्ग जिले में लगभग 60 एचटी (हाई टेंशन) और एलटी (लो टेंशन) बिजली के खंभे पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दुर्ग-भिलाई के 15 से अधिक मुख्य स्थानों पर विशालकाय पेड़ों की शाखाएं सीधे बिजली लाइनों पर आ गिरी, जिससे तार टूटकर सड़कों पर बिखर गए। 400 ट्रांसफार्मरों के डीओ फ्यूज और 700 ट्रांसफार्मरों के एलटी फ्यूज उड़ गए। जगह-जगह इंसुलेटर पंचर होने और पोल टूटने के कारण विद्युत सप्लाई ठप हो गई।

तूफान से दुर्ग रीजन के नगपुरा, रसमड़ा, धमधा, स्मृति नगर, नेहरू नगर सहित ग्रामीण इलाके बुरी तरह प्रभावित हुए, जहां लाइनों पर भारी संख्या में पेड़ों की डालियां गिरने से कई फीडर ट्रिप हो गए। सैकड़ों की संख्या में जम्पर, डीओ, फ्यूज, इंसुलेटर और तार लगे होते हैं। तूफान के दौरान लोगों द्वारा घरों पर लगाए गए झंडे, सड़कों और इमारतों के किनारे लगे फ्लेक्स व होर्डिंग्स व पेड़ों की शाखाएं उड़कर लाइनों में चिपक जाते हैं और कड़कड़ाती बिजली चमकने से इंसुलेटर पंचर हो जाते हैं। फॉल्ट का पता लगाने और तारों में फंसे फ्लेक्स व पेड़ों को हटाने में काफी मेहनत और समय लगता है।

दुर्ग जिले में विद्युत की बढ़ती मांग की पूर्ति और गुणवत्तापूर्ण निर्बाध विद्युत प्रदाय के लिए 385 करोड़ रुपए की लागत से विद्युत के बुनियादी ढाचे को मजबूत किया जा रहा है। छग स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक ने उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि विपरीत मौसम और प्रतिकूल परिस्थितियों में काम करने वाले मैदानी अमले के जान-माल के जोखिम को भी ध्यान में रखा जाना चाहिये। टूटे तारों और बिजली के खंभों को ठीक करना बेहद खतरनाक होता है।

आंदोलनकारियों के आगे झुका प्रशासनः गैंदाटोला-नुन्हाटोला मार्ग स्थित शराब दुकान बंद

■ मुख्यमंत्री निवेदन यात्रा से पहले बड़ा फैसला, सहायक आबकारी आयुक्त पहुंचे धरनास्थल

छुरिया/नवप्रदेश। गैंदाटोला नुन्हाटोला मार्ग स्थित शासकीय शराब दुकान को लेकर कई दिनों से चल रहा विरोध आंदोलन आखिरकार रंग लाया। महिलाओं और ग्रामीणों के लगातार संघर्ष, आक्रोश और सड़क किनारे चले धरने के आगे प्रशासन को झुकना पड़ा। सहायक आबकारी आयुक्त के धरनास्थल पहुंचने के बाद वैकल्पिक व्यवस्था होने तक शराब दुकान बंद रखने का निर्णय सामने आया, जिसके बाद आंदोलनकारी महिलाओं और ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई।

नुन्हाटोला सहित आसपास के ग्रामीण शराब दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग को लेकर लगातार आंदोलनरत थे। ग्रामीणों का कहना था कि जिस मार्ग से रोजाना स्कूली बच्चे, छात्राएं और महिलाएं गुजरती हैं, वहां शराब दुकान संचालित होने से सामाजिक माहौल प्रभावित हो रहा था और असामाजिक गतिविधियों की आशंका बढ़ रही थी। महिलाओं ने खुलकर अपनी पीड़ा रखते हुए कहा था कि शराब दुकान से गांव का माहौल बिगड़ रहा है और बहन-बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है। भीषण गर्मी और तपती धूप के बावजूद महिलाएं, बुजुर्ग और युवा सड़क किनारे पंडाल लगाकर दिन-रात डटे रहे। छोटे बच्चों के साथ महिलाएं धरने पर बैठीं और एक ही आवाज बुलंद होती रही – पहले शराब दुकान हटाओ, फिर हटेगा पंडाल। कई रातें धरना स्थल पर गुजारने के बाद आखिरकार आंदोलन असर दिखाता नजर आया। आंदोलनकारियों ने इसे जनता के संघर्ष की जीत बताते हुए कहा कि यह केवल शराब दुकान हटाने की लड़ाई नहीं थी, बल्कि गांव की सुरक्षा, सामाजिक माहौल और आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बचाने का संघर्ष था। हालांकि ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि वे प्रशासन के लिखित आदेश और आगे की कार्रवाई पर नजर बनाए रखेंगे, ताकि भविष्य में विवाद की स्थिति न बने।

ग्रामीणों की राय

कई ग्रामीणों ने खुलकर कहा – नेता वही होता है जो चुनाव के बाद भी जनता के संघर्ष और मुश्किल समय में साथ खड़ा रहे। महिलाओं और युवाओं के बीच भी यह चर्चा बनी रही कि संघर्ष के दौरान कौन केवल आश्वासन देता रहा और कौन वास्तव में धरना स्थल तक पहुंचा।

मुख्यमंत्री निवेदन यात्रा से पहले प्रशासन का बड़ा फैसला

आंदोलनकारी मुख्यमंत्री निवेदन यात्रा निकालने की तैयारी में थे। रायपुर पहुंचकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने और शराब दुकान हटाने की मांग सीधे सरकार तक पहुंचाने की योजना थी। लेकिन इससे पहले ही प्रशासन ने हस्तक्षेप करते हुए बड़ा कदम उठाया। बताया जा रहा है कि सहायक आबकारी आयुक्त स्वयं धरनास्थल पहुंचे और वैकल्पिक व्यवस्था होने तक दुकान बंद रखने का निर्णय सामने आया।

सामाजिक और राजनीतिक समर्थन मिला

इस आंदोलन को पूर्व विधायक छन्नी साहू, प्रदेश किसान संघ सहित कई सामाजिक संगठनों का समर्थन मिला। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार दबाव, महिलाओं के आक्रोश और जनसमर्थन के चलते प्रशासन को आखिरकार निर्णय लेना पड़ा।

न्यूज गैलरी

जिला पंचायत सभापति डॉ. गुंजा ध्रुव को पीएचडी की उपाधि

नगरी/धमतरी/नवप्रदेश। जिला पंचायत सभापति एवं भाजपा नेता अजय फत्ते लाल ध्रुव की धर्मपत्नी डॉ. गुंजा ध्रुव को Soil and Water Conservation Engineering विषय में पीएचडी (क्द्धष्ठ) की उपाधि प्राप्त हुई है। उनकी इस महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि से परिवार, शुभचिंतकों एवं क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है। डॉ. गुंजा ध्रुव ने अपने निरंतर परिश्रम, समर्पण और दृढ़ संकल्प के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में उनकी यह सफलता यह संदेश देती है कि लगन, सकारात्मक सोच और सतत प्रयास से बड़े लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं। उनकी यह उपलब्धि विशेष रूप से जनजातीय समाज की बेटियों एवं युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत मानी जा रही है। समाज के लोगों का मानना है कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इस प्रकार की उपलब्धियाँ नई पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति एवं भाजपा नेता अजय फत्ते लाल ध्रुव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे परिवार के लिए गर्व और खुशी का विषय है। उन्होंने विश्वास जताया कि डॉ. गुंजा ध्रुव आगे भी अपने ज्ञान और कार्यों के माध्यम से समाज एवं राष्ट्रहित में योगदान देती रहेंगी।

ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

महासमुंद/नवप्रदेश। सिंघोड़ा थाना क्षेत्र में अनियंत्रित ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मर्ग क्रमांक 10/2026 धारा 194 बीएनएस की जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि अभि यादव 5 मई की सुबह करीब 5 बजे बिना नंबर के न्यू हालैंड ट्रैक्टर को चलाते हुए कलेंडा से पिहरा रायगढ़ की ओर जा रहा था। इसी दौरान ग्राम भगत सरायपाली रोड स्थित बरटिकरा मोड़ के पास ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक अभि यादव को गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में सिंघोड़ा पुलिस ने बीएनएस की धारा 106(1) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

चेक बाउंस मामले की रंजिश में कृषि केंद्र संचालक से मारपीट

महासमुंद/नवप्रदेश। सिटी कोतवाली पुलिस ने कृषि केंद्र संचालक युवक के साथ मारपीट करने के मामले में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक-26 क्लबपारा निवासी शुभांक शर्मा, जो निजी कृषि दवा दुकान का संचालन करता है, ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी मां निरंजना शर्मा ने आनंद चतुर्वेदी के खिलाफचेक बाउंस का मामला महासमुंद न्यायालय में प्रस्तुत किया है। इसी बात को लेकर आनंद चतुर्वेदी ने 17 मई की शाम करीब 5 से 5.30 बजे के बीच शुभांक शर्मा को बातचीत करने के लिए अपने महावीर पार्क स्थित घर बुलाया था। आरोप है कि वहां पहुंचते ही आनंद चतुर्वेदी ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। किसी तरह जान बचाकर शुभांक सीधे सिटी कोतवाली पहुंचा, जहां से उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफबीएनएस की धारा 117(2), 296 एवं 351(3) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

घर में घुसकर युवती से मारपीट आरोपी पर मामला दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश। सरायपाली थाना क्षेत्र के ग्राम बाराडोली में घर में घुसकर युवती से मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफविभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम बाराडोली निवासी राधिका साव (25) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 18 मई की रात करीब 8 से 9 बजे के बीच वह अपनी मां गुलापी साव के साथ गांव में निकल रहे जुलूस को देखने गई थी। जुलूस देखकर लौटने के दौरान कुमार साव के घर के सामने गांव की खिरोदनी साव ने बिना किसी कारण गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद राधिका अपनी मां के साथ घर लौट आई।

डेढ़ लाख आदिवासी ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मैनपुर में मात्र दो डॉक्टर, सरकार के दावों की खुली पोला

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बदहाल स्वास्थ्य सिस्टम

■ ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव के चलते अकाल मौत के गाल में समा जाते हैं ग्रामीण

गरियाबंद/नवप्रदेश। गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखण्ड मैनपुर क्षेत्र के लोग छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 26 वर्षो बाद भी स्वास्थ्य सुविधा के नाम पर दूसरे प्रदेश ओड़िशा पर निर्भर रहते है ये हालात सरकार के स्वास्थ्य संबंधी विकास के सारे दावे की पोल खोल रही है सरकार ने अब तक न तो अस्पताल भवनो की पर्याप्त व्यवस्था की है न ही डॉक्टरो की जिसके कारण सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मैनपुर मुख्यालय के अस्पताल भी रिफर सेंटर बनकर रह गया है। आदिवासी विकासखंड मैनपुर क्षेत्र स्वास्थ्य सुविधा के नाम पर शुरू से महरूम रहा हैए जबकि यह क्षेत्र काफी संवेदनशील क्षेत्र के रूप मे जाना जाता है हर वर्ष यहां बारिश के मौसम मे अनेक जनित रोगो व बिमारियों से लोग पीड़ित रहते है बारिश के सीजन प्रारंभ होते ही उल्टीएदस्त व मलेरिया का यह क्षेत्र गढ़ बन जाता है, पूर्व वर्षो मे मलेरिया उल्टी दस्त जैसे बिमारियो से कई लोगो की जाने जा चुकी है अस्पताल सूत्रो से मिली जानकारी के अनुसार मैनपुर विकासखंड के 180 गांवो के लगभग 1 लाख 65 हजार ग्रामीणो के लिए मैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मे मात्र 2 डॉक्टर ही पदस्थ है।

मैनपुर नगर मे कहने को तो सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र है यहां 1980 मे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खोला गया है और इस अस्पताल मे 12 स्पेशलिस्ट एवं डॉक्टरो के पद स्वीकृत है लेकिन इसमें से मात्र दो डॉक्टर ही इस अस्पताल को नसीब हो पाया।

वर्षो से मैनपुर में नहीं है महिला डॉक्टर

तहसील मुख्यालय मैनपुर में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र है और यहां बीएमओ सहित दो ही डॉक्टर पदस्थ है मैनपुर विकासखण्ड काफी लंबा चौड़ा है लगभग 100 किमी के एरिया में फैला हुआ है और 1 लाख 65 हजार ग्रामीणो के लिए महज डॉक्टरो की भारी कमी बनी हुई है सबसे ज्यादा परेशानी तहसील मुख्यालय मैनपुर में महिला डॉक्टर के नही होने से होती है क्योकि महिलाओं को अपने समस्याओं व बीमारियो को लेकर महिला डॉक्टर को आसानी से समस्या बता सकते है इसलिए वर्षो से महिला डॉक्टर की मांग किया जा रहा है। महिला डॉक्टर को लेकर कई बार उच्च अधिकारियो सहित शासन प्रशासन से मांग किया जा चुका है लेकिन इस गंभीर समस्या की ओर अब तक ध्यान नही दिया गया। मैनपुर तहसील मुख्यालय में कहने को तो सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र है लेकिन यह सिर्फरिफर सेंटर बनकर रह गया हैए यहा कोई सुविधाए नही हैए छोटो . छोटी ईलाज के लिए मैनपुर पुरे क्षेत्र के लोगो को ओडिसा के रायगढए धरमगढ एंव रायपुर जाना पडता हैए घटना दुर्घटना की स्थिति में यह अस्पताल रिफर सेंटर बनकर रह गया हैए यहा प्रर्याप्त सुविधा के अभाव में सीधे जिला अस्पताल गरियाबंद रिफर कर दिया जाता है।

क्या कहते हैं पूर्व विधायक डमरूधर पुजारी

बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता डमरूधर पुजारी ने कहा मैनपुर देवभोग अमलीपदर क्षेत्र मे पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधा के साथ ही पर्याप्त डॉक्टर बेहद जरूरी है इस मांग को लेकर स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात करेंगे। श्री पुजारी ने कहा भाजपा सरकार आदिवासी क्षेत्रो के विकास के लिए बेहद संवेदनशील है जल्द ही महिला डॉक्टर एवं स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।

65 वर्षों से बंदोबस्त त्रुटि सुधार की मांग, ग्राम कस के ग्रामीणों ने राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा से लगाई गुहार

गरियाबंद/नवप्रदेश। गरियाबंद जिले के ग्राम पंचायत कस में पिछले 6 वर्षों से राजस्व भूमि बंदोबस्त त्रुटि की समस्या से जूझ रहे ग्रामीण अब शासन स्तर पर न्याय की उम्मीद लगाए हुए हैं। तहसीलदार कार्यालय से लेकर कलेक्टर जनदर्शन तक कई बार आवेदन देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से परेशान ग्रामीणों ने छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा से मुलाकात कर अपनी पीड़ा बताई।

ग्रामीणों ने मंत्री को बताया कि गांव में भूमि बंदोबस्त से जुड़ी त्रुटियों के कारण कई किसानों और भूमिधारकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वर्षों से राजस्व अभिलेखों में सुधार नहीं होने से ग्रामीण लगातार शासकीय कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैंए लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के बाद राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने उन्हें आश्वस्त करते हुए कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जल्द ही राजस्व विभाग की टीम गठित कर बंदोबस्त त्रुटियों का परीक्षण कराया जाएगा तथा आवश्यक सुधार सुनिश्चित किए जाएंगे। मंत्री से मुलाकात के बाद ग्रामीणों ने समस्या के समाधान की उम्मीद जताते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

इस दौरान ग्राम कस भूमि सुधार समिति के सदस्य बलराम निषादए सियाराम पटेलए संतोष ध्रुवए राम भरोसाए कन्हैया निषादए सुरेंद्र यादव रमेश कुमार निषाद एवं सरपंच प्रतिनिधि रविंद्र कुमार ध्रुव सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

रोजगार छिनने के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

सैकड़ों कार्यकर्ता सड़क पर उतरे

बागबाहरा/नवप्रदेश। सराफा व्यापारियों, स्थानीय कारीगरों और स्वर्ण शिल्प से जुड़े कर्मचारियों की रोजी-रोटी पर आए संकट के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं विधायक द्वारिकाधीश यादव के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग उठाई। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि गलत नीतियों और प्रशासनिक अनदेखी के चलते सराफा व्यवसाय से जुड़े हजारों छोटे व्यापारियों, कारीगरों और कर्मचारियों के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। नेताओं ने कहा कि वर्षों से पुश्तैनी कार्य के रूप में इस व्यवसाय से जुड़े परिवार आज आर्थिक परेशानी झेल रहे हैं, जिसे कांग्रेस पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से फूल सिंह ध्रुव, फिरोज मेमन, भूपेंद्र सिंह, गणेश कुमार शर्मा, समीम खान, दुर्गा सागर, अंकित बागबाहरा, लोकेश कुमार दीवान, लखबीर सिंह छाबड़ा, श्रीमती खिलेश्वरी ताम्रध्वज बघेल, देवेश साहू, मंता यादव, शैलेश साहू, रमेश ठाकुर, महेश नरेडिया, ताम्रध्वज बघेल, पोखराज साहू, पंकज हरपाल, नवनीत सलूजा, दिनेश मोगरे, मयंक शर्मा, लोकेश उइके, रामकुमार ठाकुर, लक्ष्मण राव, हितेश खरे, हरीश जैन आदि उपस्थित रहे।

एक्के नंबर सब्बो बर आपातकालीन सेवाएं मील का पत्थर साबित होंगी: बिंदु सिन्हा

गरियाबंद/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष बिंदु सिन्हा ने छत्तीसगढ़ पुलिस की अत्याधुनिक श्नेक्स्ट जेन सीजी डायल.112 सेवाश् तथा मोबाइल फॉरेंसिक वैन के शुभारंभ को प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक और सुरक्षात्मक सौगात बताते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और छत्तीसगढ़ की संवेदनशील विष्णुदेव साय सरकार के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री शाह द्वारा 400 अत्याधुनिक डायल.112 वाहनों तथा 32 मोबाइल फॉरेंसिक वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करना यह साबित करता है कि केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ को अपराध मुक्त और सुरक्षित बनाने के लिए पूरी तरह संकल्पित हैं। भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष बिंदु सिन्हा ने कहा कि श्एक्के नंबरए सब्बो बर थीम पर आधारित यह आधुनिक सेवा पुलिस, अग्निशमन और चिकित्सा सेवाओं को एक ही मंच पर एकीकृत करती है। अब प्रदेश की महिलाओंए बच्चों और आम नागरिकों को किसी भी आपात स्थिति में भटकना नहीं पड़ेगाए बल्कि एक ही नंबर पर त्वरित सहायता उपलब्ध होगी। इन वाहनों में शामिल स्मार्टफोनए जीपीएसए वायरलेस रेडियोए पीटीजेड कैमराए डैश कैम मोबाइल एनवीआर और सोलर बैकअप जैसी अत्याधुनिक तकनीकों से अब घटनास्थल की लाइव मॉनीटरिंग और रियल.टाइम ट्रैकिंग संभव होगी।

मेंटनेंस के बाद भी नहीं सुधरी स्थिति, अघोषित बिजली कटौती से ग्रामीण परेशान

कोपरा/नवप्रदेश। भीषण गर्मी के बीच अंचल के गांवों में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। कोपरा नगर सहित आसपास के कई गांवों में लगातार अघोषित बिजली कटौती बार.बार ट्रिपिंग और लो.वोल्टेज की समस्या से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दिन.रात हो रही बिजली कटौती से जनजीवन अस्त.व्यस्त हो गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि तेज गर्मी में घंटों बिजली गुल रहने से घरों में रहना मुश्किल हो गया है। रात के समय बिजली नहीं रहने से लोगों की नींद प्रभावित हो रही हैए वहीं बच्चों की पढ़ाई भी बाधित हो रही है। कई गांवों में बिजली कटौती के कारण पेयजल संकट भी गहराने लगा हैए क्योंकि मोटर पंप बंद रहने से पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। किसानों ने बताया कि अनियमित बिजली आपूर्ति के कारण सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहा है। खेतों में लगे पंप पर्याप्त समय तक नहीं चल पा रहेए जिससे फसलों को नुकसान की आशंका बढ़ गई है। छोटे व्यापारियों और दुकानदारों को भी बिजली कटौती से आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

कोपरा नगर के पूर्व सरपंच सूरज दाऊ ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि पूर्व में मेंटनेंस कार्य के नाम पर कई घंटों तक बिजली बंद रखी गई थी ताकि व्यवस्था में सुधार हो सकेए लेकिन उसके बाद भी आए दिन अघोषित बिजली कटौती की जा रही है जो पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने कहा कि यदि विद्युत विभाग का रवैया नहीं सुधरा और ग्रामीणों को जल्द राहत नहीं मिली तो मजबूर होकर विरोध प्रदर्शन करना पड़ेगा।

ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है। विभागीय कर्मचारियों की कमी और तकनीकी खामियों के कारण सुधार कार्य में देरी हो रही है। कई क्षेत्रों में एक ही लाइनमैन पर कई गांवों की जिम्मेदारी होने से समस्या और बढ़ रही है।

116 एकड़ में सैकड़ों बेशकीमती पेड़ों की बलि, प्रशासन मौन

रेवाडीह के जंगल में हसदेव जैसा मंजर

छुईखदान/नवप्रदेश। रेवाडीह जंगल मे इन दिनो हरियाली नही बल्कि कुल्हाड़ियो और कटर मशीनो की आवाज गूंज रही है क्षेत्र के फेफड़े कहे जाने वाले इस घने जंगल के बीचो बीच बड़े पैमाने पर पेड़ो की कटाई ने पूरे इलाके मे सनसनी फैला दी है स्थानीय सूत्रो की माने तो लगभग 116 एकड़ निजी भूमि की आड़ लेकर सैकड़ो हरे भरे और बेशकीमती पेड़ो को जड़ से उखाड़ा जा रहा है सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जिस जगह पर इतनी बड़ी संख्या मे पेड़ो की कटाई की जा रही है वहा अब तक किसी भी प्रकार की विभागीय अनुमति या ट्रांजिट परमिट टीपी जारी होने की पुष्टि नही हुई है यही वजह है कि अब यह मामला केवल अवैध कटाई तक सीमित नही रहा बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है।

जानकारी के मुताबिक कुछ दिन पहले ही राजस्व विभाग द्वारा इस इलाके मे सीमांकन की कार्रवाई पूरी की गई थी सीमांकन खत्म होते ही जंगल के भीतर अचानक भारी मशीने और मजदूर सक्रिय हो गए इसके बाद साजा बीजा तीनसा बांस और भीरा जैसे कीमती एवं संरक्षित पेड़ो की अंधाधुंध कटाई शुरू हो गई ग्रामीणो का कहना है कि जिस तेजी से जंगल उजाड़ा जा रहा है उससे पूरा क्षेत्र धूल और वीरानी मे बदलता जा रहा है लोग इसे हसदेव अरण्य पार्ट दो बताकर प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे है।

अविनाश ठाकुर एसडीएम गण्डई छुईखदानः इस पूरे मामले मे एसडीएम अविनाश ठाकुर ने कहा कि खमारडीही जंगल मे हो रही पेड़ कटाई की जानकारी मिलते ही जांच के लिए आरआई पटवारी और वन विभाग की टीम भेजी गई है जांच मे जो तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी उन्होने यह भी स्पष्ट किया कि जिस स्थान पर बड़े पैमाने पर कटाई हो रही है वहा किसी भी प्रकार की विभागीय अनुमति नही ली गई है। यदि अनुमति नही ली गई तो आखिर जंगल में यह हरा कत्लेआम किसके इशारे पर चल रहा है।

मानव सेवा के साथ जीव-दया की भी मिसाल: गौमाता के लिए कोटना और पक्षियों के लिए बांटे बर्ड फीडर

मारवाड़ी युवा मंच पिथौरा की सराहनीय पहल, अमृतधारा वाटर कूलर व प्याऊ का उद्घाटन

■ भीषण गर्मी में राहगीरों को मिलेगी राहत, लहारोद चौक पर खुला प्याऊ

पिथौरा/नवप्रदेश। भीषण गर्मी के इस दौर में राहगीरों और आम जनता को शीतल जल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज मारवाड़ी युवा मंच, पिथौरा के तत्वाधान में एक बेहद सराहनीय कार्य किया गया। क्षेत्र के सबसे व्यस्ततम और अत्यधिक आवाजाही वाले स्थान लहरौद स्थित पिथौरा जनसंपर्क कार्यालय में जनसुविधा के लिए 'अमृतधारा' वाटर कूलर का भव्य उद्घाटन किया गया।

इस पुनीत कार्य का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष (बसना) सुमित अग्रवाल, अग्रवाल समाज पिथौरा के अध्यक्ष वेदप्रकाश गोयल विधायक प्रतिनिधि अनूप अग्रवाल, सुमित अग्रवाल के गरिमामयी सानिध्य में संपन्न हुआ।

प्यासे को पानी पिलाने से बड़ा कोई पुण्य नहीं: सुमित अग्रवाल : कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि सुमित अग्रवाल ने मारवाड़ी युवा मंच के इस सेवाभावी प्रयास की मुक्त कंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि– ÷मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और इस तपती गर्मी में प्यासे को पानी पिलाने से बड़ा कोई पुण्य नहीं है।

सैकड़ों लोगों को मिलेगी प्रतिदिन राहत : पिथौरा जनसंपर्क कार्यालय में प्रतिदिन सैकड़ों ग्रामीणों, किसानों और स्थानीय लोगों का आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में इस वाटर कूलर के लग जाने से भीषण गर्मी में लोगों को भारी राहत मिलेगी। इसके साथ ही मारवाड़ी युवा मंच एवं उदय शाखा पिथौरा द्वारा लहारोड़ चौक पर एक सार्वजनिक प्याऊ की भी शुरुआत की गई है।

मूक पशु-पक्षियों के लिए भी बढ़े हाथ

मारवाड़ी युवा मंच एवं उदय शाखा ने केवल मानव सेवा ही नहीं, बल्कि जीव-दया की भी अनूठी मिसाल पेश की है। बढ़ती गर्मी को देखते हुएः गौवंश के लिएः लहरौद चौक क्षेत्र में गौ माता के लिए चारा एवं पानी की व्यवस्था हेतु 'कोटना' (नाद) रखवाया गया। पक्षियों के लिएः चिड़ियों को भीषण गर्मी और प्यास से बचाने के लिए स्थानीय लोगों को बर्ड फीडर का निःशुल्क वितरण किया गया।

हर क्षेत्र में निरंतर सेवा कार्य में जुटा है मारवाड़ी युवा मंचः सौरभ अग्रवाल

कार्यक्रम के दौरान मारवाड़ी युवा मंच पिथौरा के अध्यक्ष सौरभ अग्रवाल 'मोनू' ने संस्था के सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि– फ़मारवाड़ी युवा मंच एक ऐसी संस्था है जो लगातार हर मोर्चे पर सेवा कार्यों से जुड़ी रहती है। चाहे वह मानव सेवा हो, जीव सेवा हो या फिर पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संकल्प हो, मंच हर क्षेत्र में बढ़-चढ़कर अपनी भूमिका निभाता है। इसके साथ ही मारवाड़ी युवा मंच पिथौरा द्वारा पिछले कई महीनों से लगातार गौ माता की सेवा और उनके संवर्धन के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। सेवा का यह सिलसिला समाज के सहयोग से आगे भी इसी तरह अनवरत जारी रहेगा।

चिरायु योजना से बेमेतरा के सैकड़ों बच्चों को मिला नया जीवन

हृदय रोग से ग्रसित 6 गंभीर रोगियों का राज्य से बाहर नि:शुल्क इलाज

बेमेतरा/नवप्रदेश। स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम ÷चिरायु÷ योजना* के माध्यम से बेमेतरा जिले में 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, बीमारियों की प्रारंभिक पहचान एवं नि:शुल्क उपचार कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर के मार्गदर्शन एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री लता बंजारे के सक्रियता में सतत रूप से किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बेमेतरा ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में 4ष्ठ अर्थात जन्मजात दोष , बीमारी, पोषण संबंधी कमियों और विकासात्मक समस्याओं एवं विकलांगता की समय पर पहचान कर समुचित उपचार एवं परामर्श उपलब्ध कराना है।

जिले में 9 चिरायु दलों का संचालन-सहायक जिला नोडल अधिकारी डॉ ऋषभ शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में बेमेतरा जिले में कुल 9 चिरायु दल प्रत्येक विकासखण्ड में दो एवं शहरी क्षेत्र में एक सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। प्रत्येक दल में 1 पुरुष चिकित्सक, 1 महिला चिकित्सक, 1 फार्मासिस्ट तथा 1 ए.एन.एम. सम्मिलित हैं। इन प्रशिक्षित मोबाइल हेल्थ टीमों द्वारा प्रतिवर्ष जिले के 1300 शासकीय विद्यालयों के 1लाख 45 हजार विद्यार्थियों एवं 1200 आंगनबाड़ी केंद्रों के 61 हजार 311 बच्चों में विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित कर बच्चों की स्क्रीनिंग की जा रही है।

गंभीर रोगियों का राज्य से बाहर नि:शुल्क इलाज: जटिल जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित कुल 06 बच्चों का इलाज राज्य शासन एवं राज्य नोडल एजेंसी के माध्यम से राशि स्वीकृत कराकर राज्य से बाहर के उच्च स्तरीय अस्पतालों में करवाया गया है।

एनकॉर्ड की जिला स्तरीय बैठक में नशे के खिलाफ जनजागरुकता और सख्ती पर दिया जोर

खैरागढ़/नवप्रदेश। जिले में मादक पदार्थों के अवैध व्यापार पर नियंत्रण एवं नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई को लेकर नार्को कोऑर्डिनेशन (एनकॉर्ड) जिला स्तरीय समिति की बैठक कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में नशे के विरुद्ध समन्वित अभियान चलाने, ड्रग नेटवर्क पर कार्रवाई तेज करने तथा युवाओं को जागरूक करने संबंधी महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। शैक्षणिक संस्थानों के 500 मीटर के दायरे को ड्रग मुक्त क्षेत्र घोषित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिले के चिन्हित ड्रग हॉटस्पॉट क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने, अवैध मादक पदार्थों की बिक्री एवं तस्करी के खिलाफ नियमित कार्रवाई करने तथा नशामुक्ति केन्द्रों को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। कलेक्टर ने स्वास्थ्य एवं औषधि विभाग को मेडिकल स्टोर्स का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश देते हुए विशेष रूप से नारकोटिक्स दवाइयों के विक्रय और उपयोग की निगरानी सुनिश्चित करने को कहा ताकि दवाइयों के दुरुपयोग पर रोक लगाई जा सके। बैठक में भारतमाता वाहिनी दल के पुनर्गठन एवं विस्तार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।ी सुशासन तिहार के अंतर्गत जिलेभर में नशामुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम चलाने, युवाओं एवं ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने तथा समाज की सहभागिता से नशामुक्त वातावरण तैयार करने पर बल दिया गया।

न्यूज गैलरी

उप मुख्यमंत्री अरुण साव आज बेमेतरा प्रवास पर रहेंगे

बेमेतरा/ नवप्रदेश। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव आज जिला बेमेतरा के एक दिवसीय प्रवास पर रहेंगे। अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत वे विकासखंड बेरला के ग्राम पंचायत आनंदगांव में आयोजित जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर में शामिल होंगे तथा विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। प्राप्त कार्यक्रम के अनुसार उपमुख्यमंत्री अरुण साव सुबह 11:30 बजे रायपुर स्थित निवास से प्रस्थान करेंगे और दोपहर 12:30 बजे ग्राम पंचायत आनंदगांव पहुंचेंगे। यहां वे आमजन से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं एवं मांगों से अवगत होंगे तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश देंगे। कार्यक्रम के दौरान शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी हितग्राहियों को दी जाएगी।

30 जून तक नहीं कराया बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण तो बंद होगी गैस की सब्सिडी

खैरागढ़/नवप्रदेश। घरेलू गैस उपभोक्ताओ को अनिवार्य की गई बायो मेट्रिक प्रमाणीकरण कराए जाने की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित की गई है । खैरागढ़ जिले मे मौजूद 37 हजार से अधिक गैस कनेक् शन धारियो मे से निर्देश के बाद भी अब तक छह हजार से अधिक उपभोक्ताओ ने अपने गैस कनेक् शन का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण नही कराया है । तयशुदा समय पर बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण नही होने से ऐसे उपभोक्ताओ को खाते मे मिलने वाली गैस सब्सिडी पूरी तरह बंद हो जाएगी । जिन उपभोक्ताओं ने गैस कनेक्शन लेने के बाद अब तक एक बार भी बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण नहीं कराया है, उन्हें 30 जून तक प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है। प्रक्रिया पूरी न होने पर सब्सिडी का लाभ रुक जाएगा और समय सीमा बीतने पर सब्सिडी स्थायी रूप से समाप्त हो सकती है। स्थानीय इंडेन गैस के संचालक अतुल वासनिक ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं ने अब तक प्रमाणीकरण नहीं कराया है, उनकी सब्सिडी तब तक लंबित रखी जाएगी जब तक वे अपना बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण पूरा नहीं कर लेते। समय पर पूरा करने पर रुकी हुई सब्सिडी जारी कर दी जाएगी। अंतिम तिथि के बाद प्रक्रिया पूरी नहीं की गई, तो लंबित सब्सिडी लैप्स हो जाएगी। इसके बाद लिए गए किसी भी रिफिल पर सब्सिडी नहीं मिलेगी। उपभोक्ता 30 जून के बाद प्रमाणीकरण कराते हैं, तो सब्सिडी केवल भविष्य के रिफिल के लिए ही बहाल होगी। इस दौरान जो रिफिल लिए गए होंगे।

भाजपा विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व में धर्मांतरण पर कड़ा प्रहार

पास्टर सहित वनांचल क्षेत्र के 6 गांव के 200 लोगों ने की मूल धर्म में वापसी

कवर्धा/नवप्रदेश। पंडरिया विधानसभा के वनांचल ग्राम पिपरहा, छिरहा और कुल्हीडोंगरी में अब धर्म सभाएं नहीं होंगी जो अपने निजी स्वार्थ के लिए धर्मांतरण कराने वाले लोगों की मंशा पर कड़ा प्रहार है। आज ग्राम बूचीपारा में इन गाँव में धर्म सभा लगाने वाले पास्टर सहित 6 गाँव के 200 लोगों ने अपने मूल धर्म में घर वापसी की। विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व में वनांचल क्षेत्रों में विकास, सांस्कृतिक जागरण और जनजागरण के प्रयास लगातार नई दिशा दे रहे हैं। वनांचल क्षेत्रों में शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य, छात्रावास, पेयजल एवं मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ अपनी संस्कृति, परंपरा और आस्था के संरक्षण हेतु भी व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इन्हीं सतत प्रयासों का परिणाम है कि पंडरिया विधानसभा आज धर्मांतरण के खिलाफ सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की मजबूत मिसाल बनकर उभर रहा है। इसी कड़ी में आज पंडरिया विधानसभा के वनांचल ग्राम बूचीपारा में विधायक भावना बोहरा द्वारा आयोजित सांस्कृतिक गौरव सम्मलेन एवं अभिनंदन समारोह में वनांचल क्षेत्रों में धर्म सभा का आयोजन करने वाले पास्टर (पादरी) सहित ग्राम छिरहा, पीपरहा, कुल्हीडोंगरी, जामुनपानी, नागाडबरा और नवापारा के 200 आदिवासी परिवार के सदस्यों ने अपने मूल धर्म में घर वापसी करते हुए अपनी संस्कृति,सभ्यता और स्वाभिमान की जड़ों से जुड़ें। पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ विधायक भावना बोहरा ने जनजाति समाज के लोगों का अभिनंदन एवं स्वागत कर उनके पैर पखारकर उनके मूल धर्म में वापसी कराया। पूर्व पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्र नेऊर के आस-पास के गांव से 115, कुई-कुकदुर क्षेत्र से 70, ग्राम दमगढ़ में 50 एवं ग्राम कुल्हीडोंगरी में 140 आदिवासी नागरिकों ने घर वापसी की है, इस तरह अब तक पंडरिया विधानसभा के 575 से अधिक आदिवासी समाज के लोगों ने अपने मूल धर्म में प्रवेश किया है, जिससे यह स्पष्ट हो रहा है कि पंडरिया विधानसभा में विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व और भाजपा सरकार की विकास नीतियों से प्रभावित होकर आदिवासी समाज अपनी जड़ों, संस्कृति और परंपराओं से पुनः जुड़ने के लिए आगे आ रहा है। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आज पंडरिया विधानसभा की पहचान केवल विकास कार्यों से ही नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक मूल्यों के संरक्षण से भी हो रही है।

छत्तीसगढ़ के अवि मानिकपुरी का अंडर 18 भारतीय टीम में चयन

राजनांदगांव/ नवप्रदेश। भोपाल एन0सी0ओ0ई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रदेश के अवि मानिकपुरी का चयन अंडर-18 एशिया कप जो कि काकामिगहारा,(जापान) में दिनांक 29 मई से 06 जून 2026 तक आयोजित है किया गया है अवि का चयन दिनांक 15 से 20 मई तक भोपाल में आयोजित इंडिया-आस्ट्रेलिया सीरिज में उत्कृष्ट खेल के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है।

छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने बताया कि ऐफ़ आई ऐच ने इस नए फार्मेट की नई शुरूवात की है पूर्व में केवल जूनियर व सीनियर वर्ग के खिलाडीयों का ही एशिया कप आयोजित होता था,इस ग्रुप के खिलाड़ियों को मौक़ा देने हॉकी इंडिया ने एक नई शुरूवात की है जिससे नए एवं युवा खिलाड़ियों को एक नया प्लेटफार्म मिलेगा

जिससे वो अपने खेल को और अच्छे से निखार सके।

उन्होने बताया कि अवि छत्तीसगढ़ हॉकी के ओर से विगत 4 वर्षो से सब जूनियर व जूनियर वर्ग के राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग ले रहा है वर्तमान में वह एन0सी0ओ0ई भोपाल में ओलंपियन समीर दाद से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है। छत्तीसगढ हॉकी के महासचिव श्री मनीष श्रीवास्तव ने बताया की यह बढे ही गर्व का विषय है कि प्रदेश का बेटा देश के लिए खेलने जा रहा है !बिलासपुर का रहने वाला अवी ने शुरूवाती दौर में बिलासपुर के पुलिस हॉकी ग्राउंड में हॉकी के गुण और हॉकी की बारीकियां सीखकर अपनी पहचान बनाई उसके बाद उसका चयन खेलो इंडिया सेंटर बहतराई बिलासपुर के लिए हुआ था।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन

खैरागढ़/नवप्रदेश। जिले में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने , युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने आयोजित जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 1 से 20 मई तक आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में जिलेभर के कुल 146 खिलाड़ियों ने भाग लेकर विभिन्न खेल विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर का आयोजन राजा फतेह सिंह खेल मैदान खैरागढ़, केकती बाड़ी मैदान छुईखदान, खेल मैदान अकरजन, सेजेस साल्हेवारा तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या शाला मैदान गण्डई सहित जिले के पांच प्रमुख प्रशिक्षण केंद्रों में किया गया। सभी केंद्रों पर अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास, खेल तकनीक एवं फिटनेस संबंधी प्रशिक्षण और शिविर में फुटबॉल, खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल, हैंडबॉल, साइक्लिंग, फेंसिंग, जूडो एवं एथलेटिक्स जैसी विभिन्न खेल विधाओं का अभ्यास , खिलाड़ियों को खेल कौशल विकसित करने के साथ-साथ अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना एवं शारीरिक दक्षता के महत्व से भी अवगत कराया गया।

आयुक्त सहित अधिकारी वार्डों में प्रतिदिन मूलभूत सुविधा के अलावा निर्माण कार्य का ले रहे जायजा

राजनांदगांव/नवप्रदेश। साफ सफाई में गुणात्मक सुधार लाने तथा स्वच्छता से नागरिको को जोडने महापौर श्री मधुसूदन यादव तथा निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा सुबह सफाई व्यवस्था देखने वार्डो में निरीक्षण कर रहे है। साथ ही लोगो से रूबरू हो उनकी समस्या से अवगत हो निराकरण करने का प्रयास कर रहे है। इसी कडी में शासन निर्देश के अनुक्रम में वार्डो में मूलभूत सुविधा बिजली, पानी, सफाई के अलावा निर्माण तथा अन्य व्यवस्था के निरीक्षण एवं उसके सफल क्रियान्वयन के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी भी सुबह वार्डो में जाकर निरीक्षण कर व्यवस्था में सुधार की दिशा में कार्य कर रहे है। आज निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा तुलसीपुर सिविल लाईन क्षेत्र में साफ सफाई के अलावा पेयजल व्यवस्था तथा निर्माण कार्य का जायजा लेकर निर्धारित समय तक वार्ड में सफाई तथा नाला सफाई कराने के निर्देश स्वच्छता निरीक्षक को दिए।

नाम-परिवर्तन

मैं (RISHIRAJ THAKUR AGED 59 YRS SON OF LATE RAMANAND THAKUR R/O C-6 DUPLES BUNGLOW, OPP-SHANKARA ENGG COLLEGE, CHOUHAN TOWN BHILAI, DURG PIN) 490020 का निवासी हूँ, निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक प्रस्तुत करता हूँ यह कि मेरे आधार कार्ड क्रमांक 9808 3182 3697, भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई के सभी सर्विस रिकार्ड, ड्रायविंग लाइसेंस कमाक सीजी 07 19960025720 मतदाता फोटो पहचान पत्र कमॉक (ZJY2046480) में मेरा नाम आर. आर. ठाकुर (R. R. THAKUR) पिता आर.एन. ठाकुर (R. N. THAKUR) दर्ज हैं। मेरे पेन कार्ड क्र. (ABPPT9307F) एवं पासपोर्ट क्रमांक (AB008973) एवं सेन्टल बैंक ऑफ इंडिण्या के बचत खाता क्रमांक 1307941954 में मेरा नाम ऋषि राज ठाकुर (RISHI RAJ THAKUR) पिता रामा नंद ठाकुर (RAMA NAND THAKUR) दर्ज है। जोकि मेरा पूर्ण एवं प्रचलित नाम हैं। यह कि मुझे अपने आधार कार्ड पर अपना पूर्ण नाम दर्ज करवाना है, क्योंकि पैन में मेरा पता चेंज नहीं हो पा रहा है। बैंक एकाउंट, आधार क्रमांक एवं पैन कार्ड सभी में एक ही नाम एवं उपरोक्त पता अनिवार्य है। इस वजह से बैंक एकाउंट में स के वाय सी करने में दिक्कत आ रहा है। यह कि (RISHI RAJ THAKUR) एवं (R. R. THAKUR) दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात् यह दोनो नाम मेरा स्वयं का ही नाम है। यह कि मुझे अपने आधार कार्ड पर अपना पूर्ण नाम दर्ज करवाना है, क्योंकि पैन में मेरा पता चेंज नहीं हो पा रहा है। बैंक एकाउंट, आधार क्रमांक एवं पैन कार्ड सभी में एक ही नाम एवं उपरोक्त पता अनिवार्य है। इस वजह से बैंक एकाउंट में के वाय सी करने में दिक्कत आ रहा है। एवं जहाँ जहाँ आवश्यक हो में नाम सुधार करने की आवश्यकता हैं। अत: अब मुझे ऋषि राज ठाकुर (V. GANESH) पिता रामा नंद ठाकुर (V. GANESH) के नाम से जाना एवं पहचाना जाए।

शपथकर्ता
ऋषि राज ठाकुर

नाम-परिवर्तन

मैं नमिता आचारी उम्र 51 पति पुरन चंद निवासी 19/5 वार्ड नं. 12, जवाहर नागर, सुपेला, भिलाई, तहसील व जिला दुर्ग, (छ.ग.) पिन 490023 का निवासी हूँ, निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक प्रस्तुत करती हूँ :- यह कि मेरे पति पुरन चंद भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई के (SMS-2) विभाग में (SR. TECH.) पर कार्यरत हैं, तथा परसनल नंबर 400287 है। यह कि मेरे पति के सर्विस रिकार्ड, मेडिकल बुक, (HRIS) एवं पर्सनल फाइल में मेरा (पत्नि) नाम नमिता (NAMITA) दर्ज है। उपनाम आचारी दर्ज नही हो पाया है। यह कि मेरे आधार कार्ड क्रमांक 5297 0160 8704 एवं पेन कार्ड क्रमांक (ALGPN6003R) में मेरा नाम नमिता आचारी (NAMITA ACHARY) दर्ज है। यह कि उपनाम 'आचारी' का उपयोग करते हुए, मेरा नया नाम नमिता आचारी (NAMITA ACHARY) रख लिया हैं। यह कि भविष्य में पति के रिटायरमेंन्ट के समय कोई अड़चन न आवे जिसके लिये भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई के समस्त रिकार्ड एवं अन्य सभी कागजात एवं रिकार्ड में जहाँ जहाँ आवश्यक हो में नाम सुधार की आवश्यकता हैं। अब मुझे नमिता आचारी (NAMITA ACHARY) पति पुरन चंद (PURAN CHAND) के नाम से जाना एवं पहचाना जाए।

शपथकर्ती
नमिता आचारी पति पुरन चंद
निवासी 19/5, वार्ड नं. 12,
जवाहर नागर, सुपेला, भिलाई,
तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)
पिन 490023

अंतर्राष्ट्रीय धुम्रपान निषेध दिवस 31 मई को

कवर्धा/नवप्रदेश। धुम्रपान और नशापान से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति समाज में जागरूकता लाने के उद्देश्य से हर साल की तरह इस साल भी 31 मई को अंतर्राष्ट्रीय धुम्रपान निषेध दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान तम्बाकू के दुष्प्रभाव पर विभिन्न विभागों, प्रतिष्ठित नागरिकों, भारतमाता वाहिनी आदि के सहयोग से चर्चा और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सोशल मीडिया, आकाशवाणी, दूरदर्शन से प्रेरक नाटक, गीत आदि का प्रसारण भी किया जाएगा।

भीमपुरी में सीसी सड़क और नाली निर्माण का जिपं उपाध्यक्ष विक्रांत ने किया भूमिपूजन

खैरागढ़/नवप्रदेश। ब्लॉक के ग्राम पंचायत भीमपुरी में 3 लाख 49 हजार रुपये की लागत से बनने वाले सीसी रोड एवं 1.50 लाख रुपये की लागत से नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन जिपं उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह के मुख्य आतिथ्य मे हुआ । कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष डा राजेश्री त्रिपाठी , विकेश गुप्ता एवं जनपद सदस्य हिमांचल सिंह राजपूत मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते विक्रांत सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में भीमपुरी में सीसी रोड एवं नाली निर्माण का भूमिपूजन किया गया है, जिससे ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

प्रदेश सरकार की विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने सुशासन तिहार का उल्लेख करते हुए कहा कि इस आयोजन के तहत जिले के अधिकारी तपती धूप में गांव-गांव पहुंचकर जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से आम जनता की समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। सरकार जमीनी स्तर पर कार्य कर रही है। कार्यक्रम के दौरान विक्रांत सिंह ने उपस्थित महिलाओं से महतारी वंदन योजना के बारे में जानकारी ली। इस पर जनपद पंचायत अध्यक्ष डॉ. राजेश्री त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा सरकार हमेशा सभी वर्गों के हित में कार्य करती है।

शिवभक्ति में डूबा खैरागढ़, महाशिव पुराण कथा में श्रद्धालुओं की भीड़

खैरागढ़/नवप्रदेश। शहर के किल्ला पारा स्थित गोपीनाथ मंदिर प्रांगण में आयोजित सात दिवसीय महाशिव पुराण कथा श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बनी हुई है। भव्य कलश यात्रा के साथ शुरू हुए इस धार्मिक आयोजन में महाशिवपुराण कथा की अविरल धारा बह रही है। कथा का श्रवण करने नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। पूरा क्षेत्र शिवमय वातावरण में डूबा नजर आ रहा है। विधायक यशोदा वर्मा सहित कांग्रेस नेताओं ने भी कथा स्थल पहुंचकर महाशिवपुराण कथा का श्रवण किया। कथा वाचन कर रहे कथावाचक रूपेश कृष्ण शास्त्री कथा के दौरान शिव महापुराण के विभिन्न प्रसंगों का विस्तारपूर्वक वर्णन कर रहे हैं।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै प्रस्तावित केता मोहनीश देवरे आ. सुधीर देवरे निवासी सुभाष नगर, दुर्ग (छ.ग.) जो कि विक्रेता फरीद अली मंजयानी आ. नुरूद्दीन भाई मंजयानी के हक व स्वामित्व के भूमि मौजा पोटियाकला, प.ह.न.-55, रा. नि.मं. दुर्ग-1, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) के खसरा नं.- 93/8 (शामिल नं 94/9, 100/24) रकबा - 0.0430 हे., 3710 वर्गफीट, 344 वर्गमीटर को कय करने का सौदा कर लिया है उक्त पर जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति, दावा, उजर हो वह इस सूचना के तारीख से 1 सप्ताह के भीतर आपत्ति कर सकता है।

शपथकर्ता
मोहनीश देवरे आ. सुधीर देवरे
निवासी सुभाष नगर दुर्ग
तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202605100800035
/अ-06/वर्ष 2025-26
ग्राम धमधा, प.ह.न. 15

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक/दानग्रहिता अरविन्द कुमार ताम्रकार पिता विष्णु प्रसाद ताम्रकार जाति तमेर निवासी वार्ड नं. 12 तमेर पारा धमधा तहसील धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा ग्राम धमधा, प.ह.नं. 15, तहसील धमधा, जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 1626 रकबा (0.0600) 1667 रकबा (0.0700) 1701 रकबा (0.0800) 1632/2 रकबा (0.1000) हे. जो अभिलिखित भूमिस्वामी / दानकर्ता विवेकानंद पिता विष्णु प्रसाद जाति तमेर साकिन वार्ड नं. 12 तमेर पारा धमधा द्वारा आवेदक / दानग्रहिता को पंजीकृत दान दस्तावेज क्रं. सी.जी. 2026271141212 दिनांक 29.04.2026 के आधार पर नामांतरण की मांग किया गया हैं। तत्संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त संबंध में यदि जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था/समिति को कोई दावा /आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने वैध अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी पेशी दिनांक 04.06.2026 तक न्यायालयीन अवधि में प्रस्तुत कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर

तहसीलदार
धमधा जिला दुर्ग(छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202605100800036
/अ-06/वर्ष 2025-26
ग्राम धमधा, प.ह.न. 15

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक/दानग्रहिता अरविन्द कुमार ताम्रकार पिता विष्णु प्रसाद ताम्रकार जाति तमेर निवासी वार्ड नं. 12 तमेर पारा धमधा तहसील धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा ग्राम धमधा, प.ह.नं. 15, तहसील धमधा, जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 352/3 रकबा 0.015 हे. जो अभिलिखित भूमिस्वामी/दानकर्ता अमित कुमार ताम्रकार पिता विष्णु प्रसाद जाति तमेर साकिन वार्ड नं. 12 तमेर पारा धमधा द्वारा आवेदक / दानग्रहिता को पंजीकृत दान दस्तावेज क्रं. सी.जी. 2026271141213 दिनांक 29.04.2026 के आधार पर नामांतरण की मांग किया गया हैं। तत्संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त संबंध में यदि जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था/समिति को कोई दावा /आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अपने वैध अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में आगामी पेशी दिनांक 04.06.2026 तक न्यायालयीन अवधि में प्रस्तुत कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर

तहसीलदार
धमधा जिला दुर्ग(छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.202605100700007
/अ-06/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक/पक्षकार कमांक-01 दयाराम भाई पिता स्व. हीरजी भाई निवासी म.नं.-183 स्टेशन रोड, गायत्री मंदिर वार्ड दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग एवं पक्षकार क्रमांक-02 1. निर्मला देवी टांक ध.प. स्व. नरसिंह भाई, 2. रश्मि जगदीश चौहान पिता स्व. नरसिंह भाई, 3. तारा टांक ध.प. स्व. नितिन कुमार टांक, 4. धारा चावड़ा पिता स्व. नितिन कुमार टांक, 5. जयराम टांक पिता स्व. नितिन कुमार टांक निवासी म.नं.-183 स्टेशन रोड, गायत्री मंदिर वार्ड दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग, प.ह.नं. 19 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1177/72, 1177/63 रकबा 0.0010, 0.0160 हे. कुल रकबा 0.0170 हे./1936.85 वर्गफीट भूमि जो कि आवेदकगण/पक्षकारगण क्रमांक 01 व 02 के नाम पर संयुक्त रूप से राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि का पंजीकृत बटवारानामा दिनांक 25/02/2026 को निष्पादित किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को पंजीकृत बंटवारानामा के आधार पर पक्षकारगण क्रमांक-01 व 02 के नाम पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है ।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 25.05.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 05.05.2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं रोमनाथ धनकर (ROMANATH DHANAKAR) (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) सुपुत्र / सुपुत्री / पत्नी स्व. इन्दू (INDU) निवासी- ग्राम कातरो पो. खोपली, तह. व जिला दुर्ग छ.ग. ने अपना नाम रोमनाथ धनकर (ROMANATH DHANAKAR) (पुराना नाम) बदलकर ओमनाथ धनकर (OMANATH DHANAKAR) पिता स्व. इन्दू (INDU) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
रोमनाथ धनकर पत्नी स्व. इन्दू
निवासी ग्राम कातरो पो. खोपली,
तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं डामेश्वर (DAMESHWAR) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र उदय राम साहू, निवासी- म.नं.- 23/क, वार्ड नं.-02, ग्राम थनौद, अंजोरा तह. व जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ ने अपना नाम डामेश्वर (DAMESHWAR) डामेश्वर कुमार (DAMESHWAR KUMAR) डामेश्वर कुमार साहू (DAMESHWAR KUMAR SAHU) (पुराना नाम) से बदल कर डामेश्वर साहू (DAMESHWAR SAHU) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
डामेश्वर सुपुत्र उदय राम साहू
निवासी- म.नं.- 23/क,
वार्ड नं.-02, ग्राम थनौद, अंजोरा
तह. व जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़)

नाम-परिवर्तन

मै शपथकर्ती वेदिका सुराना पिता श्री संदीप कुमार सुराना निवासी-सुराना सदन, स्टेशन रोड, वार्ड न. 24, दुर्ग, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) की रहने वाली हूं जो कि निम्न कथन शपथपूर्वक करती हूं कि :- यह कि, मै उपरोक्त पते की निवासी हूं। यह कि, मेरे नाम से भारतीय जीवन बीमा निगम में पॉलिसी है जिसका पॉलिसी कमांक 384258005 हैं, उक्त पॉलिसी मे मेरा नाम बुलबुल सुराना दर्ज है जो की मेरा घरेलू नाम हैं। यह कि, मेरा सही व वास्तविक नाम वेदिका सुराना है जो मेरे जन्म प्रमाण पत्र, संपूर्ण शैक्षणिक प्रमाण पत्रों, आधार कार्ड, पेन कार्ड, बैंक पासबुक में दर्ज हैं। यह कि, मैं अपने भारतीय जीवन बीमा निगम के पॉलिसी कमांक 384258005 में अपना वास्तविक नाम वेदिका सुराना दर्ज करवाना चाहती हूं एवं वेदिका सुराना के नाम से ही भविष्य मे जानी, पहचानी व पुकारी जाउंगी, तथा भविष्य मे जारी होने वाले समस्त शासकीय, अर्धशासकीय, दस्तावेंजो मे अपना नाम वेदिका सुराना दर्ज करवाना चाहती हूं। यह कि, शपथपत्र राजपत्र मे प्रकाशन हेतु श्रीमान के समक्ष सादर प्रस्तुत हैं। अत: यह शपथपत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ती
वेदिका सुराना
पिता श्री संदीप कुमार सुराना
निवासी-सुराना सदन,
स्टेशन रोड, वार्ड न. 24 दुर्ग
तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम-परिवर्तन

मैं, फिरोज खान उम्र 33 वर्ष पिता शरीफ खान निवासी वार्ड नम्बर- 6, सेक्टर-1, विश्व बैंक कॉलोनी, भिलाई-3, बी.एम.वाई. चरोदा, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) पिन-490025 का निवासी हूँ, निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक प्रस्तुत करता हूँ :- यह कि मेरे शैक्षणिक पढ़ाई के शाला रिकार्ड एवं अंक-सूची में जैसे (कक्षा पहली से 12वीं तक) में मेरा नाम (FIROZ KHAN) माता का नाम (HASINA BEGAM) एवं पिता का नाम (SALIM KHAN) दर्ज हो गया है। यह नाम मेरे पिता का घरेलू नाम दर्ज हो गया हैं । यह कि मेरे आधार कार्ड क्रमांक -6729 3169 4676, पैन क्रमांक (JFJPK4928G) एवं बैंक ऑफ बड़ौदा भिलाई-3 बचत खाता क्रमांक 87620100018657 में नाम फिरोज खान (FIROZ KHAN) पिता शरीफ खान (SHARIF KHAN) दर्ज है। जो कि मेरा एवं पिता का सही एवं वास्तविक नाम है। यह कि मेरा पिता के आधार क्रमांक 4639 2522 6519 में उनका नाम शरीफ खान (SHARIF KHAN) दर्ज है। जो कि मेरे पिता का वास्तविक व सही नाम है। यह कि (SALIM KHAN) एवं (SHARIF KHAN) दोनों नाम एक ही व्यक्ति का नाम है स अर्थात् यह दोनो नाम मेरे एक ही पिता का नाम है। यह कि मेरे शैक्षणिक पढ़ाई के शाला रिकार्ड एवं अंक-सूची में जैसे (कक्षा पहली से 12वीं तक) एवं सभी कागजात एवं रिकार्ड में जहां जहां भी आवश्यक हो उस स्थान पर मेरा नाम फिरोज खान (FIROZ KHAN) पिता शरीफ खान (SHARIF KHAN) दर्ज कर संबोधित/पुकारे / पढ़ा जाए।

शपथकर्ता
फिरोज खान पिता शरीफ खान
निवासी वार्ड 6, सेक्टर-1, विश्व बैंक
कॉलोनी, भिलाई-3, बी.एम.वाई.
चरोदा, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.)

धान परिवहन में प्रशासनिक लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे समिति प्रबंधक

सूखत बढ़ने पर कार्रवाई की तलवार

धमधा/नवप्रदेश। धान खरीदी के बाद समय पर परिवहन नहीं होने से अब सेवा सहकारी समितियों के प्रबंधकों पर कार्रवाई की तलवार लटकने लगी है। धमधा विकासखंड की 38 सेवा सहकारी समितियों में वर्ष 2025-26 के दौरान किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की गई थी। खरीदी का कार्य 15 नवंबर 2025 से शुरू होकर 31 जनवरी 2026 तक चला, लेकिन खरीदी के बाद भी अब तक कई समितियों से धान का पूर्ण परिवहन नहीं हो पाया है।

समिति प्रबंधकों का आरोप है कि प्रशासन की लचर परिवहन व्यवस्था के कारण महीनों तक धान खुले में पड़ा रहा, जिससे भीषण गर्मी में धान का वजन लगातार कम होता गया और सूखत की मात्रा बढ़ गई। अब इसी नुकसान की भरपाई के लिए प्रशासन द्वारा समितियों के प्रबंधकों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

प्रबंधकों ने आरोप लगाया कि परिवहन व्यवस्था एक माह तक पूरी तरह ठप रही और आज तक कई समितियों का धान पूरी तरह नहीं उठ पाया है। इसके बावजूद प्रशासन अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय समिति कर्मचारियों की छोटी-छोटी त्रुटियां निकालकर पूरा नुकसान उनके माथे मढ़ना चाहता है।

समिति प्रबंधकों का कहना है कि एक-एक समिति में सूखत से 30 से 40 लाख रुपए तक का नुकसान सामने आ रहा है। यदि पूरे ब्लॉक का आंकलन किया जाए तो यह राशि करोड़ों में पहुंच सकती है। प्रबंधकों ने जिला विपणन अधिकारी राहुल कुमार ,जिला खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया, उपपंजीयक सहकारी संस्था सतीश कुमार पाटले और जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के सीईओ सुनील वर्मा संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। प्रबंधकों ने इस कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि प्रशासन अपनी विफ्लता छिपाने के लिए उन्हें ÷बलि का बकरा÷ बना रहा है। उन्होंने मांग की है कि पहले परिवहन व्यवस्था में हुई देरी और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए, उसके बाद ही किसी प्रकार की कार्रवाई की जाए। इस मामले पर सेवा सहकारी समितियों के प्रबंधक अजय ताम्रकार,रियाज खान,राजू पटेल,चंद्रशेखर साहू,कृष्ण सिन्हा,चंद्रशेखर साहू,गोवर्धन जांघेल,जगदीश नवरंगे,विष्णु साहू, टुमन साहू,देवेंद्र साहू,भूषण निषाद,मुकेश मिश्रा,अविनाश बंछोर,ओमप्रकाश निषाद,पुष्पेंद्र देशमुख सहित कई प्रबंधकों ने इस मामले की कड़ी निंदा की है और न्यायालय का राशन लेने की बात कही।

उच्च अधिकारियों द्वारा व्यक्तिगत गुप्त रूप से मीटिंग बुलाकर धान के शॉर्टेज को जबरदस्ती कम करने का दबाव दिया जा रहा है मानसिक प्रताड़ित करके घर बेच कर भरपाई करने और आफआई आर करने की बात कही जा रही है।

रियाज खान, प्रबंधक सेवा सहकारी समिति कोड़ियां

जिस प्रकार प्रशासन अपने लापरवाही और परिवहन के सुस्त प्रणाली के चलते आज धान का उठाव नहीं कर पाई है जिसके चलते सूखत और धान की खराबी अत्यधिक हो गई है जिसके जवाब दार केवल और केवल परिवहन से जुड़े हुए अधिकारी कर्मचारी है और कार्यवाही हम प्रबंधकों के ऊपर हो रही है जोकि गलत है, हम कोर्ट का शरण लेंगे।

अजय ताम्रकार, प्रबंधक सेवा सहकारी समिति धमधा

धान के सुखत का मुवायना करने जिला से उच्च अधिकारी मन में पहले से ही धारणा बनाकर चले हैं कि नुकसानी प्रबंधकों के माथे किया जा रहा है जो कि सरासर गलत है।

चंद्रशेखर साहू ,प्रबंधक सेवा सहकारी समिति बरहापुर

बलौदाबाजार में फायर स्टेशन नहीं होने पर उठे सवाल, घंटों की मशक्कत के बाद बुझी आग

भीषण आग: किराना गोदाम जलकर राख

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। जिला मुख्यालय बलौदाबाजार में फायर स्टेशन ना होने का खामियाजा फिर से एक बार शहर के एक व्यापारी को भुगतना पड़ा। लवन रोड स्थित दीपल ट्रेडर्स के किराना गोदाम में बुधवार-गुरूवार दरमियानी रात भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। घटना में लाखों रुपए का किराना सामान जलकर राख हो गया है। आगजनी की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सुबह 4 बजे आग बुझाने का कार्य प्रारंभ हुआ जिसे आग पर कंट्रोल करते करते दोपहर के 3 बज गए इस दौरान आग पर काबू पाने के लिए दमकल की करीब दस गाड़ियों को 40 से 50 ट्रिप पानी तथा फोम का उपयोग करना पड़ा वहीं राज्य की एसडीआरएफ की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने में सहयोग किया।

गौरतलब है कि नगर के लवन रोड ईलाके में किराना व्यापारी विनोद अगिचाई की दीपल किराना स्टोर्स है जो किराना की थोक की दुकान है। इसी दुकान के साथ ही श्री आगिचाई का बड़ा गोदाम भी है। गुरूवार सुबह 4 बजे नगर सेना को लवन रोड स्थित दीपल किराना स्टोर्स में आग लगने की सूचना मिली जिसके बाद नगर सेना के तीन दमकल वाहनों के साथ ही साथ आसपास स्थित लगभग सभी सीमेंट संयंत्रो अंबुजा, न्यूवोको, न्यूविस्टा, श्री सीमेंट से आए लगभग दर्जन भर दमकल वाहनों द्वारा आग पर काबू करने का प्रयास किया जाता रहा। इस दौरान दमकल वाहनों को पानी भरने के लिए 40 से 50 फेरे लगाने पड़े वहीं 200 से 250 लीटर फोम का भी इस्तेमाल किया गया। दमकल वाहनों के फेरे लगाए जाने के दौरान बलौदाबाजार शहर में गुरूवार सुबह से दोपहर तक सिर्फ फायर ब्रिगेड वाहनों के सायरन ही गूंजते रहे। भीषण आगजनी को देखते हुए रायपुर से एसडीआरएफ राज्य आपदा मोचन बल की टीम भी पहुंची जिसके बाद दोपहर 3 बजे तक लगभग 12 घंटो के प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया।

तेल घी के पीपों से आग फैलती गई

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुकान तथा गोदाम में तेल, घी, वनस्पति घी के सैकड़ो पीपों की वजह से आग तेजी से फैली गयी। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट के चलते आग लगी जिसके बाद ज्वलनशील सामान होने की वजह से आग तेजी से फैलते चली गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग का धुआं काफी दूर से देखा जा सकता था। आग की भयावहता को देखते हुए आसपास के सीमेंट संयंत्रों से भी फायर ब्रिगेड की मदद ली गई। दुकान मालिक विकास आरतानी ने बताया कि वह रात करीब 9 बजे दुकान और गोदाम बंद कर घर चले गए थे। देर रात करीब 3 से 4 बजे के बीच उन्हें सूचना मिली कि गोदाम में आग लग गई है। उन्होंने बताया कि जब तक वे मौके पर पहुंचे तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी और गोदाम में रखा लगभग पूरा सामान जल चुका था। फिलहाल नुकसान का सही आकलन नहीं हो पाया है लेकिन लाखों रुपए के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

दमकल व्यवस्था पर उठे सवाल

आग बुझाने पहुंची बलौदा बाजार फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी धक्का देकर स्टार्ट करनी पड़ी। इसे लेकर स्थानीय लोगों ने दमकल विभाग की व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। लोगों का कहना है कि इतने बड़े जिले में आपातकालीन सेवाओं की ऐसी स्थिति गंभीर चिंता का विषय है। स्थानीय लोगों ने कहा कि एक ओर सरकार विकास के दावे करती है वहीं दूसरी ओर जरूरी संसाधनों के रखरखाव पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ऐसी लापरवाही किसी बड़े हादसे के समय भारी पड़ सकती है।

पुलिस जांच में जुटी

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। हर एंगल से आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है।

बोतल-जर्किन बैन तो निकाला देसी जुगाड़

बाइक में खत्म हुआ पेट्रोल, ट्रैक्टर ट्रॉली में लादकर पहुंचा पंप, वीडियो वायरल

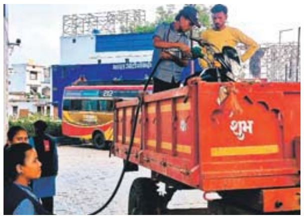

गरियाबंद (नवप्रदेश)। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल पंपों पर बोतल और जर्किन में पेट्रोल देने पर लगी रोक के बीच गरियाबंद में एक ऐसा दिलचस्प मामला सामने आया हैए जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो को देखकर लोग जहां युवक की समझदारी और नियम पालन की तारीफ कर रहे हैंए वहीं कई लोग इसे श्देसी जुगाड़ का शानदार उदाहरणश् भी बता रहे हैं। मामला गरियाबंद.रायपुर रोड स्थित शांति फ़्यूल्स पेट्रोल पंप का है। यहां मंगलवार को अचानक एक ट्रैक्टर.ट्रॉली पेट्रोल पंप परिसर में पहुंची। ट्रॉली में कोई सामान नहींए बल्कि एक मोटरसाइकिल रखी हुई थी। यह नज़ारा देखते ही पेट्रोल पंप कर्मचारी और वहां मौजूद लोग हैरान रह गए। कुछ देर तक सभी की नजरें ट्रॉली में रखी बाइक पर ही टिकी रहीं। जानकारी के मुताबिकए ग्रामीण युवक अपनी मोटरसाइकिल से कहीं जा रहा थाए तभी रास्ते में उसकी बाइक का पेट्रोल खत्म हो गया। पहले उसने आसपास पेट्रोल की व्यवस्था करने की कोशिश कीए लेकिन पेट्रोल पंपों में बोतल और जर्किन में पेट्रोल देने पर प्रतिबंध होने की वजह से उसे कहीं से पेट्रोल नहीं मिल पाया।

इसके बाद युवक ने हार नहीं मानी और गांव से गरियाबंद की ओर आ रहे एक ट्रैक्टर चालक से मदद मांगी। ट्रैक्टर चालक ने भी इंसानियत दिखाते हुए युवक और उसकी बाइक को ट्रॉली में बैठा लिया। फिर युवक अपनी बाइक को ट्रॉली में लादकर सीधे पेट्रोल पंप पहुंच गया। पेट्रोल पंप पहुंचने पर जब कर्मचारियों और संचालक ने युवक से पूछा कि वह बाइक को ट्रॉली में रखकर क्यों लाया हैए तब युवक ने पूरी कहानी बताई। उसकी बात सुनकर वहां मौजूद लोग भी मुस्कुरा उठे। कई लोगों ने युवक की तारीफ करते हुए कहा कि उसने नियम तोड़ने के बजाय उसका पालन किया और सुरक्षित तरीका अपनाया। शांति फ़्यूल्स के संचालक दीप सिन्हा ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया।

ठेका कर्मचारी की संदिग्ध मौत

सीपत/नवप्रदेश। एनटीपीसी के सीपत परियोजना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई। एनटीपीसी सीपत के एमजीआर रेल लाइन में सुबह लगभग 11:45 बजे सीआईएसएफ के जवानों को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। घटना की जानकारी तत्काल स्थानीय पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। पुलिस की मौजूदगी में मृतक की शिनाख्त अमृतांशु सिंह पिता धनंजय सिंह के रूप में हुई। वह मूल रूप से बिहार राज्य के रोहतास जिले के काराकाट थाना अंतर्गत ग्राम बेलवाई निवासी था। वर्तमान में वह एनटीपीसी सीपत में स्टेज-3 निर्माण कार्य कर रही मेसर्स आरवीपीआर एजेंसी में स्टाफ के रूप में कार्यरत था। घटना के बाद परियोजना क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों और श्रमिकों में शोक का माहौल है।

कांग्रेस का पेट्रोल-डीजल मूल्य वृद्धि पर विरोध-प्रदर्शन आज

सीपत/नवप्रदेश। पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों और महंगाई के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सीपत द्वारा आज शुक्रवार 22 मई को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इसको लेकर संगठन ने व्यापक तैयारी पूरी कर ली है और अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है। ब्लॉक अध्यक्ष राजेंद्र धीवर ने बताया कि इससे पहले ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सीपत की प्रथम मासिक बैठक आज दोपहर 1 बजे पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस सीपत में आयोजित होगी। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। बैठक के पश्चात शाम 3 बजे सीपत पेट्रोल पंप के समीप पेट्रोल-डीजल के दामों में लगातार हो रही वृद्धि और बढ़ती महंगाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर मस्तूरी विधायक दिलीप लहरिया, जिलाध्यक्ष महेंद्र गंगोत्री एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र धीवर विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

कार्यालय संपदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं.- 0771-2991574
E-Mail ID: eocghbzone03@gmail.com
// आम सूचना //

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत कॉलोनी डूमरतराई फेस-I, रायपुर में स्थित ई.डब्ल्यू.एस. फ्लैट क्रमांक-65, ब्लॉक-05, भू-तल (जी+3), सुश्री अनुकृति मिश्रा, माता- श्रीमती अचला मिश्रा, के नाम पर इस कार्यालय का नामांतरण आदेश क्रमांक 6320 दिनांक 26.09.2022 द्वारा नामांतरण किया गया है। नामांतरित आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट को क्रेता श्री श्रवण कुमार साहू, पिता- श्री मनहरण साहू, निवासी-फ्लैट नं.- 403, रिशभ रेसिडेंसी, मेडशीने अस्पताल के पास, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में दिनांक 28.10.2022 को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में क्रेता श्री श्रवण कुमार साहू, पिता- श्री मनहरण साहू द्वारा उक्त फ्लैट को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर नामांतरण किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त फ्लैट के नामांतरण करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

संपदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार छुरिया
मामले की श्रेणी- राजस्व

संदर्भ- जिला-**राजनांदगाँव** तहसील-**छुरिया** प.ह.न.- 00013 पिनकापार ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-**CG-2026-27-128-1-341**

ईश्तहार

तहसील छुरिया के प.ह.न. 00013 के अंतर्गत ग्राम पिनकापार के वर्तमान भूमिस्वामी **पुष्पा बाई साहू पिता / पति- भुखऊ पता- ग्राम पिनकापार, बेदकुंवर पिता / पति- भुखऊ पता- ग्राम पिनकापार** के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 194/2(0.1820) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता **बेदराम पिता / पति- भुखऊ पता- ग्राम पिनकापार, बलसराम पिता / पति- भुखऊ पता- ग्राम पिनकापार** के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक **05/06/2026** को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय **न्यायालय तहसीलदार छुरिया** पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/05/2026 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार
छुरिया

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छ.रा.वि.मं. की एक उत्तरवर्ती कंपनी) C.I.N.-U40108CT2003SGC015820
कार्यालय–कार्यपालन यंत्री (संचार एवं टेलीमेट्री) संभाग,रायपुर Phone/Fax 0771-2576460

क्र0 02-23/क्रय/वाहन/94 — रायपुर, दिनांक 13.05.2026

//निविदा आमंत्रण सूचना//

*** SUV Jeep श्रेणी अथवा समकक्ष वाहन के अस्थाई अल्पकालीन अनुबंध हेतु***

कार्यपालन अभियंता (संचार एवं टेलीमेट्री) संभाग, रायपुर के कार्यालयीन कार्यों के लिए वाहन चालक सहित 1 नग SUV (Jeep श्रेणी) अथवा समकक्ष वाहन के अस्थाई अल्पकालीन अनुबंध (दो वर्ष) हेतु पंजीकृत/उपयुक्त ठेकेदारों से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं ।

निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि व समय	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय	निविदाओं को खोलने की निर्धारित तिथि व समय
दिनाँक 18.06.2026 समय 17:00 बजे तक	दिनाँक 19.06.2026 समय 15:00 बजे तक	दिनाँक 19.06.2026 समय 15:30 बजे

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट **http://cspc.co.in** से डाउनलोड की जा सकती है ।

कार्यपालन अभियंता (संचार एवं टेलीमेट्री) संभाग
छ.ग.स्टे0पा0ट्रां0कं0लिमि0, रायपुर

सहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें — S-47878/2

कार्यालय नगर पालिक निगम,
रायपुर, (जोन क्र. - 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID - rmczone8@gmail.com

ईंश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. **31391** दिनांक **21.05.2026**
वार्ड का नाम- **70 - संत रविदास वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **70** स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR568K00294** जो की निगम अभिलेख श्री/ श्रीमती **SURBHI MAHANANT** पिता / पति श्री/ श्रीमती **CHARAN DAS MAHANT** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **SMT NEETU CHANDRAVANSHI** पिता /पति श्री/श्रीमती **SHRI ALOK CHANDRAVANSHI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "
श्रीमति राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन (8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. 0771.4903223
Email: eocghbzone02@gmail.com
आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत दोंदेखुर्द, जिला-रायपुर में स्थित भवन क्रमांक **सिनियर एल.आई.जी. -459 श्री अरविंद पाण्डेय पिता श्री विद्यानंद पाण्डेय** के नाम पर इस कार्यालय के पत्र **क्रमांक-101 दिनांक 31.03.2016** को नांमारित किया गाया है।

नामान्तरी द्वारा शाखा प्रबंधक एडलवेइस असेट रिकंस्ट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड मुंबई द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र दिनांक 20.05.2026 के द्वारा ज्ञात हुआ है कि नांमान्तरी **श्री अरविंद पाण्डेय पिता श्री विद्यानंद पाण्डेय** द्वारा उक्त भवन का मूल रजिस्ट्री पेपर एवं अन्य दस्तावेज को बधंक रख कर बैंक से ऋण प्राप्त की व ऋण की किश्ते समय पर चुकता नहीं होने की वजह से बैंक द्वारा उन्हे सरफेसी एक्ट 2002 के तहत् एन.पी.ए. डिफाल्टर घोषित करने उपरांत उक्त भवन को ई-नीलामी के माध्यम से विक्रय करने हेतु दिनांक 18.02.2026 को निर्धारित की गई है। वर्तमान में शाखा प्रबंधक एडलवेइस असेट रिकंस्ट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड मुंबई द्वारा उक्त भवन को नवीन क्रेता **श्री रविन्द्र कुमार सिंह पिता श्री आदित्य नारायण सिंह** को विक्रय करने हेतु आवेदन पत्र इस कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है। उक्त भवन को क्रेता **श्री रविन्द्र कुमार सिंह पिता श्री आदित्य नारायण सिंह** के पक्ष में विक्रय करने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया जाना है।

अतः उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-2, रायपुर,

---

।। न्यायालय तहसीलदार बेरला,
जिला बेमेतरा (छ.ग.) ।।
।। ईश्तहार ।।
क्रमांक / 122 / वा.तह. / 2026
बेरला, दिनांक 18/05/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदक छबिलाल मंडावी पिता शम्भू मंडावी जाति गोंड़ निवासी ग्राम सोढ़, तहसील बेरला, जिला बेमेतरा द्वारा ग्राम सोढ़ प.ह.नं. 14 रा.नि.मं. बेरला तहसील बेरला, जिला बेमेतरा में कुल ख.नं. 07 कुल रकबा 1.38 हे. कृषि भूमि स्थित है एवं राजस्व अभिलेख में नाम दर्ज है। उक्त भूमि आवेदक के पूर्वजों की भूमि है। आवेदक अपने ही ग्राम सोढ़ के निवासी भागबली पिता रामाधार जाति तेली के स्वामित्व की कृषि भूमि को क्रय करना चाहता है, जो आवेदक के अनुसार सुविधाजनक कृषि भूमि है, जिसका इकरारनामा दिनांक 27.02.2026 को निष्पादित किया गया है जिसमें 1,00,000/- नगद राशि बयाना तौर पर दिया गया है जिसमें शेष राशि 15,66,000/- रजिस्ट्री के समय प्रदान किया जाना है जिसके लिए शेष राशि की आवश्यकता होने पर अपने नाम की कृषि भूमि को विक्रय करना चाहता है। यह कि आवेदक जमीन क्रय करना चाहता है जिसके लिए अपने नाम की कृषि भूमि कुल रकबा 1.38 हे. में से ख.नं. 2178 रकबा 0.58 है. एवं ख.नं. 2175/2 रकवा 0.050 हे. को विक्रय करना चाहता है जो गांव से दूर होने के कारण आने-जाने में, खाद बीज लाने ले जाने में काफी समस्या होती है, जिसके फलस्वरूप यह जमीन विक्रय करना चाहता है। आवेदक ग्राम सोढ़ का निवासी है। आवेदक के कृषि भूमि को ग्राम सोढ़ में खरीददार नहीं मिल रहा है। क्रेता/अनावेदिका बम्बोला चौक मरोदा टेक, सिविक सेंटर, भिलाई, जिला दुर्ग का निवासी है, वह आवेदक की भूमि को क्रय करने हेतु तैयार है। क्रेता ने आवेदक को बोला है कि कलेक्टर महोदय से परमिशन लेकर आओ तब में आपके जमीन को क्रय करूंगी, जिसके कारण यह आवेदन पत्र माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत । उपरोक्त भूमि को आवेदक को विक्रय करना अतिआवश्यक है। आवेदक ग्रामीण कृषक किसान व्यक्ति है जो कृषि विस्तार करना चाहता है। आवेदक जमीन क्रय करने हेतु राशि की आवश्यकता पड़ने पर विक्रय करना चाहता है। अतः निवेदन है कि आवेदक को उसके स्वामित्व की भूमि कुल रकबा 1.38 हे. में से ख.नं. 2178 रकबा 0.58 हे. एवं ख. नं. 2175/2 रकबा 0.050 हे. को विक्रय करने की अनुमति प्रदान किये जाने हेतु आवेदन पत्र सह दस्तावेज माननीय कलेक्टर महो. जिला, बेमेतरा के समक्ष आवेदन पेश किया है, जो कि श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बेरला, जिला बेमेतरा के माध्यम से इस न्यायालय को जाँच प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जाने हेतु प्राप्त हुआ है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति पेश करना हो तो वह पेशी दिनांक 03/06/2026 तक स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से इस अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
बेरला, जिला-बेमेतरा

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर
(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है -

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु.लाख में)
1	190849 द्वितीय आमंत्रण 13.05.2026	जिला महासमुंद के ग्राम- तुमगांव- सिरपुर - बल्दाकच्छार मार्ग में मखमला नाला पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	866.45
2	190852 द्वितीय आमंत्रण 13.05.2026	जिला महासमुंद विकासखंड बसना के परसकोल से मुड़पार मार्ग लंबाई 2.80 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	278.14
3	190858 द्वितीय आमंत्रण 13.05.2026	जिला बस्तर के अंडालपारा से पटनमपारा मार्ग के कि.मी. 1/2 से 3/10 = 3.00 कि.मी. निर्माण कार्य।	472.965
4	190865 चतुर्थ आमंत्रण 13.05.2026	जिला खैरागढ़ - छुईखदान-गण्डई के राजनांदगांव कवर्धा मार्ग के कि. मी. 51/10 (राज्य मार्ग 05) पर कदम नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	327.89
5	190866 चतुर्थ आमंत्रण 13.05.2026	जिला कबीरधाम के भौंदा से भीरा मार्ग के फोंक नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	650.07
6	190870 चतुर्थ आमंत्रण 13.05.2026	जिला मुंगेली के गोल्हापारा-लीलापारा-दुल्लापुर मार्ग में आगर नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	422.56
7	190877 प्रथम आमंत्रण 13.05.2026	जमा मद अंतर्गत अहिवारा-बेरला मुख्य जिला मार्ग के कि.मी. 19/10 में प्रस्तावित रेल्वे ओव्हर ब्रिज का निर्माण कार्य।	3805.76
8	190895 तृतीय आमंत्रण 14.05.2026	जिला महासमुंद के आमाकोनी-चोरभट्ठी मार्ग के कि.मी. 29/4 के फूलढोडगी नाला पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	312.21
9	190896 द्वितीय आमंत्रण 14.05.2026	जिला कबीरधाम के नेवारीगुड़ा से कान्हाभैरा मार्ग लंबाई 6.60 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	727.70
10	190897 6वां आमंत्रण 14.05.2026	जिला दन्तेवाड़ा के बुरगम - समेली मार्ग के कि.मी. 3/6 मलगेर नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	367.10
11	190904 चतुर्थ आमंत्रण 14.05.2026	जिला कोरबा के लेमरू श्यांग मार्ग में लमटी नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ।	370.64
12	190932 प्रथम आमंत्रण 14.05.2026	जिला महासमुंद के परसाडीह से लंहगर मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य पुल पुलिया सहित।	545.53
13	190874 प्रथम आमंत्रण 14.05.2026	जिला राजनांदगांव के डोंगरगढ में विपश्यना केन्द्र पहुंच मार्ग (प्रज्ञागिरी बौद्ध तीर्थ) मार्ग लंबाई 1.00 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	567.75
14	190961 प्रथम आमंत्रण 14.05.2026	जिला नारायणपुर के पल्ली छोटेडोंगर-ओरछा मार्ग के कि.मी. 5/10 माडीन नदी पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	415.67
15	190944 प्रथम आमंत्रण 15.05.2026	जिला बालोद के शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज भवन में 50 सीटर कन्या छात्रावास भवन का वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग, बाऊण्ड्रीवाल, 'एफ' टाईप क्वार्टर, गार्ड रूम, पहुंच मार्ग एवं विद्युतीकरण सहित निर्माण कार्य।	251.81
16	190949 प्रथम आमंत्रण 15.05.2026	जिला महासमुंद के विकासखण्ड पिथौरा के बिजेपाल से थरगांव मार्ग लंबाई 9.00 कि.मी. का निर्माण कार्य, पुल पुलिया सहित।	1290.31
17	190672 प्रथम आमंत्रण 15.05.2026	रायगढ़ में शासकीय पालूराम धनानिया वाणिज्य कला एवं विधि महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य, वा.स.से.फि. एवं विद्युतीकरण एवं पहुंच मार्ग का कार्य।	582.18
18	190951 प्रथम आमंत्रण 15.05.2026	जिला बलौदाबाजार भाटापारा के ग्राम मोपका निपनिया में शासकीय महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य, वॉटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतीकरण कार्य सहित।	456.72

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क्र. 01 से सं.क्र. 03, सं.क्र. 09 दिनांक 01.06.2026, सं.क्र. 07, स.क्र. 12 से सं.क्र. 14 दिनांक 05.06.2026, सं.क्र. 15 से सं.क्र. 18 दिनांक 08.06.2026 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 26.05.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

जी- 262700866/7

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए दौड़ी दिल्ली स्पेशल,आम यात्रियों को फिर इंतजार

- **बस्तरवासियों की वर्षों पुरानी मांग पर चली ट्रेन, लेकिन नियमित सेवा अब भी अधर में**
- **पहली बार दिल्ली से जुड़ा जगदलपुर,पर उठे कई सवाल**

जगदलपुर/नवप्रदेश। आदिवासी बाहुल्य बस्तर संभाग पहली बार सीधे देश की राजधानी नई दिल्ली से रेल मार्ग से जुड़ गया है। जगदलपुर से हजरत निजामुद्दीन दिल्ली के लिए विशेष ट्रेन 21 मई को अपने निर्धारित समय पूर्वान्ह 11.15 बजे रवाना हुई। 22 कोच वाली इस विशेष ट्रेन को रेलवे और केंद्र सरकार बस्तर के लिए बड़ी सौगात के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं,लेकिन इस पूरी कवायद को लेकर अब कई सवाल भी उठने लगे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से बस्तरवासी दिल्ली तक नियमित रेल सेवा की मांग करते रहे, लेकिन रेलवे प्रशासन ने कभी गंभीरता नहीं दिखाई। अब अचानक केवल दो फेरों के लिए विशेष ट्रेन चलाए जाने को राजनीतिक कार्यक्रम से जोड़कर देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि 24 मई को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बड़े कार्यक्रम में देशभर से भाजपा कार्यकर्ताओं की मौजूदगी सुनिश्चित करने रेलवे में यह ट्रेन आम यात्रियों को छोड़ भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए विशेष व्यवस्था की है।जिससे यह ट्रेन भाजपा कार्यकर्ताओं की यात्रा को ध्यान में रखकर चलाई गई प्रतीत हो रही है।सीमित फेरे से बढ़ी नाराजगी,नियमित सेवा की मांग तेज

रेलवे प्रशासन ने इस ट्रेन को केवल एक फेरों के लिए स्वीकृति दी है। यही वजह है कि बस्तरवासियों में खुशी के साथ नाराजगी भी दिखाई दे रही है। लोगों का कहना है कि यदि बस्तर से दिल्ली तक सीधी रेल सेवा संभव है तो इसे नियमित क्यों नहीं किया जा रहा। लंबे समय से रेल सुविधाओं की उपेक्षा झेल रहे बस्तरवासियों को अब भी स्थायी समाधान का इंतजार है।

करीब 1800 किलोमीटर लंबी यात्रा वाली यह ट्रेन जगदलपुर से रवाना होकर कोरापुट, रायपुर, नागपुर, इटारसी, भोपाल, बीना, झांसी और आगरा कैंट होते हुए हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। कई प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव नहीं दिया गया है, जिससे यात्रा समय अपेक्षाकृत कम रखा गया है। रेलवे के अनुसार ट्रेन संख्या 08519, 21 मई को जगदलपुर से रवाना होकर 23 मई को सुबह नई दिल्ली पहुंचेगी, जबकि वापसी में ट्रेन संख्या 08520, 25 मई को हजरत निजामुद्दीन से चलकर 26 मई को जगदलपुर पहुंचेगी।

अब बस्तरवासियों की निगाह इस बात पर टिकी है कि रेलवे प्रशासन इस सेवा को वास्तव में जनता की जरूरत समझकर नियमित करता है या फिर यह केवल राजनीतिक आयोजन तक सीमित विशेष सुविधा बनकर रह जाएगी।

22 कोच की ट्रेन में 18 स्लीपर, फिर भी आम यात्रियों के लिए सीमित अवसर

जगदलपुर-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन में कुल 22 कोच लगाए गए हैं। इनमें 18 स्लीपर कोच,2 सामान्य श्रेणी तथा 2 द्वितीय श्रेणी लगेज सह दिव्यांगजन कोच शामिल हैं। रेलवे प्रशासन ने इसे ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन बताया है,लेकिन स्थानीय लोगों का सवाल है कि बस्तर जैसे बड़े संभाग को वर्षों बाद भी केवल एक फेरों की अस्थायी सुविधा ही क्यों दी जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि रेलवे बोर्ड राजनीतिक कार्यक्रमों के लिए इतनी शीघ्रता से विशेष ट्रेन चला सकता है तो आम जनता की वर्षों पुरानी मांगों पर स्थायी निर्णय लेने में देरी क्यों की जाती रही।

प्रयास आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के मॉडल उत्तर जारी

जगदलपुर/नवप्रदेश। प्रयास आवासीय विद्यालयों में आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए आयोजित कक्षा नवमी प्राक्कयन प्रवेश परीक्षा के मॉडल उत्तर (मॉडल आंसर-की) आदिवासी विकास विभाग द्वारा जारी कर दिए गए हैं। परीक्षा में शामिल छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर मॉडल उत्तरों का अवलोकन कर सकते हैं। विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार यदि किसी परीक्षार्थी या अभिभावक को मॉडल उत्तरों पर किसी प्रकार की आपत्ति या संशय है, तो वे 30 मई 2026 की रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय सीमा के बाद प्राप्त किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। विभाग ने परीक्षार्थियों को समय रहते उत्तरों का मिलान कर आवश्यक आपत्तियां दर्ज कराने की सलाह दी है। प्रयास आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए आयोजित यह परीक्षा प्रदेश के प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है।

बेलर में बाहरी व्यक्ति के निर्माण कार्य का ग्रामीणों ने किया विरोध

एसडीएम और कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन, निष्पक्ष जांच की मांग

- **रात में चोरी-छिपे निर्माण कराने का आरोप, गांव में बढ़ी नाराजगी**

जगदलपुर/नवप्रदेश। लोहंडीगुड़ा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बेलर में एक बाहरी व्यक्ति द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्य का ग्रामीणों ने विरोध किया है। ग्रामीणों ने मामले को लेकर एसडीएम और कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपते हुए निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित व्यक्ति को कई बार निर्माण कार्य रोकने के लिए कहा गया, लेकिन इसके बावजूद वह चोरी-छिपे रात के समय निर्माण कार्य करवा रहा है। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि उक्त व्यक्ति किसी विशेष उद्देश्य से गांव में निर्माण करा रहा है, जिसकी गंभीरता से जांच की जानी चाहिए।

ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय बाद फिर से वही व्यक्ति निर्माण कार्य करता दिखाई दिया। इसकी जानकारी मिलते ही सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य का विरोध किया। इसके बाद ग्रामीण जनपद पंचायत कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि गांव की शांति और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन को तत्काल मामले की जांच करनी चाहिए। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि बिना जानकारी और अनुमति के किसी भी बाहरी व्यक्ति द्वारा निर्माण कार्य किए जाने से गांव में असंतोष का माहौल बन रहा है।

अंत में मौके पर मौजूद तहसीलदार लोहंडीगुड़ा ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि पूरे मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों ने जताई विशेष उद्देश्य की आशंका

बेलर गांव के ग्रामीणों ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि बाहरी व्यक्ति द्वारा लगातार विरोध के बावजूद निर्माण कार्य कराया जाना संदेह पैदा करता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य की अनुमति, उद्देश्य और संबंधित दस्तावेजों की जांच कर सच्चाई सामने लाई जाए।

बस्तर जिले को मिली 11 अत्याधुनिक डायल 112 वाहन और फॉरेंसिक मोबाइल वैन

- **आपातकालीन सेवा और वैज्ञानिक जांच प्रणाली को मिलेगा बल**
- **एआई आधारित लोकेशन तकनीक से त्वरित सहायता होगी संभव**

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर जिले की आपातकालीन पुलिस सेवा और वैज्ञानिक अनुसंधान व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में मंगलवार को महत्वपूर्ण पहल की गई। लालबाग मैदान में आयोजित कार्यक्रम में विधायक किरण देवसिंह और आईजी सुन्दराज पी ने जिले के लिए ग्यारह अत्याधुनिक डायल 112 वाहन तथा फॉरेंसिक मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में डायल 112 वाहनों का विधिवत पूजा-अर्चना कर उनमें उपलब्ध आधुनिक संसाधनों की जानकारी भी ली गई।

कार्यक्रम में बताया गया कि राज्य में वर्ष 2018 से संचालित डायल 112 आपातकालीन सेवा का विस्तार अब सभी 33 जिलों तक कर दिया गया है, जबकि पहले यह सेवा केवल 16 जिलों में संचालित थी। नई व्यवस्था के तहत तकनीकी रूप से उन्नत संसाधनों को जोड़ा गया है, जिससे पुलिस सहायता और आपात प्रतिक्रिया प्रणाली पहले से अधिक तेज और प्रभावी होगी। डायल 112 सेवा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित लोकेशन पहचान तकनीक भी जोड़ी गई है, जिससे संकटग्रस्त व्यक्ति की सटीक भौगोलिक स्थिति का पता लगाकर तत्काल सहायता पहुंचाई जा सकेगी। 18 मई को राजधानी रायपुर में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ की अत्याधुनिक डायल 112 सेवा और आधुनिक फॉरेंसिक मोबाइल वैन के बेड़े को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

एआई आधारित लोकेशन ट्रैकिंग जैसी सुविधाएं जोड़ी गई हैं

बस्तर जिले को मिली नई डायल 112 सेवा में अत्याधुनिक संचार प्रणाली,त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र और एआई आधारित लोकेशन ट्रैकिंग जैसी सुविधाएं जोड़ी गई हैं। वहीं फॉरेंसिक मोबाइल वैन के माध्यम से घटनास्थल पर ही प्रारंभिक वैज्ञानिक जांच की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे अपराध अनुसंधान में तेजी आएगी और साक्ष्यों के संरक्षण एवं विश्लेषण की प्रक्रिया अधिक प्रभावी बन सकेगी।

सुशासन तिहार शिविर में उमड़ी ग्रामीणों की भागीदारी

- **कुरुषपाल शिविर में 236 आवेदन प्राप्त, विकास कार्यों की मिली सौगात**

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर विकासखंड के ग्रामीण अंचल कुरुषपाल में बुधवार को आयोजित सुशासन तिहार शिविर में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में विभिन्न समस्याओं और मांगों से संबंधित कुल 236 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर प्रशासनिक अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई की रूपरेखा तैयार की। शिविर में विभिन्न विभागों ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर योजनाओं की जानकारी दी और मौके पर ही लाभ भी वितरित किया।

शिविर में क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए 36.06 लाख रुपए की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखी गई तथा पूर्ण हो चुके कार्यों को जनता को समर्पित किया गया। इसके साथ ही विधायक निधि से 4.50 लाख रुपए की लागत से बनने वाली 1.50 मीटर लंबी पुलिया निर्माण कार्य का मार्ग भी प्रशस्त किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत पात्र हितग्राहियों को पक्के मकानों की स्वीकृति दी गई, जबकि मनरेगा के अंतर्गत डबरी निर्माण कार्यों को मंजूरी प्रदान की गई।

बस्तर के 377 गाँवों में जन भागीदारी अभियान का आगाज

- **दूरस्थ अंचलों तक योजनाओं की पहुंच और शिकायत निवारण पर विशेष फोकस**

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर जिले के दूरस्थ और जनजातीय अंचलों तक शासन की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने तथा ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से जिले में जन भागीदारी-सबसे दूर, सबसे पहले थीम के तहत आदि कर्मयोगी अभियान का शुभारंभ किया गया है। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार संचालित यह अभियान धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत जिले के चयनित 377 ग्रामों में व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा है।

परियोजना प्रशासक एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना जगदलपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस राष्ट्रीय स्तर के सूचना,शिक्षा और संचार अभियान का उद्देश्य सुदूर क्षेत्रों में सीधा जमीनी संपर्क स्थापित करना, शासन की सेवाओं की शत-प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित करना, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलाना और आदि सेवा केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों की शिकायतों का समाधान करना है।

शासन की योजनाओं और सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना

जन भागीदारी- दूर,सबसे पहले थीम के तहत शुरू किए गए आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य बस्तर के दूरस्थ जनजातीय गांवों तक शासन की योजनाओं और सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करना है। अभियान के माध्यम से ग्रामीणों की शिकायतों का त्वरित समाधान,स्वास्थ्य एवं सामाजिक जागरूकता,जनसुनवाई और सेवा संतृप्ति पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

पत्नी की पिटाई से मौत मामले में पति को 10 वर्ष की सजा

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर संभाग मुख्यालय स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय ने पत्नी की पिटाई से हुई मौत के मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आरोपी पति को 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। प्रधान सत्र न्यायाधीश गोविंद नारायण जांगड़े की अदालत ने आरोपी सोनसिंग कश्यप को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत हत्या के आरोप से दोषमुक्त किया, लेकिन धारा 105(2) के तहत गैर इरादतन हत्या का दोषी ठहराया। अदालत ने आरोपी पर 100 रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा नहीं करने पर उसे एक माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा।

अभियोजन पक्ष के अनुसार मामला 1 जुलाई 2025 का है। थाना बंडाजी क्षेत्र के ग्राम पोटनार कोटवारपारा में आरोपी सोनसिंग कश्यप का अपनी पत्नी लच्छनदई के साथ शराब पीने की बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के दौरान आरोपी ने पत्नी के शरीर के पुराने घाव वाले हिस्सों पर लात-घूंसों से बेरहमीपूर्वक हमला किया। मारपीट में उसका पैर टूट गया तथा कंधे और छाती में गंभीर अंदरूनी चोटें आईं। अदालत में प्रस्तुत साक्ष्यों के अनुसार घटना के बाद आरोपी ने घायल पत्नी का समुचित उपचार नहीं कराया।

माओवाद मुक्त क्षेत्रों में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

- **कमिश्नर डोमन सिंह ने संभाग स्तरीय अधिकारियों की ली मासिक समीक्षा बैठक**

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर संभाग के कमिश्नर डोमन सिंह ने गुरुवार को संभाग स्तरीय अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक लेकर विभिन्न विभागों की योजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि माओवाद मुक्त हो चुके अंदरूनी क्षेत्रों में शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा ग्रामीणों को सभी लोक सेवाएं सरल और सहज तरीके से उपलब्ध कराई जाएं।

कमिश्नर ने कहा कि शासन की प्राथमिकता अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इसके लिए अधिकारियों को मैदानी स्तर पर सतत मॉनिटरिंग करते हुए दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, बिजली और आजीविका से जुड़ी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में हाल के वर्षों में विकास कार्यों की पहुंच बढ़ी है, वहां संवेदनशीलता के साथ कार्य कर शासन के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत करना आवश्यक है।

राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में पटेल और कोटवार के रिक्त पदों को अभियान चलाकर शीघ्र भरने के निर्देश दिए। साथ ही अविवादित नामांतरण-बंटवारा प्रकरणों के निराकरण, भू-स्वामियों को खसरा बी-वन नकल, किसान किताब और व्यक्तिगत वनाधिकार पट्टों की सत्यापित प्रतियां उपलब्ध कराने तथा फौती-नामांतरण की प्रक्रिया को प्राथमिकता देने कहा।

कमिश्नर ने सुशासन तिहार, बस्तर मुन्ने और नियद नेल्लानार शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों की मांगों और शिकायतों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों को खाद-बीज, किसान क्रेडिट कार्ड, सब्जी बीज मिनीकिट, उद्यानिकी पौधे, मत्स्यपालन सहायता, बैकयार्ड कुक्कुटपालन और सूकरत्रयी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इसके साथ ही जल जीवन मिशन के लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने,सभी हैंडपंप और नलजल योजनाओं को चालू रखने तथा नए विद्युत कनेक्शन और ट्रांसफार्मर स्थापना को प्राथमिकता देने कहा।

संभाग स्तरीय लोक सेवाओं को सुलभ बनाने पर विशेष जोर

बैठक में माओवाद मुक्त क्षेत्रों में विकास योजनाओं की पहुंच बढ़ाने और लोक सेवाओं को सुलभ बनाने पर विशेष जोर दिया गया। कमिश्नर डोमन सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं का लाभ दूरस्थ गांवों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे और ग्रामीणों की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाए। बैठक में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, बिजली, सड़क और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।

चीन में कुदरत की दोहरी मार, लियूझोउ शहर में आया 5.2 तीव्रता का भूकंप

बीजिंग/ए.। मई का महीना दक्षिण और पूर्वी एशिया के लिए मौसम के दो चरम और विपरीत रूपों को लेकर आया है। जहां एक ओर भारत भीषण हीटवेव की चपेट में है. वहीं दूसरी चीन इस समय कुदरत के दोहरे कोहराम से कराह रहा है. चीन के दक्षिणी और मध्य प्रांतों में भारी बारिश के बाद बाढ़ आ गई है. इसके ठीक पहले दक्षिण चीन के गुआंशी झुआंग स्वायत्त क्षेत्र में एक के बाद दो शक्तिशाली भूकंप के झटकों ने धरती को हिला कर रख दिया। चीन में आपदाओं की शुरुआत दक्षिणी क्षेत्र में स्थित गुआंशी झुआंग स्वायत्त क्षेत्र से हुई. यहां के लियूझोउ शहर में 18 मई को तड़के सुबह 5.2 तीव्रता का भूकंप आया, जिसने सोते हुए लोगों को झंझोड़ कर रख दिया।

इस भूकंप का केंद्र जमीन से महज 8 किलोमीटर की गहराई पर था, जिसके कारण बेहद तेज और विनाशकारी झटके महसूस किए गए. भूकंप के कारण लियूझोउ शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में 13 इमारतें पूरी तरह जमींदोज हो गईं और दर्जनों अन्य मकानों में गंभीर दरारें आ गईं। इस आपदा में 2 लोगों की मौत हो चुकी है. मलबे के नीचे दबे कुछ और लोगों की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है।

तमिलनाडु में विजय मंत्रिमंडल का विस्तार

चेन्नई/ए.। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बृहस्पतिवार को मंत्री पद की शपथ ले रहे कांग्रेस नेता एस राजेश कुमार को टोकते हुए उन्हें लिखित शपथ ही पढ़ने को कहा। कांग्रेस विधायक दल के नेता राजेश कुमार किल्लियूर से विधायक हैं और वह आज शपथ ग्रहण करने वाले मंत्रियों में शामिल रहे। लोक भवन में राज्य के मंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने के दौरान जब कुमार लिखित शपथ पढ़ रहे थे, तभी अचानक वह कांग्रेस नेताओं कामराज, राजीव गांधी और राहुल गांधी की प्रशंसा में नारे लगाने लगे। इसके बाद राज्यपाल ने टोकते हुए कुमार से कहा, ÷यह आपकी शपथ का हिस्सा नहीं है। कुमार के शपथ लेने के कुछ ही मिनट बाद सलेम दक्षिण से टीवीके विधायक ए विजय तमिलन पार्थिबन ने मंत्री पद की शपथ लेने के बाद मंच पर उपस्थित पार्टी नेता और मुख्यमंत्री सी जोसफविजय की प्रशंसा करते हुए नारे लगाए। श्रीपेरंबुदूर से टीवीके सदस्य थेन्नारासु ने भी मंत्री के रूप में अपनी शपथ लेते हुए कहा कि वह पार्टी और उसके नेता के प्रति निष्ठावान रहेंगे।

विजय ने मंत्रिमंडल का विस्तार किया

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने गुरुवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया। मंत्री राजेश कुमार और पी. विश्वनाथन ने चेन्नई के लोक भवन में पद की शपथ ली। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने नव नियुक्त मंत्रियों को शपथ दिलाई। यह मुख्यमंत्री द्वारा मंत्रिपरिषद में 23 विधायकों को शामिल करने के प्रस्ताव के बाद हुआ, जिसे तमिलनाडु के राज्यपाल ने मंजूरी दे दी। मंत्रिपरिषद की कुल संख्या 35 है। इस विस्तार के साथ अब तक 33 मंत्रियों ने शपथ ली है। कुल मंत्रिपरिषद में से 21 विधायक तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) से और 2 कांग्रेस से हैं।

शुभेंदु सरकार में घुसपैठ पर नकेल बीएसफ को 27 किमी जमीन, लगाए जाएंगे कंटीले तार

■ बीएसएफ ने सरकार के फैसले की सराहना की

मुर्शिदाबाद/ए.। पश्चिम बंगाल सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर कंटीले तारों की बाड़ लगाने के लिए बीएसएफको 27 किलोमीटर जमीन सौंप दी है। गुरुवार को राज्य सचिवालय नबान्ना में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बीएसएफ अधिकारियों की मौजूदगी में औपचारिक रूप से भूमि हस्तांतरण प्रक्रिया की शुरुआत की।

सरकार ने क्यों लिया यह फैसला?

राज्य के मुर्शिदाबाद और मालदा जिले इस समय सुरक्षा और राजनीतिक दोनों वजहों से बेहद अहम माने जा रहे हैं। इन्हीं संवेदनशील इलाकों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने सीमा पर फेंसिंग और सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए यह फैसला लिया।

दरअसल, मुर्शिदाबाद और मालदा दोनों जिले सीधे बांगलादेश सीमा से जुड़े हैं और यहां बड़ी मुस्लिम आबादी रहती है। 2011 की जनगणना के मुताबिक मुर्शिदाबाद में मुस्लिम आबादी करीब 66 प्रतिशत और मालदा में 51 प्रतिशत है। भाजपा लंबे समय से इन इलाकों में बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा उठाती रही है। पार्टी का आरोप है कि अवैध घुसपैठियों को फर्जी दस्तावेजों के जरिए स्थानीय स्तर पर पहचान दिलाई जाती रही है।

हाल ही में चुनाव आयोग द्वारा जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के शुरुआती फाइनल आंकड़ों में भी मुर्शिदाबाद और मालदा चर्चा में रहे। करीब 60 लाख से ज्यादा लंबित मतदाताओं में लगभग एक-तिहाई सिर्फ इन दो सीमावर्ती जिलों से हैं। मुर्शिदाबाद में ऐसे मतदाताओं की संख्या सबसे ज्यादा 11.01 लाख बताई गई, जबकि मालदा में यह आंकड़ा 8.28 लाख है।

पश्चिम बंगाल की सीमा लगभग 2,200 किलोमीटर तक बांग्लादेश से लगती है, जबकि भारत-बांग्लादेश की कुल सीमा करीब 4,000 किलोमीटर लंबी है। इनमें से लगभग 1,600 किलोमीटर हिस्से में पहले ही फेंसिंग की जा चुकी है, जबकि करीब 600 किलोमीटर क्षेत्र अब भी बिना बाड़ के है।

सरकार की ओर से इस बार कुल 27 किलोमीटर क्षेत्र के लिए जमीन सौंपी गई है। इसमें 18 किलोमीटर हिस्से में कंटीले तारों की बाड़ लगाई जाएगी, जबकि नौ किलोमीटर क्षेत्र बीएसएफचौकियों और अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए इस्तेमाल होगा।

वहीं, बीएसएफ के महानिदेशक प्रवीन कुमार ने राज्य सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा अभियानों में जिस सहयोग की लंबे समय से जरूरत थी, वह अब नई सरकार के तहत मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने पिछली सरकार पर लगाया आरोप

मुख्यमंत्री ने पिछली सरकार पर असहयोग के जरिए सीमा सुरक्षा में बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सीमा पर बाड़बंदी राष्ट्रीय और राज्य सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री ने घुसपैठ, तस्करी, नकली मुद्रा, जबरन धर्मांतरण और अवैध रूप से घुसे बांग्लादेशी नागरिकों से जुड़े अपराधों का हवाला देते हुए कहा कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए सीमा सुरक्षा को मजबूत करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में और जमीन भी बीएसएफ को हस्तांतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया का खर्च केंद्र सरकार और बीएसएफद्वारा उठाया जाएगा।

असम विधानसभा के दूसरी बार स्पीकर बने रंजीत कुमार दास

गुवाहाटी। असम विधानसभा को गुरुवार को नया अध्यक्ष मिल गया। चार बार के भाजपा विधायक रंजीत कुमार दास को सर्वसम्मति से 16वीं असम विधानसभा का अध्यक्ष चुना गया। प्रोटेम स्पीकर चंद्र मोहन पटवारी ने सदन में घोषणा करते हुए बताया कि रंजीत कुमार दास के समर्थन में तीन नामांकन दाखिल किए गए थे। उनके खिलाफ किसी अन्य विधायक ने नामांकन दाखिल नहीं किया, जिसके बाद उन्हें निर्विरोध विधानसभा अध्यक्ष घोषित कर दिया गया।

यह दूसरी बार है जब रंजीत कुमार दास असम विधानसभा के अध्यक्ष बने हैं। इससे पहले 2016 में भाजपा की पहली सरकार बनने के दौरान भी उन्होंने स्पीकर पद की जिम्मेदारी संभाली थी। उस समय राज्य में पहली बार भाजपा सत्ता में आई थी और दास को विधानसभा संचालन की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

रंजीत कुमार दास असम की भवानीपुर-सोरभोग विधानसभा सीट से विधायक हैं। वह 2011 से लगातार चार बार विधानसभा चुनाव जीतकर सदन पहुंचे हैं। उन्होंने राज्य की राजनीति में संगठन और सरकार दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

सीएम सरमा के पहले कार्यकाल में रहे कैबिनेट मंत्री

दास मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के पहले कार्यकाल (2021-2026) में कैबिनेट मंत्री भी रह चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने भाजपा की असम इकाई के अध्यक्ष के रूप में भी पार्टी संगठन को मजबूत करने का काम किया। उनके दोबारा विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने को भाजपा नेतृत्व और संगठन में उनके लंबे अनुभव का अहम संकेत माना जा रहा है।

नीट पेपर लीक मामला: कांग्रेस का जयपुर में हल्लाबोल

■ बैरिकेडिंग पर चढ़े कार्यकर्ता, पुलिस ने चलाई वाटर कैनन

■ डोटासरा ने एनटीए भंग करने और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की

किशनगंज। नीट यूजी पेपर लीक मामले को लेकर राजस्थान की राजधानी जयपुर में गुरुवार को कांग्रेस ने बीजेपी मुख्यालय के खिलाफजोरदार प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से पैदल मार्च करते हुए शहीद स्मारक के रास्ते बीजेपी कार्यालय की ओर बढ़े। प्रदर्शन के चलते पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने रास्ते में कई जगह बैरिकेड्स लगाए थे, लेकिन प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। बीजेपी मुख्यालय की ओर बढ़ रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने केंद्र सरकार और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) पर गंभीर सवाल उठाए। राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा, ये लोग बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। धर्मेंद्र प्रधान नीट पेपर लीक के किंगपिन हैं। इस पूरे मामले के मास्टरमाइंड धर्मेंद्र प्रधान ही हैं। पैसे कमाए जा रहे हैं और सरकारों को अस्थिर किया जा रहा है। राहुल गांधी ने 2024 में ही कहा था कि नीट के पेपर लीक हो रहे हैं, इस पर कार्रवाई होनी चाहिए और चर्चा होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। लाखों बच्चों का भविष्य बर्बाद हो गया। ये लोग हमें भाषण दिया करते थे, लेकिन खुद ही बेईमान और भ्रष्ट निकले।

नीट का पेपर कहां मिलेगा, बीजेपी के बाड़े में के लगे नारे

प्रदर्शन में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली समेत कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता मौजूद रहे। बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और बीजेपी के खिलाफजमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने "नीट का पेपर कहां मिबैरिकेडिंग पर चढ़े कार्यकर्ता, पुलिस ने चलाई वाटर कैनन लेगा, बीजेपी के बाड़े में" जैसे नारे लगाए, जिससे माहौल और गरमा गया।

बांद्रा में बवाल को लेकर 10 के खिलाफ एफआईआर, हुई थी हिंसक झड़प

मुंबई/ए.। मुंबई के बांद्रा ईस्ट इलाके में बुधवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान हिंसक झड़प हो गई। पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच हुई पत्थरबाजी में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। घटना के बाद निर्मल नगर पुलिस स्टेशन में दस नामजद आरोपियों समेत कई अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा 100-150 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के कई धाराओं में मामला दर्ज किया है। इसके साथ ही भारतीय दंड संहिता की धारा 109 भी लगाई है। पुलिस ने बताया कि, 20 मई को बांद्रा ईस्ट रेलवे स्टेशन के पास गरीब नगर क्षेत्र में अवैध निर्माण हटाने का अभियान चलाया जा रहा था। यह कार्रवाई मुंबई उच्च न्यायालय के आदेश के तहत की जा रही थी। सुरक्षा व्यवस्था के लिए मुंबई पुलिस, रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स, होम गार्ड और अन्य कर्मचारी मौके पर तैनात थे। जैसे की तोड़फोड़ का काम शुरू हुआ वैसे ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जमा हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की, लेकिन भीड़ ने कार्रवाई रोकने की कोशिश की। कुछ ही देर में हालात तनावपूर्ण हो गए और प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर और अन्य वस्तुएं फेंकनी शुरू कर दीं।

महंगाई का असर: खपत की रफ्तार थामी तो विकास दर को लग सकता है झटका

नई दिल्ली/ए.। भारत की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत कारखाने नहीं बल्कि बाजार हैं। गांव की किराना दुकान से लेकर शहर के मॉल तक जो खर्च होता है, वही आर्थिक विकास की असली धड़कन है। यही वजह है कि उपभोग में थोड़ी भी सुस्ती अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका दे सकती है। वह भी ऐसे समय में, जब देश पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, विदेशी निवेशकों की लगातार पूंजी निकासी, डॉलर की तुलना में रुपये में रिकॉर्ड गिरावट और बढ़ते आयात बिल जैसे संकटों से जूझ रहा है।

दरअसल, भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा सहारा घरेलू खर्च है।?घरेलू जीडीपी में निजी खपत की हिस्सेदारी करीब 57 फीसदी है। यानी लोगों की जेब, खरीदारी और भरोसा ही विकास का सबसे बड़ा इंजन है। दिसंबर, 2025 तिमाही के दौरान निजी खपत बढ़कर जीडीपी के 57.5 फीसदी तक पहुंच गई। चिंता इसलिए बढ़ी है, क्योंकि पिछले तीन महीनों में कई एजेंसियों ने भारत की वृद्धि दर के अनुमान घटाए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 के लिए विकास दर अनुमान को 6.6 फीसदी से घटाकर 6.4 फीसदी कर दिया है। मूडीज रेटिंग्स ने भी 2026 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान 6.8 फीसदी से घटाकर 6.0 फीसदी किया है। वहीं, इंडिया रेटिंग्स ने पश्चिम एशिया तनाव और अल-नीनो के जोखिम को देखते हुए 2026-27 में वृद्धि दर 6.7 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। यानी भारत मौजूदा संकट में भी तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था तो बना हुआ है, लेकिन बाहरी झटकों से अछूता नहीं है। रोजमर्रा के सामान साबुन, तेल, बिस्कुट, शैंपू, चाय, पैकेज्ड फूड...देश की खपत का सबसे तेज संकेत देते हैं। इसी मोर्चे पर चेतावनी दिख रही है।

वर्ल्डपैनल बाय न्यूमरेटर के मुताबिक, जनवरी-मार्च तिमाही में एफएमसीजी वैल्यू ग्रोथ 13.1 फीसदी और वॉल्यूम ग्रोथ 5.4 फीसदी रही। एजेंसी का अनुमान है कि 2026 में वॉल्यूम ग्रोथ 5 फीसदी तक जा सकती है, अगर कच्चा तेल स्थिर रहे और मानसून साथ दे। महंगाई और मौसम का दबाव बना रहा, तो एफएमसीजी की वृद्धि दर 3-4 फीसदी तक सिमट सकती है।

अंडर-23 वनडे टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा

नई दिल्ली/ए.। आगामी 2026/27 घरेलू सीजन में अंडर-23 पुरुषों के वनडे टूर्नामेंट की जगह टी20 फॉर्मेट लेगा, जबकि कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी विजेता बनाम शेष भारत का मैच घरेलू सीजन के कैलेंडर में वापस आ जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को यह जानकारी दी। 2026-27 के घरेलू सीजन में पुरुषों और महिलाओं के क्रिकेट में कई आयु-वर्ग श्रेणियों में कुल 1,788 मैच खेले जाएंगे। इस सीजन की शुरुआत प्रतिष्ठित दलीप ट्रॉफी से होगी, जो 23 अगस्त से 10 सितंबर तक बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में खेली जाएगी। इसके बाद 1 अक्टूबर से ईरानी कप की शुरुआत होगी। यह संभवतः जम्मू या श्रीनगर में खेला जाएगा, क्योंकि जम्मू और कश्मीर अभी रणजी ट्रॉफी के मौजूदा विजेता हैं, जिसे उन्होंने इस साल की शुरुआत में हुबली में जीता था। रणजी ट्रॉफी दो-चरणों वाले फॉर्मेट में जारी रहेगी। एलीट ग्रुप में 32 टीमें चार ग्रुप में होंगी और प्लेट ग्रुप में छह टीमें सामान्य 'होम-एंड-अवे' फॉर्मेट में खेलेंगी। कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी विजेता बनाम शेष भारत का मुकाबला 1-4 अक्टूबर को फिर से खेला जाएगा। मेंस अंडर-23 स्टेट 'ए' ट्रॉफी को टी20 फॉर्मेट में बदलने के अलावा, विजी ट्रॉफी वनडे प्रतियोगिता के बजाय टी20 फॉर्मेट में खेली जाएगी। कूच बिहार ट्रॉफी के नॉकआउट चरण बेंगलुरु और मैसूर में आयोजित किए जाएंगे, ताकि जनवरी के दौरान मैचों में प्रतिस्पर्धी संतुलन बना रहे। विजय मर्चेंट ट्रॉफी (अंडर-16) को बेहतर शेड्यूलिंग और खिलाड़ियों की तैयारी के लिए नवंबर-जनवरी के समय में आगे बढ़ा दिया गया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप के लीग मैच 27 सितंबर से 10 अक्टूबर तक विशाखापत्तनम, मुंबई, कोलकाता और मोहाली में होंगे।

फिल्म 'बंदर' का ट्रेलर रिलीज, जेल में कैद हुए बॉबी देओल

मुंबई/ए.। बॉबी देओल करियर की दूसरी पारी में लीक से हटकर किरदार कर रहे हैं। अनुराग कश्यप निर्देशित फिल्म 'बंदर' में बॉबी देओल एक बार फिर से इंटेंस रोल में दिख रहे हैं। फिल्म के ट्रेलर में उनके किरदार में कई शेड्स नजर आ रहे हैं।

फिल्म 'बंदर' के ट्रेलर की शुरुआत बॉबी देओल के किरदार के साथ होती है, जो कम उम्र की लड़कियों को डेट करता है। लेकिन एक लड़की से मुलाकात उसकी जिंदगी बदल देती है। उसे सलाखों के पीछे धकेल देती है। बॉबी देओल का किरदार खुद को बेगुनाह कहता है, लेकिन कोई उसकी नहीं सुनता है।

'बंदर' के ट्रेलर को देखकर लगता है कि यह कहानी दुष्कर्म के झूठे आरोप पर आधारित है। बॉबी का किरदार इस वजह से जेल भी जाता है। जेल के बुरे अनुभवों से वो गुजरता है। अपने किरदार में बॉबी काफी रम हुए नजर आते हैं। अलग-अलग सिचुएशन में उनकी एक्टिंग असर छोड़ती है।

कब होगी फिल्म रिलीज?

अनुराग कश्यप निर्देशन 'बंदर' की कहानी सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखी है। निखिल द्विवेदी इसके प्रोड्यूसर हैं। इस फिल्म में बॉबी देओल के अलावा सान्या मल्होत्रा, सपना पब्बी, सबा आजाद, इंद्रजीत सुकुमारन, जितेंद्र जोशी, राज बी. शेट्टी और नागेश भोंसले जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। 'बंदर' 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जेब कट रही, स्वाद छूट रहा : पहले पेट भरता था, अब जेब खाली करता है 'नाश्ता'

महंगा हुआ हर निवाला, जनता का निकला दिवाला

छत्तीसगढ़ में महंगाई अब लोगों की जेब पर खुला हमला बन चुकी है। पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों ने आम आदमी का नाश्ता तक छीन लिया है। रायपुर, दुर्ग-भिलाई, बिलासपुर और जगदलपुर समेत कई शहरों में समोसा, डोसा, भजिया और खस्ता जैसे आम स्नैक्स अब 'महंगे स्वाद' में बदल चुके हैं। एक महीने पहले तक 20-25 रुपये में मिलने वाला समोसा अब 35 से 40 रुपये तक पहुंच गया है, जबकि डोसा 110 से 140 रुपये में बिक रहा है। होटल संचालक बढ़ती लागत का हवाला देकर मनमाने दाम वसूल रहे हैं और प्रशासन तमाशबीन बना हुआ है। न कोई रेट तय, न कोई निगरानी... नतीजा यह कि हर होटल अपनी मर्जी से ग्राहकों की जेब काट रहा है। हालत यह है कि अब 100 रुपये में पेट नहीं भरता, सिर्फ स्वाद की औपचारिकता पूरी होती है। महंगाई की इस मार ने साफ कर दिया है कि हर निवाला महंगा हो गया है और जनता का दीवाला निकला रहा है।

महंगाई ने बिगाड़ा होटल और रेस्टोरेंट में खाने का बजट

महंगाई ने छीना स्वाद, नाश्ता खाने से पहले सोचना पड़ रहा

40 रुपये प्लेट समोसा, भजिया, मुंगौड़ी, 140 का डोसा

महंगाई की कड़ाही में खौलते दाम, ग्राहकों का निकला दम

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में बढ़ती महंगाई अब सीधे आम आदमी की थाली और जेब पर असर डाल रही है। राजधानी रायपुर से लेकर दुर्ग-भिलाई, बिलासपुर, जगदलपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों ने खाने-पीने की चीजों को महंगा कर दिया है। हालात ऐसे हैं कि कभी चाय-नाश्ते के साथ आसानी से मिलने वाला समोसा अब लोगों को सोचने पर मजबूर कर रहा है। एक महीने पहले तक शहरों के होटल और ठेलों में समोसा 25 से 30 रुपये प्लेट मिल जाता था, लेकिन अब वही प्लेट 35 से 40 रुपये तक पहुंच गई है। सिर्फ समोसा ही नहीं, बल्कि डोसा, भजिया, खस्ता, मुंगौड़ी और आलुगुंडा जैसे लोकप्रिय नाश्तों के दाम भी तेजी से बढ़े हैं। आम लोगों का कहना है कि पहले जहां 100 रुपये में परिवार का हल्का नाश्ता हो जाता था, अब उतने पैसे में दो लोगों का पेट भरना भी मुश्किल हो गया है।

डीजल महंगा होने से परिवहन खर्च बढ़ा, व्यवसाय की लागत भी बढ़ी

होटल और रेस्टोरेंट संचालकों का तर्क है कि बढ़ती लागत के कारण उन्हें कीमतें बढ़ानी पड़ रही हैं। पेट्रोल-डीजल महंगा होने से परिवहन खर्च बढ़ गया है, वहीं गैस सिलेंडर की कीमतों ने होटल व्यवसाय की लागत को और बढ़ा दिया है। खाद्य तेल, दाल, मसाले और सब्जियों की कीमतों में भी लगातार इजाफा हो रहा है। ऐसे में होटल संचालक अपने हिसाब से रेट तय कर रहे हैं।

जिला प्रशासन की स्पष्ट गाइडलाइन नहीं

लोगों की नाराजगी इस बात को लेकर भी है कि जिला प्रशासन की ओर से किसी प्रकार की स्पष्ट गाइडलाइन या निगरानी नहीं है। होटल और रेस्टोरेंट अपने स्तर पर कीमतें तय कर रहे हैं, जिससे ग्राहकों को मनमानी दरों का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि अलग-अलग इलाकों में एक ही सामान के अलग-अलग दाम वसूले जा रहे हैं।

नाश्ता भी आम आदमी से दूर होता जा रहा

महंगाई की इस मार ने साफ कर दिया है कि अब सिर्फ रसोई ही नहीं, बल्कि सड़क किनारे मिलने वाला नाश्ता भी आम आदमी की पहुंच से धीरे-धीरे दूर होता जा रहा है। छोटे-छोटे खर्च अब जेब पर भारी पड़ने लगे हैं, और लोगों के चेहरे पर एक ही सवाल है– 'आखिर महंगाई रुकेगी कब?

कीमतों पर नियंत्रण नहीं तो बढ़ेगी महंगाई

आर्थिक जानकारों का मानना है कि यदि डीजल और गैस की कीमतों पर नियंत्रण नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में महंगाई और बढ़ सकती है। इसका असर केवल होटल कारोबार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि घर के बजट पर भी गहरा असर पड़ेगा।

डोसा प्रेमियों पर पड़ा सबसे ज्यादा असर

सबसे ज्यादा असर डोसा प्रेमियों पर पड़ा है। पहले जो सादा डोसा 70 से 80 रुपये में मिल जाता था, वही अब कई होटलों में 110 रुपये तक पहुंच गया है। मसाला डोसा की कीमत तो कई जगह 150 से 160 रुपये तक हो चुकी है। मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बाहर खाना अब धीरे-धीरे महंगा सौदा बनता जा रहा है।

ईंधन की बढ़ती कीमतों ने बिगाड़ा बजट

परिवहन से लेकर रसोई तक असर, खाद्यान्न, किराया और रोजमर्रा की वस्तुएं लगातार हो रहीं महंगी, गृहिणियों की चिंता बढ़ी, बाहर खाने वाले भी टेंशन में

जयदेव सिंह

महासमुंद/नवप्रदेश। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी तथा पेट्रोल पंपों में सीमित मात्रा में ईंधन वितरण के निर्णय ने आम लोगों से लेकर व्यापारिक वर्ग तक की चिंता बढ़ा दी है। इसका असर अब केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी सप्लाई चेन, बाजार व्यवस्था और घरेलू बजट पर साफ दिखाई देने लगा है। खाद्यान्न, तेल, शक्कर, डिस्पोजल सामग्री, परिवहन किराया और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे महंगाई ने आमजन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। व्यापारियों और आम लोगों का कहना है कि यदि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही और ईंधन आपूर्ति सीमित रही, तो आने वाले दिनों में महंगाई और भी भयावह रूप ले सकती है।

खाद्यान्न पर सीधा असर, चावल-दाल के दाम बढ़ने लगे: डीजल की कीमत बढ़ने से परिवहन लागत में तेजी आई है। इसका सीधा असर खाद्यान्न और किराना सामग्री पर देखने को मिल रहा है। व्यापारियों के अनुसार, पहले जो चावल का कट्टा लगभग 1000 रुपये में मिलता था, उसमें 15 रुपये तक की वृद्धि हो चुकी है। आने वाले दिनों में यही बढ़ोतरी 30 से 50 रुपये प्रति कट्टा तक पहुंच सकती है। छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है, लेकिन बड़ी मात्रा में चावल दक्षिण भारत और महाराष्ट्र से आता है। वहीं दाल महाराष्ट्र और गेहूं मध्यप्रदेश से मंगाया जाता है। ऐसे में मालवाहक वाहनों की आवाजाही प्रभावित होने से खाद्यान्न आपूर्ति पर संकट गहराने की आशंका जताई जा रही है। व्यापारियों का कहना है कि यदि डीजल की कमी के कारण ट्रक और मालवाहक वाहन कम संख्या में आने लगे, तो बाजार में खाद्यान्न की कमी और जमाखोरी की स्थिति पैदा हो सकती है।

तेल, शक्कर और डिस्पोजल सामग्री के दामों में भारी उछाल: बढ़ती महंगाई का असर अब हर वर्ग महसूस कर रहा है। बाजार में खाद्य तेल, शक्कर और डिस्पोजल सामग्री के दामों में अचानक वृद्धि दर्ज की गई है। जो खाद्य तेल पहले 1800 से 1900 रुपये में मिलता था, वह अब 2350 से 2550 रुपये तक पहुंच गया है। शक्कर, जो कुछ दिन पहले 42-43 रुपये प्रति किलो बिक रही थी, अब 44-45 रुपये हो गई है।

महंगाई का तड़का, खाने की कीमत ने बिगाड़ा बजट

अब 100 रुपये में सिर्फ स्वाद मिलेगा, पेट नहीं भरेगा

डिस्पोजल ग्लास और कटौरी के दाम बढ़ गए

शादी-विवाह सीजन में उपयोग होने वाले डिस्पोजल ग्लास, जो पहले 13-14 रुपये में मिलते थे, अब 22-23 रुपये तक पहुंच गए हैं। व्यापारियों का कहना है कि केवल अनाज ही नहीं, बल्कि लगभग हर वस्तु के दाम बढ़ चुके हैं। एलपीजी गैस सिलेंडर की बढ़ी कीमतों ने पहले ही रसोई का बजट बिगाड़ रखा था, अब डीजल महंगा होने से स्थिति और गंभीर हो गई है।

खेती-किसानी पर भी बढ़ा आर्थिक दबाव

ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई पंप, ट्रैक्टर और अधिकांश कृषि उपकरण डीजल पर निर्भर हैं। डीजल महंगा होने से खेती की लागत बढ़ रही है। किसानों को ट्रैक्टर संचालन, सिंचाई, खाद और बीज की ढुलाई में अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ईंधन कीमतों में लगातार वृद्धि होती रही, तो कृषि उत्पादन लागत बढ़ने से खाद्यान्न महंगाई और तेज होगी।

सरकार के सामने संतुलन बनाने की चुनौती

यदि ईंधन कीमतों में लगातार बढ़ोतरी जारी रही, तो आने वाले समय में खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री और यात्रा तक लगभग हर क्षेत्र में महंगाई बढ़ सकती है। ऐसे में सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी कि वह तेल कंपनियों के हित और आम उपभोक्ताओं को राहत देने के बीच संतुलन बनाकर प्रभावी नीति तैयार करे।

परिवहन महंगा, आम यात्रियों की जेब पर बोझ

देश में अधिकांश ट्रक, बसें और मालवाहक वाहन डीजल पर चलते हैं। डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्ट लागत तेजी से बढ़ी है। इसका असर बस किराया, ऑटो और टैक्सी भाड़ा, ट्रक भाड़ा और ऑनलाइन डिलीवरी चार्ज तक में दिखाई देने लगा है। दैनिक यात्रा करने वाले लोग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं।

अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है असर

अर्थशास्त्रियों का मानना है कि ईंधन कीमतों में लगातार वृद्धि से महंगाई दर बढ़ सकती है। इससे आरबीआई पर ब्याज दरों को नियंत्रित रखने का दबाव भी बढ़ेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी केवल वाहन चलाने की लागत नहीं बढ़ाती, बल्कि परिवहन, कृषि, उद्योग, खुदरा बाजार पर प्रभाव डालती है।

जमाखोरी-कालाबाजारी का बढ़ा खतरा

व्यापारिक वर्ग का कहना है कि सीमित मात्रा में डीजल वितरण से कालाबाजारी को बढ़ावा मिल सकता है। आपदा में अवसर तलाशने वाले लोग जमाखोरी कर मुनाफाखोरी कर सकते हैं, जिससे बाजार में कृत्रिम संकट और महंगाई बढ़ने की आशंका है। प्रशासन को ऐसे लोगों पर सख्त एक्शन लेना जरूरी है।

लोगों की जुबानी महंगाई का दर्द

बाजार की स्थिति बेहद खराब : संभू साहू

जिला चैंबर ऑफकॉमर्स के अध्यक्ष संभू साहू ने कहा कि बाजार की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। उन्होंने बताया कि खाद्य तेल 1800-1900 रुपये से बढ़कर 2350-2550 रुपये तक पहुंच गया है। शक्कर और डिस्पोजल सामग्री के दाम भी तेजी से बढ़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि डीजल सीमित मात्रा में देने का निर्णय कालाबाजारी को बढ़ावा दे रहा है और बाजार पर सरकार का नियंत्रण कमजोर दिखाई दे रहा है।

घर का बजट बिगाड़ दिया : जयश्री दास

गृहिणी जयश्री दास ने कहा कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर घर के बजट पर पड़ रहा है। पहले गैस सिलेंडर महंगा हुआ और अब खाद्यान्न एवं अन्य वस्तुएं महंगी हो रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

भाड़ा बढ़ाने पर यात्री बैठना नहीं चाहते : शेख

छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंघ के जिलाध्यक्ष शेख अजीम ने कहा कि यात्रियों को यह पता है कि डीजल-पेट्रोल महंगा हो गया है, लेकिन वे किराया बढ़ाने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यदि 10 रुपये की सवारी के बदले 15 रुपये मांगे जाते हैं, तो लोग ऑटो में बैठना नहीं चाहते और ई-रिक्शा का विकल्प चुन रहे हैं। सरकार ई-वाहनों को बढ़ावा दे रही है, लेकिन पारंपरिक वाहन चालकों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

रसोई से व्यापार तक असर : मोनिका गोलछा

गृहिणी और व्यवसायी मोनिका गोलछा ने कहा कि महंगाई की मार से गृहस्थी और व्यापार दोनों प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि कपड़ों के व्यापार में भी लागत बढ़ रही है, जबकि घर का बजट संभालना मुश्किल होता जा रहा है।

अब बचत करना भी मुश्किल : सुनीता साहू

गृहिणी सुनीता साहू ने कहा कि रोजमर्रा की हर जरूरत महंगी हो गई है। खाने-पीने की वस्तुओं से लेकर घरेलू सामान तक सबके दाम बढ़ गए हैं। घर का बजट संभालना पहले से कहीं ज्यादा कठिन हो गया है।

महंगाई अब चूल्हे तक पहुंच चुकी है : सोनम

गृहिणी सोनम ने कहा कि सब्जी, राशन, दूध और तेल जैसी जरूरी वस्तुएं महंगी हो गई हैं। महिलाएं छोटी-छोटी बचत कर घर चलाती हैं, लेकिन अब बचत करना भी मुश्किल हो गया है। महंगाई रसोई तक पहुंच चुकी है।

अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस: डीजल-कामर्शियल गैस की कीमतों में बढ़ोतरी से फीकी पड़ी चाय की चुस्की, 5 की चाय 8 और 10 की 15 रुपए तक पहुंची

दूध और ईंधन के दाम बढ़े, अब चाय की चुस्की पड़ रही भारी

शाहिन कुरैशी

रायपुर/नवप्रदेश। महंगाई ने राजधानी रायपुर समेत पूरे प्रदेश में आम आदमी की जेब में चौतरफा हमला बोल दिया है। पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के मूल्य में तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि के साथ ही दूध के दाम भी दो रुपये बढ़ा दिए गए हैं। नतीजतन अब चाय की चुस्की महंगी पड़ रही है।

अब तक चालू चाय 5 रुपये में मिलती थी, जो अब सात रुपये में मिल रही है। वहीं स्पेशल चाय 7 रुपये से बढ़कर 10 रुपये हो गई है। चाय प्रेमी जो दिनभर में चार से पांच बार चाय पी लेते हैं उनको प्रति दिन दस रुपये की अतिरिक्त चपत लग रही है। टी स्टॉल वालों का कहना है कि पहले कमर्शियल गैस का दाम बढ़ाया गया था और अब दूध के दाम भी बढ़ गए हैं, इसलिए उन्हें चाय के दाम बढ़ाने पड़े हैं। दूसरी ओर चाय प्रेमी इस मूल्य वृद्धि को अनुचित करार दे रहे हैं। उनका कहना है दूध में दो रुपये की वृद्धि को प्रति कप दो रुपये महंगा कर हर चाय प्रेमियों से वसूलना गलत है। संयोग से आज 21 मई को पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस मनाया गया। छत्तीसगढ़ की राजधानी सहित यहां के टी-स्टालों और होटलों में दिनभर चाय प्रेमियों की भीड़ उमड़ी रही, लेकिन चाय के दाम बढ़ जाने के कारण चाय फीकी लगी।

गौरतलब है कि यह महंगाई केवल चाय तक सीमित नहीं है। मिडिल ईस्ट में हो रहे युद्ध के चलते पेट्रोल, डीजल, गैस सहित खाने-पीने की चीजों पर भी गहरा असर पड़ा है। महंगाई ने इस कदर कहर ढाया है कि एक कप चाय पीने के लिए लोगों को सोचना पड़ रहा है। इस मूल्य वृद्धि का असर केवल चाय प्रेमियों पर ही नहीं बल्कि चाय के छोटे-छोटे टपरी संचालकों के व्यापार पर भी पड़ने लगा है। दुकानदारों का कहना है उन्हें मजबूरन चाय की कीमत बढ़ानी पड़ी, क्योंकि महंगाई ने उनकी कमर तोड़ कर रख दी है। जिससे उनके दैनिक ब्रिकी में गिरावट आ रही है। उनका कहना है कि जब दूध, कमर्शियल गैस और शक्कर जैसी दैनिक रोजमर्रा की चीजें महंगी हो गई है तो हम पुराना रेट कैसे चला सकते हैं। लागत निकालना मुश्किल हो रहा था, इसलिए हमें मजबूरन रेट बढ़ाना पड़ा।

ईंधन की कालाबाजारी रोकने कड़े कदम जरूरी

बाजार में ईंधन व दूध जैसी चीजों की हो रही कालाबाजारी को रोकने कड़े कदम उठाने चाहिए वरना कल को दैनिक जीवन उपयोगी वस्तुएं भी गायब होने लगेगी इसमें कोई दो राय नहीं है। जहां एक तरफ आज अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस पर लोग चाय की चुस्की लेकर चाय दिवस मना रहे थे वहीं दूसरी तरफ चर्चा का मुख्य विषय चाय की बढ़ती कड़वी कीमत ही रही।

चाय दुकानों में सामान रेट लिस्ट होना चाहिए

चाय प्रेमियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उनका कहना है कि दूध में दो रुपये की बढ़ोत्तरी का ये मतलब नहीं कि हर एक कप पर दो रुपए वसूला जाए। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग से लोगों ने मांग की है कि स्थानीय होटलों चाय स्टालों के लिए एक पारदर्शी रेट लिस्ट तय करनी चाहिए, ताकि इस महंगाई के दौर में आम आदमी को थोड़ी राहत मिल पाये।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com